

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA

दिल्ली राजपत्र
Delhi Gazette

एस.जी.-डी.एल.-अ.-13102025-266891
SG-DL-E-13102025-266891xxxGIDHxxx
xxxGIDExxxअसाधारण
EXTRAORDINARY
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 299]	दिल्ली, बुधवार, अक्तूबर 1, 2025/आश्विन 9, 1947	[रा.रा.क्षे.दि. सं. 263
No. 299]	DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 1, 2025/ASVINA 9, 1947	[N. C. T. D. No. 263

भाग IV
PART IV

राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र दिल्ली सरकार

GOVERNMENT OF THE NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI

वित्त (व्यय-I) विभाग

अधिसूचना

दिल्ली, 30 सितम्बर, 2025

संख्या 12/2024-राज्य कर

फा.सं. 3(31)/वित्त(व्यय-I)/2025-26/डीएस-I/966.—दिल्ली माल एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 03) की धारा 164 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल परिषद् की अनुशंसाओं पर, एतद् द्वारा दिल्ली माल एवं सेवा कर नियमावली, 2017 में और अधिक संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:-

1. **संक्षिप्त शीर्षक एवं प्रारंभ**—(1) इन नियमों को दिल्ली माल एवं सेवा कर (संशोधन) नियमावली, 2024 कहा जाए।
- (2) इन नियमों में अन्यथा उपबंधित के अतिरिक्त ये आधिकारिक राजपत्र में अपने प्रकाशन की तिथि को प्रवृत्त होंगे।
2. दिल्ली माल एवं सेवा कर नियमावली, 2017 (तत्पश्चात् उक्त नियमों के रूप में संदर्भित) में अधिसूचित की जाने वाली तिथि से, नियम 8 के उपनियम (4क) में, पहले परंतुक के पश्चात्, निम्नलिखित परंतुक को अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“आगे यह भी उपबंधित है कि धारा 25 की उपधारा (6घ) के अधीन अधिसूचित व्यक्ति जिसने आधार सं. के अधिप्रमाणन के लिए विकल्प नहीं लिया है, से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा, उपनियम (4) के अन्तर्गत किया गया प्रत्येक आवेदन आवेदक का फोटोग्राफ लेने के पश्चात् किया जाएगा जहां आवेदक धारा 25 की उपधारा (6ग) के अन्तर्गत यथा अधिसूचित आवेदक के संबंध में ऐसा व्यक्ति है या ऐसे व्यक्ति हैं, जहां आवेदक व्यक्ति नहीं है, वहां इस उपनियम के प्रयोजन के लिए आयुक्त द्वारा अधिसूचित सुविधा केन्द्रों में से एक केन्द्र पर प्रपत्र जीएसटी आरईजी-01 में आवेदन के साथ अपलोड किए गए दस्तावेजों की मूल प्रति के सत्यापन के साथ और आवेदन इस परंतुक के अन्तर्गत यथा अधिकथित सफल सत्यापन के पश्चात् ही पूर्ण समझा जाएगा।”

3. उक्त नियम के नियम 21 में,—

- (i) खंड (घ) में “प्रपत्र जीएसटीआर-1” शब्दों, अक्षरों और अंकों के पश्चात् “प्रपत्र जीएसटीआर-1क में यथा संशोधित, यदि कोई हो” अक्षरों, शब्दों और अंकों को अंतःस्थापित किया जाएगा;
- (ii) खंड (छ) के पश्चात्, निम्नलिखित खंड को अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—
“(छक) नियम 23 के उपनियम (1) के तीसरे या चौथे परंतुक के उपबंधों का उल्लंघन करता है; या”।

4. उक्त नियमों के नियम 21क के उपनियम (2क) के खंड (क) में,—

- (i) “प्रपत्र जीएसटीआर-1 में प्रस्तुत” शब्दों, अक्षरों और अंकों के पश्चात् “प्रपत्र जीएसटीआर-1क में यथा संशोधित, यदि कोई हो” अक्षरों, शब्दों और अंकों को अंतःस्थापित किया जाएगा।
- (ii) “उनके प्रपत्र जीएसटीआर-1 में” शब्दों, अक्षरों और अंकों के पश्चात् “या पूर्ववर्ती कर अवधि के प्रपत्र जीएसटीआर-1क में, यदि कोई हो,” शब्दों, अक्षरों और अंकों को अंतःस्थापित किया जाएगा।

5. दिनांक 26 अक्तूबर, 2023 से, उक्त नियमों के नियम 28 में—

- (i) उपनियम (2) में,—
(क) “जो संबंधित व्यक्ति है” शब्दों के पश्चात् “भारत में अवस्थित है” शब्दों को अंतःस्थापित किया जाएगा;
- (ख) “प्रस्तावित ऐसी गारंटी की राशि” शब्दों के पश्चात् “प्रतिवर्ष” शब्दों को अंतःस्थापित किया जाएगा।
- (ii) उपनियम (2) के पश्चात्, निम्नलिखित परन्तुक को अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“बशर्ते कि जहां प्राप्तिकर्ता पूर्ण इनपुट कर प्रत्यय के लिए पात्र हैं, वहां बीजक में घोषित मूल्य सेवाओं की उक्त आपूर्ति का मूल्य माना जाएगा।”

6. उक्त नियमों के नियम 36 के उपनियम (4) के खंड (क) में, “प्रपत्र जीएसटीआर-1” शब्दों, अक्षरों और अंकों के पश्चात्, “प्रपत्र जीएसटीआर-1क में यथा संशोधित, यदि कोई हो,” अक्षरों, शब्दों और अंकों को अंतःस्थापित किया जाएगा।

7. उक्त नियमों के नियम 37क में, “प्रपत्र जीएसटीआर-1” शब्दों, अक्षरों और अंकों के पश्चात्, “प्रपत्र जीएसटीआर-1क में यथा संशोधित, यदि कोई हो,” अक्षरों, शब्दों और अंकों को अंतःस्थापित किया जाएगा।

8. अधिसूचित की जानी वाली तिथि से उक्त नियमों के नियम 39 में,—

- (i) उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—
“(1) इनपुट सेवा वितरक रीति में और निम्नलिखित शर्तों के अधीन इनपुट कर प्रत्यय वितरण करेगा, अर्थात्:—

- (क) किसी माह में वितरण के लिए उपलब्ध इनपुट कर प्रत्यय उसी मास में वितरित किया जाएगा और उसके ब्यौरे इन नियमों के अध्याय VIII के उपबंधों के अनुसार प्रपत्र जीएसटीआर-6 में प्रस्तुत किए जाएंगे;
- (ख) वितरित प्रत्यय की राशि वितरण के लिए उपलब्ध प्रत्यय की राशि से अधिक नहीं होगी;
- (ग) प्रत्यय के प्राप्तिकर्ता के कारण माने जा सकने वाली इनपुट सेवाओं पर संदत्त कर का प्रत्यय केवल उस प्राप्तिकर्ता को वितरित किया जाएगा;"
- (घ) प्रत्यय के एक से अधिक प्राप्तिकर्ता के कारण माने जा सकने वाली इनपुट सेवाओं पर संदत्त कर का प्रत्यय ऐसे प्राप्तिकर्ताओं में वितरित किया जाएगा जिनको ऐसी इनपुट सेवा माने जा सकने योग्य है और ऐसा वितरण सुसंगत अवधि के दौरान ऐसे प्राप्तिकर्ता के किसी राज्य में आवर्त या संघ राज्य क्षेत्र में आवर्त के आधार पर ऐसे सभी प्राप्तिकर्ताओं के कुल आवर्त का अनुपाती होगा जिसको ऐसी इनपुट सेवा माने जा सकने योग्य है और जो उक्त सुसंगत अवधि के दौरान चालू वर्ष में प्रवर्तनीय हैं ।
- (ङ) प्रत्यय के सभी प्राप्तिकर्ताओं के कारण मानी जा सकने वाली इनपुट सेवाओं पर संदत्त कर का प्रत्यय ऐसे प्राप्तिकर्ताओं में वितरित किया जाएगा और ऐसा वितरण सुसंगत अवधि के दौरान ऐसे प्राप्तिकर्ता के किसी राज्य में आवर्त या संघ राज्य क्षेत्र में आवर्त के आधार पर ऐसे सभी प्राप्तिकर्ताओं के कुल आवर्त का अनुपाती होगा तथा जो उक्त सुसंगत अवधि के दौरान चालू वर्ष में प्रवर्तनीय हैं ।
- (च) ऐसा इनपुट कर प्रत्यय जिसे "आरआई" प्राप्तिकर्ताओं में से किसी एक प्राप्तिकर्ता को चाहे वह पंजीकृत हो या न हो, ऐसे सभी कुल प्राप्तिकर्ताओं में से, जिनके अंतर्गत ऐसे प्राप्तिकर्ता भी हैं जो छूट प्रदाय करने में लगे हुए हैं या अन्यथा किसी कारण से पंजीकृत नहीं हैं, को खंड (घ) और खंड (ङ.) के अनुसार ऐसा कर प्रत्यय जिसे वितरित किया जाना अपेक्षित है वह राशि "सी¹" होगी जिसे निम्नलिखित सूत्र को लागू करके संगणित किया जाना है—

$$\text{सी}_1 = (\text{टी}_1 / \text{टी}) \text{ सी}$$

जहां,

"सी" वितरित की जाने वाली प्रत्यय की राशि है,

"टी," सुसंगत अवधि के दौरान आर व्यक्ति का वह आवर्त है, जो खंड (घ) और खंड (ङ.) में यथा विनिर्दिष्ट है, और

"टी" सुसंगत अवधि के दौरान ऐसे सभी प्राप्तिकर्ताओं के आवर्त का योग है जिनको खंड (घ) और खंड (ङ.) के उपबंधों के अनुसार इनपुट सेवा माने जा सकने योग्य है ;

- (छ) इनपुट सेवा वितरक, खंड (घ) और खंड (ङ.) के उपबंधों के अनुसार अपात्र इनपुट कर प्रत्यय (धारा 17 की उपधारा (5) के उपबंधों के अन्तर्गत अपात्र या अन्यथा) की राशि तथा पात्र इनपुट कर प्रत्यय की राशि को पृथक रूप से वितरित करेगा;
- (ज) केन्द्रीय कर, राज्य कर, संघ राज्यक्षेत्र कर और एकीकृत कर के कारण इनपुट कर प्रत्यय का खंड (घ) और खंड (ङ.) के उपबंधों के अनुसार पृथकतः वितरण किया जाएगा ;
- (झ) एकीकृत कर के कारण इनपुट कर प्रत्यय प्रत्येक प्राप्तिकर्ता को एकीकृत कर के इनपुट कर प्रत्यय के रूप में वितरित किया जाएगा;
- (ञ) केन्द्रीय कर तथा राज्य कर या संघ राज्य क्षेत्र कर के कारण इनपुट कर प्रत्यय होगा —
- (i) उसी राज्य या संघ राज्यक्षेत्र में, जिसमें इनपुट सेवा वितरक अवस्थित है, में अवस्थित प्राप्तिकर्ता के संबंध में क्रमशः केन्द्रीय कर और राज्य कर या संघ राज्यक्षेत्र इनपुट कर प्रत्यय के रूप में वितरित किया जाएगा;

- (ii) इनपुट सेवा वितरक से भिन्न राज्य या संघ राज्यक्षेत्र में अवस्थित प्राप्तिकर्ता के संबंध में केन्द्रीय कर और राज्य कर या संघ राज्यक्षेत्र कर के इनपुट कर प्रत्यय की एकीकृत राशि के रूप में वितरित किया जाएगा और इस प्रकार वितरित की जाने वाली राशि केन्द्रीय कर और राज्य कर या संघ राज्यक्षेत्र कर की राशि के कुल योग के बराबर होगी जो खंड (घ) और खंड (ड.) में यथा विनिर्दिष्ट ऐसे प्राप्तिकर्ता के लिए वितरण के लिए अर्हक है;
- (ट) इनपुट सेवा वितरक नियम 54 के उपनियम (1) में यथा उपबंधित इनपुट सेवा वितरक बीजक जारी करेगा जो ऐसे बीजक में स्पष्टतः यह उपदर्शित करे कि यह इनपुट कर प्रत्यय के वितरण के लिए ही जारी किया गया है;
- (ठ) इनपुट सेवा वितरक नियम 54 के उपनियम (1) में यथा उपबंधित इनपुट सेवा वितरक प्रत्यय नोट प्रत्यय की कटौती के लिए जारी करेगा यदि पहले से ही वितरित इनपुट कर प्रत्यय किसी कारण से कम हो जाता है;
- (ड) आपूर्तिकर्ता द्वारा इनपुट सेवा वितरक को नामे नोट के जारी किए जाने के कारण इनपुट कर प्रत्यय की अतिरिक्त राशि रीति में और खंड (क) से खंड (ज) में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए वितरित की जाएगी और किसी प्राप्तिकर्ता से प्राप्त उपलब्ध राशि को खंड (च) में उपबंधित रीति में संगणित किया जाएगा और ऐसा प्रत्यय उसी मास में वितरित किया जाएगा जिसमें नामे नोट **प्रपत्र जीएसटीआर-6** की विवरणी में सम्मिलित किया जाता है;
- (ढ) आपूर्तिकर्ता द्वारा इनपुट सेवा वितरक को प्रत्यय नोट के जारी किए जाने के कारण कटौती किए जाने वाला अपेक्षित कोई इनपुट कर प्रत्यय उसी अनुपात में प्रत्येक प्राप्तिकर्ता को प्रभाजित किया जाएगा जिसमें मूल बीजक में अंतर्विष्ट इनपुट कर प्रत्यय खंड (च) के निबंधनों में वितरित किया गया था और इस प्रकार विभाजित राशि होगी -
- (i) उस मास में वितरित की जाने वाली राशि से घटा दी जाएगी जिसमें प्रत्यय नोट **प्रपत्र जीएसटीआर-6** की विवरणी में सम्मिलित किया जाता है; या
- (ii) प्राप्तिकर्ता के उत्पादन कर दायित्व में वहां जोड़ी जाएगी जहां इस प्रकार विभाजित राशि वितरण के अन्तर्गत प्रत्यय की राशि, जो समायोजित की जाने वाली राशि से कम है, के आधार पर नकारात्मक है ।”
- (ii) उपनियम (1) के पश्चात्, निम्नलिखित उपनियम को अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—
- “(1क) ऐसी इनपुट सेवाएं, जो धारा 9 की उपधारा (3) या उपधारा (4) के अन्तर्गत कर के उद्ग्रहण के अन्तर्गत रहते हुए, एक या अधिक सुभिन्न व्यक्तियों के कारण प्राप्त हो सकने वाली मानी जा सकती हैं, के संबंध में प्रत्यय के वितरण हेतु ऐसा कोई पंजीकृत व्यक्ति जिसके पास इनपुट सेवा वितरक के रूप में पैन और राज्य कोड है, इनपुट सेवा वितरक को ऐसी सामान्य इनपुट सेवाओं के प्रत्यय को अंतरित करने के लिए नियम 54 के उपनियम (1क) के उपबंधों के अनुसार बीजक या, यथास्थिति, प्रत्यय या नामे नोट जारी कर सकता है, और ऐसा प्रत्यय उपनियम (1) में यथा उपबंधित रीति में उक्त इनपुट सेवा वितरक द्वारा वितरित किया जाएगा ।”;
- (iii) उपनियम (2) में “खंड (ज)” शब्दों और कोष्ठकों के स्थान पर “खंड (ढ)” शब्दों और कोष्ठकों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;
- (iv) उपनियम (3) में “खंड (ज)” शब्दों और कोष्ठकों के स्थान पर “खंड (झ)” शब्दों और कोष्ठकों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;
- (v) उपनियम (3) के पश्चात्, निम्नलिखित स्पष्टीकरण को अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—
- “स्पष्टीकरण.—** इस नियम के प्रयोजन के लिए,—
- (i) “सुसंगत अवधि” पारिभाषिक शब्द होगा—

- (क) यदि प्रत्यय का प्राप्तिकर्ता उस वर्ष के दौरान जिसमें प्रत्यय को उक्त वित्तीय वर्ष में वितरित किया जाना है, से पूर्व के वित्तीय वर्ष में अपने राज्य या संघ राज्य क्षेत्रों में आवर्त रखते हैं, या
- (ख) यदि प्रत्यय के कुछ या सभी प्राप्तिकर्ता उस वर्ष के दौरान जिसमें प्रत्यय वितरित किया जाना है, से पूर्व के वित्तीय वर्ष में अपने राज्य या संघ राज्य क्षेत्रों में कोई आवर्त नहीं रखते हैं तो उस अंतिम तिमाही जिसके लिए सभी प्राप्तिकर्ताओं का ऐसे आवर्त के ब्यौरे उपलब्ध हैं, उस पूर्ववर्ती माह जिसके दौरान प्रत्यय वितरित किया जाना है;
- (ii) "प्रत्यय का प्राप्तिकर्ता" अभिव्यक्ति का अभिप्राय माल या सेवाएं या दोनों के आपूर्तिकर्ता से है जिसके पास वैसा ही स्थायी खाता संख्या है जैसी कि इनपुट सेवा वितरक के पास है;
- (iii) इस अधिनियम के अन्तर्गत कराधेय माल और साथ ही अकराधेय माल की आपूर्ति में लगे किसी पंजीकृत व्यक्ति के संबंध में "आवर्त" परिभाषिक शब्द का अभिप्राय आवर्त के उस मूल्य से है जो संविधान की सातवीं अनुसूची की सूची 1 की प्रविष्टि 84 और प्रविष्टि 92क और उक्त अनुसूची की सूची-II की प्रविष्टि 51 और प्रविष्टि 54 के अन्तर्गत उद्गृहीत किसी शुल्क या कर की राशि से घटाकर आता है ।"
9. उक्त नियमों के नियम 40 के उपनियम (1) के खंड (ड.) में "प्रपत्र जीएसटीआर-1" शब्दों, अक्षरों और अंकों के पश्चात् "और प्रपत्र जीएसटीआर-1क में, यदि कोई हो" शब्दों, अक्षरों और अंकों अंतःस्थापित किया जाएगा;
10. उक्त नियमों के नियम 48 के उपनियम (3) में "प्रपत्र जीएसटीआर-1" शब्दों, अक्षरों और अंकों के पश्चात् "या प्रपत्र जीएसटीआर-1क में, यदि कोई हो" शब्दों, अक्षरों और अंकों को अंतःस्थापित किया जाएगा;
- 11. उक्त नियमों के नियम 59 में,—**
- (i) उपनियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित परंतुक को अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—
"बशर्ते कि उक्त व्यक्ति, कर अवधि के लिए प्रपत्र जीएसटीआर-1 में माल या सेवा या दोनों के जावक आपूर्तियों के ब्यौरे प्रस्तुत करने के पश्चात् किंतु उक्त कर अवधि के लिए प्रपत्र जीएसटीआर-3ख में विवरणी दाखिल करने से पूर्व अपने विकल्प पर, या तो प्रत्यक्षतः या सुविधा केन्द्र के माध्यम से जैसा आयुक्त द्वारा अधिसूचित किया जाए, सामान्य पोर्टल के माध्यम से इलैक्ट्रानिक रूप से उक्त कर अवधि के लिए प्रपत्र जीएसटीआर-1क में माल या सेवाओं या दोनों से जावक आपूर्तियों के अतिरिक्त ब्यौरों का संशोधन कर सकेगा या प्रस्तुत कर सकेगा ।";
- (ii) दिनांक 01 अगस्त 2024 से उप-नियम (4) में, "ढाई लाख रुपये" शब्दों के स्थान पर जहां जहां वे आते हैं "एक लाख रुपये" शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;
- (iii) उपनियम (4) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम के अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—
"(4क) प्रपत्र जीएसटीआर-1क में प्रस्तुत माल या सेवाओं या दोनों के जावक आपूर्तियों के अतिरिक्त ब्यौरों या उनके ब्यौरों के संशोधनों में पंजीकृत व्यक्ति की अपेक्षाओं के अनुसार,—
- (क) निम्नलिखित के बीजक वार ब्यौरे सम्मिलित हो सकेंगे—
- (i) पंजीकृत व्यक्तियों को अंतरराज्यिक और राज्यान्तरिक आपूर्ति;
- (ii) अपंजीकृत व्यक्तियों को किए गए एक लाख रुपये से अधिक बीजक मूल्य वाले अंतरराज्यिक आपूर्ति ।
- (ख) निम्नलिखित के समेकित ब्यौरे,—
- (i) कर की प्रत्येक दर के लिए अपंजीकृत व्यक्तियों को की गई राज्यान्तरिक आपूर्ति; और
- (ii) कर की प्रत्येक दर के लिए अपंजीकृत व्यक्तियों को की गई एक लाख रुपये तक के बीजक मूल्य के साथ राज्यवार अंतरराज्यिक आपूर्ति;

- (ग) पूर्व में जारी किए गए बीजकों के लिए माह के दौरान जारी किए गए नामे और प्रत्यय नोट, यदि कोई हों।”;
12. उक्त नियमों के नियम 60 में –
- (i) उपनियम (1) में, “प्रपत्र जीएसटीआर-1” शब्दों, अक्षरों और अंकों के पश्चात् “या प्रपत्र जीएसटीआर-1क” शब्दों, अक्षरों और अंकों को अंतःस्थापित किए जाएंगे;
- (ii) उपनियम (7) में, खंड (ii) के पश्चात्, निम्नलिखित खंड को अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-
- “(ii)क) पूर्ववर्ती कर अवधि के लिए प्रपत्र जीएसटीआर-1 प्रस्तुत करने की नियत तिथि के तुरंत पश्चात् के दिन से लेकर वर्तमान कर अवधि के लिए प्रपत्र जीएसटीआर-1 को प्रस्तुत करने की नियत तिथि के बीच दर्ज प्रपत्र जीएसटीआर-1क में उसके आपूर्तिकर्ता द्वारा प्रस्तुत जावक आपूर्ति के विवरणों में अतिरिक्त ब्यौरे या संशोधन;”;
13. उक्त नियमों के नियम 62 में उपनियम (1) के पश्चात्, निम्नलिखित परंतुक को अंतःस्थापित किया जाएगा; अर्थात्:-
- “बशर्ते कि पंजीकृत व्यक्ति द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 से आगे के लिए प्रपत्र जीएसटीआर-4 में विवरणी ऐसे वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पश्चात् जून के तीसवें दिन तक प्रस्तुत किया जाना आवश्यक होगा।।”;
14. उक्त नियमों के नियम 78 में, “प्रपत्र जीएसटीआर-1 में आपूर्तिकर्ता” शब्दों, अक्षरों और अंकों के पश्चात्, “प्रपत्र जीएसटीआर-1क में यथा संशोधित, यदि कोई हो” शब्दों, अक्षरों और अंकों को अंतःस्थापित किया जाएगा;
15. उक्त नियमों के नियम 88ख में, उपनियम (1) के पश्चात्, निम्नलिखित परंतुक को अंतःस्थापित किया जाएगा;
- “बशर्ते कि जहां कोई राशि धारा 49 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक नकद खातों में उक्त विवरणी दाखिल करने की नियत तिथि को या उससे पहले जमा की गई हो, लेकिन नियत तिथि के पश्चात् उक्त विवरणी दाखिल करते समय कर के भुगतान के लिए उक्त खातों से विकलित कर दी जाती है, उक्त राशि को ऐसे ब्याज की गणना करते समय ध्यान में नहीं रखा जाएगा यदि उक्त राशि नियत तिथि से विवरणी दाखिल करने के समय उसके विकलन की तिथि तक उक्त खातों में पड़ी है।”;
16. उक्त नियमों के नियम 88ग के उपनियम (1) में, “प्रपत्र जीएसटीआर-1” शब्दों, अक्षरों और अंकों के पश्चात् “प्रपत्र जीएसटीआर-1क में यथा संशोधित, यदि कोई हो” शब्दों, अक्षरों और अंकों को अंतःस्थापित किया जाएगा;
17. उक्त नियमों के नियम 89 में,—
- (i) उपनियम (1क) के पश्चात्, निम्नलिखित उपनियम को अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—
- “(1ख) कोई भी व्यक्ति, निर्यात के पश्चात् माल की कीमत में उर्ध्व पुनरीक्षण के कारण संदत्त किए गए अतिरिक्त एकीकृत कर के प्रतिदाय का दावा करता है, और जिस पर ऐसे माल के निर्यात के समय संदत्त किए गए एकीकृत कर का प्रतिदाय नियम 96 के उपबंधों के अनुसार पहले ही स्वीकृत किया जा चुका है, धारा 54 के स्पष्टीकरण (2) के खंड (क) के अनुसार सुसंगत तिथि से दो वर्ष के अवसान से पूर्व, नियम 10ख के उपबंधों के अन्तर्गत रहते हुए, सामान्य पोर्टल के माध्यम से प्रपत्र जीएसटी आरएफडी-01 में इलेक्ट्रॉनिक रूप से संदत्त किए गए अतिरिक्त एकीकृत कर के ऐसी प्रतिदाय के लिए आवेदन दाखिल कर सकता है:
- बशर्ते कि प्रतिदाय के लिए उक्त आवेदन, उन मामलों में जहां अधिनियम की धारा 54 के स्पष्टीकरण (2) के खंड (क) के अनुसार सुसंगत तिथि इस उप-नियम के लागू होने की तिथि से पहले थी, इस उप-नियम के लागू होने की तिथि से दो वर्ष की समाप्ति से पहले दाखिल किया जा सकता है।”;

(ii) उपनियम (2) के खंड (खक) के पश्चात्, निम्नलिखित को अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

“(खख) एक विवरण जिसमें निर्यात बीजकों की संख्या और तिथि के साथ ऐसे बीजकों की प्रति, शिपिंग बिलों या निर्यात बिलों की संख्या तथा तिथि के साथ ऐसे शिपिंग बिलों या निर्यात बिलों की प्रति, प्राधिकृत व्यापारी—I बैंक द्वारा जारी ऐसे शिपिंग बिलों या निर्यात बिलों के संबंध में बैंक वसूली प्रमाणपत्र या विदेशी आवक प्रेषण प्रमाणपत्र की संख्या और तिथि के साथ ऐसे बैंक वसूली प्रमाणपत्र या विदेशी आवक प्रेषण प्रमाणपत्र की प्रति, नियम 96 के उप-नियम (3) के अंतर्गत पहले से स्वीकृत किए गए प्रतिदाय का ब्यौरा, कीमतों में ऊर्ध्व पुनरीक्षण के पश्चात् जारी किए गए सुसंगत पूरक बीजकों या नामे नोटों की संख्या और तिथि के साथ ऐसे पूरक बीजकों या नामे नोटों की प्रति, एकीकृत कर की ऐसी अतिरिक्त राशि और उस पर संदत्त ब्याज के भुगतान के प्रमाण के साथ एकीकृत कर की अतिरिक्त राशि के भुगतान का विवरण, जिसके संबंध में ऐसे प्रतिदाय का दावा किया गया है, निर्यात की कीमत में ऊर्ध्व पुनरीक्षण के संबंध में प्राप्त अतिरिक्त विदेशी मुद्रा प्रेषण के संबंध में प्राधिकृत व्यापारी—I बैंक द्वारा जारी विदेशी आवक प्रेषण प्रमाणपत्र की संख्या और तिथि के साथ ऐसे विदेशी आवक प्रेषण प्रमाणपत्र की प्रति, साथ ही किसी अभ्यासरत चार्टर्ड अकाउंटेंट या लागत लेखाकार द्वारा जारी इस प्रभाव के प्रमाण पत्र कि उक्त अतिरिक्त विदेशी मुद्रा प्रेषण निर्यात के पश्चात् माल की कीमत में इस तरह के ऊर्ध्व पुनरीक्षण के कारण है और अनुबंध या अन्य दस्तावेजों की प्रति, यथा लागू, जिसमें निर्यातित माल की कीमत में पुनरीक्षण और उसकी कीमत में पुनरीक्षण की आवश्यकता को उपदर्शित किया गया है, ऐसे मामले में जहां प्रतिदाय निर्यात के पश्चात् ऐसे माल की कीमत में ऊर्ध्व पुनरीक्षण के कारण है;

(खग) उस दशा में जहां प्रतिदाय निर्यात के पश्चात् ऐसे माल की कीमत में ऊर्ध्व पुनरीक्षण के कारण होता है, बैंक वसूली प्रमाण पत्र या प्राधिकृत ब्यौहारी—I बैंक द्वारा जारी विदेशी आवक प्रेषण प्रमाण पत्र के सुसंगत विवरण के साथ जारी किए गए पूरक बीजक/नामे नोट या प्रत्यय नोट में घोषित आपूर्तियों के मूल्य का समाधान करते हुए, सुलह विवरण;”;

18. उक्त नियमों के नियम 95 के पश्चात्, निम्नलिखित नियम को अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

“95ख. कैंटीन भंडार विभाग द्वारा प्राप्त माल की आवक पूर्ति पर चुकाए गए कर का प्रतिदाय:—

- (1) नियम 95 में निहित किसी बात के होते हुए भी, रक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत कैंटीन भंडार विभाग, जो कैंटीन भंडार विभाग की यूनिट संचालित कैंटीनों को या धारा 55 के अधीन जारी अधिसूचना के अनुसार कैंटीन भंडार विभाग के प्राधिकृत उपभोक्ताओं को ऐसे माल की पश्चात्पूर्ति में आपूर्ति के प्रयोजनों के लिए उसके द्वारा प्राप्त माल की सभी आवक आपूर्तियों पर उसके द्वारा संदत्त किए गए लागू केंद्रीय कर के पचास प्रतिशत के प्रतिदाय का दावा करने के लिए पात्र है, प्रत्येक तिमाही में एक बार सामान्य पोर्टल पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रपत्र जीएसटी आरएफडी-10क में प्रतिदाय हेतु आवेदन करेगा।
- (2) प्रपत्र जीएसटी आरएफडी-10ए में दाखिल माल की आवक आपूर्ति पर संदत्त किए गए कर के प्रतिदाय हेतु ऐसे आवेदन को नियम 89 के उपबंधों के अनुसार प्रपत्र जीएसटी आरएफडी-01 में दाखिल किए गए प्रतिदाय के आवेदन के समरूप तरीके से निपटाया जाएगा।
- (3) आवेदक द्वारा संदत्त किए गए कर का प्रतिदाय तभी उपलब्ध होगा जब—
- (क) माल की आवक आपूर्ति एक पंजीकृत व्यक्ति से कर बीजक के निमित्त प्राप्त की गई थी और ऐसी आपूर्ति का ब्यौरा उक्त पंजीकृत व्यक्ति द्वारा प्रपत्र जीएसटीआर-1 में अपनी जावक आपूर्ति के ब्यौरे में प्रस्तुत किया गया है और उक्त आपूर्तिकर्ता ने संबंधित कर अवधि के लिए प्रपत्र जीएसटीआर-3ख में अपनी विवरणी प्रस्तुत की है;
- (ख) आवेदक का नाम तथा माल एवं सेवा कर पहचान संख्या कर बीजक में उल्लिखित है; और

- (ग) कैंटीन भंडार विभाग द्वारा माल को कैंटीन भंडार विभाग की यूनिट संचालित कैंटीनों या कैंटीन भंडार विभाग के प्राधिकृत उपभोक्ताओं को पश्चात्कर्ती आपूर्ति के उद्देश्य से प्राप्त किया गया है।

19. उक्त नियमों के नियम 96 में,

- (i) उपनियम (1) में,—

- (क) खंड (ख) के परंतुक में, "प्रपत्र जीएसटीआर-1" शब्दों, अक्षरों और अंकों के पश्चात् "प्रपत्रजीएसटीआर-1क में यथा संशोधित, यदि कोई हो" शब्दों, अक्षरों और अंकों को अंतःस्थापित किया जाएगा;

- (ख) खंड (ग) के पश्चात्, दीर्घ रेखा में निम्नलिखित परंतुक को अंतःस्थापित किया जाएगा; अर्थात्:—

"बशर्ते कि माल का निर्यातक, ऐसे माल के निर्यात के पश्चात् माल की कीमत में उर्ध्व पुनरीक्षण के कारण संदत्त किए गए अतिरिक्त एकीकृत कर के प्रतिदाय हेतु सामान्य पोर्टल के माध्यम से प्रपत्र जीएसटी आरएफडी-01 में इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक आवेदन दाखिल कर सकता है, और जिस पर ऐसे माल के निर्यात के समय संदत्त किए गए एकीकृत कर की राशि पहले ही इस नियम के उप-नियम (3) के उपबंधों के अनुसार वापस कर दी गई है, तथा ऐसे आवेदन को नियम 89 के उपबंधों के अनुसार निपटाया जाएगा।";

- (ii) उपनियम (2) में, "प्रपत्र जीएसटीआर-1 में अन्तर्विष्ट" शब्दों, अक्षरों और अंकों के पश्चात् "प्रपत्र जीएसटीआर-1क में यथा संशोधित, यदि कोई हो" शब्दों, अक्षरों और अंकों को अंतःस्थापित किया जाएगा;

20. उक्त नियमों के नियम 96क में,

- (i) उपनियम (1) के खंड (ख) के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"(ख) निर्यात के लिए बीजक जारी करने की तिथि से, एक वर्ष की समाप्ति के पन्द्रह दिन पश्चात्, या विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 (1999 का 42) के अन्तर्गत दी गई अवधि, जिसमें भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यथा अनुज्ञात अवधि का कोई विस्तार भी सम्मिलित है, जो भी बाद में हो, या आयुक्त द्वारा अनुज्ञात की गई ऐसी अतिरिक्त अवधि, यदि जहां भी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुमति दी गई हो, ऐसी सेवाओं का भुगतान निर्यातक द्वारा परिवर्तनीय विदेशी मुद्रा या भारतीय रुपए में प्राप्त नहीं किया जाता है।";

- (ii) उपनियम (2) में, "प्रपत्र जीएसटीआर-1 में अंतर्विष्ट" शब्दों, अक्षरों और अंकों के पश्चात् "प्रपत्र जीएसटीआर-1क में यथा संशोधित, यदि कोई हो" शब्दों, अक्षरों और अंकों को अंतःस्थापित किया जाएगा;

21. उक्त नियमों के नियम (110), के स्थान पर निम्नलिखित नियम को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"110 अपील अधिकरण को अपील. — (1) धारा 112 की उपधारा (1) के अन्तर्गत अपील अधिकरण में, अपील प्रपत्र जीएसटी एपीएल-05 में सुसंगत दस्तावेजों के साथ इलेक्ट्रॉनिक रूप से दाखिल की जाएगी और अपीलार्थी को तुरंत अनंतिम पावती जारी की जाएगी :

बशर्ते कि अपील अधिकरण में अपील, सुसंगत दस्तावेजों के साथ, प्रपत्र जीएसटी एपीएल-05 में मैनुअल रूप से तभी दाखिल की जा सकेगी, जब पंजीयक उक्त आदेश में यथा विनिर्दिष्ट शर्तों और निर्बंधनों के अन्तर्गत, उस प्रभाव के लिए विशेष या साधारण आदेश जारी करके इसकी अनुमति देता है और ऐसे मामले में, अपीलार्थी को तत्काल एक अनंतिम पावती जारी की जाएगी।

- (2) धारा 112 की उपधारा (5) के अन्तर्गत अपील अधिकरण में प्रति-आपत्ति का ज्ञापन, यदि कोई हो, प्रपत्र जीएसटी एपीएल-06 में इलेक्ट्रॉनिक रूप से दाखिल किया जाएगा:

बशर्ते कि प्रति-आपत्ति का ज्ञापन प्रपत्र जीएसटी एपीएल-06 में मैनुअल रूप से तभी दाखिल किया जा सकेगा, जब पंजीयक उक्त आदेश में यथा विनिर्दिष्ट शर्तों और निर्बंधनों के अधीन, उस प्रभाव के लिए विशेष या साधारण आदेश जारी करके इसकी अनुमति देता है।

- (3) अपील और प्रति आपत्तियों के ज्ञापन पर नियम 26 में विनिर्दिष्ट रीति से हस्ताक्षर किए जाएंगे।
- (4) जहां वह आदेश, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, सामान्य पोर्टल पर अपलोड किया गया है, वहां त्रुटियों, यदि कोई हो, को दूर करने पर प्रपत्र जीएसटी एपीएल-02 में अंतिम पावती, अपील संख्या दर्शाते हुए जारी की जाएगी और अनंतिम पावती जारी करने की तिथि को उप-नियम (1) के अन्तर्गत अपील दाखिल करने की तिथि मानी जाएगी:

बशर्ते कि जहां वह आदेश, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, सामान्य पोर्टल पर अपलोड नहीं किया गया है, वहां अपीलार्थी, यथास्थिति, प्रपत्र जीएसटी एपीएल-05 दाखिल करने की तिथि से सात दिनों की अवधि के भीतर उक्त आदेश की स्व-प्रमाणित प्रति प्रस्तुत या अपलोड करेगा और त्रुटियों, यदि कोई हों, के दूर किए जाने पर अपील संख्या दर्शाते हुए अंतिम पावती प्रपत्र जीएसटी एपीएल-02 में जारी की जाएगी और अनंतिम पावती जारी करने की तिथि को अपील दाखिल करने की तिथि मानी जाएगी:

आगे यह भी उपबंधित है कि जहां आदेश की उक्त स्व-प्रमाणित प्रति, प्रपत्र जीएसटी एपीएल-05 दाखिल करने की तिथि से सात दिन की अवधि के पश्चात प्रस्तुत या अपलोड की जाती है, वहां त्रुटियों, यदि कोई हों, को दूर करने पर अपील संख्या दर्शाते हुए अंतिम पावती प्रपत्र जीएसटी एपीएल-02 में जारी की जाएगी और ऐसी स्व-प्रमाणित प्रति को प्रस्तुत या अपलोड करने की तिथि को अपील दाखिल करने की तिथि मानी जाएगी।

स्पष्टीकरण : इस नियम के प्रयोजनार्थ, अपील तभी दाखिल मानी जाएगी जब अपील संख्या दर्शाते हुए अंतिम पावती जारी कर दी जाए।

- (5) अपील दाखिल करने या अपील प्रत्यास्थापित करने हेतु शुल्क प्रत्येक एक लाख रुपए के कर या शामिल इनपुट कर प्रत्यय या कर या शामिल इनपुट कर प्रत्यय में अंतर या उस आदेश में अवधारित जुर्माना, शुल्क या शास्ति की राशि के लिए एक हजार रुपए होगी, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, जो अधिकतम पच्चीस हजार रुपए और न्यूनतम पांच हजार रुपए तक होगी:

बशर्ते कि किसी आदेश के संबंध में अपील दाखिल करने के लिए शुल्क, जिसमें कर, ब्याज, जुर्माना, शुल्क या शास्ति की कोई मांग सम्मिलित नहीं है, पांच हजार रुपये होगी।”;

- (6) धारा 112 की उपधारा (10) में निर्दिष्ट त्रुटियों के सुधार के लिए अपील अधिकरण के समक्ष किए गए आवेदन के लिए कोई शुल्क नहीं होगा।

22. उक्त नियमों के नियम 111, के स्थान पर निम्नलिखित नियम को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

“111 अपील अधिकरण को आवेदन. — (1) धारा 112 की उपधारा (3) के अन्तर्गत अपील अधिकरण को आवेदन प्रपत्र जीएसटी एपीएल-07 में, संबंधित दस्तावेजों के साथ, इलेक्ट्रॉनिक रूप से दाखिल किया जाएगा और अपीलार्थी को तत्काल एक अनंतिम पावती जारी की जाएगी:

बशर्ते कि अपील प्राधिकारी को आवेदन, सुसंगत दस्तावेजों के साथ, प्रपत्र जीएसटी एपीएल-07 में मैन्युअल रूप से तभी दाखिल किया जा सकेगा, जब पंजीयक उक्त आदेश में यथा विनिर्दिष्ट ऐसी शर्तों और निर्बंधनों के अधीन, उस प्रभाव के लिए विशेष या सामान्य आदेश जारी करके इसकी अनुमति देते हैं, और ऐसे मामले में, अपीलार्थी को तुरंत एक अनंतिम पावती जारी की जाएगी;

- (2) धारा 112 की उपधारा (5) के अन्तर्गत अपील अधिकरण को प्रति-आपत्तियों का ज्ञापन, यदि कोई हो, प्रपत्र जीएसटी एपीएल-06 में इलेक्ट्रॉनिक रूप से दाखिल किया जाएगा:

बशर्ते कि प्रति-आपत्ति का ज्ञापन प्रपत्र जीएसटी एपीएल-06 में मैन्युअल रूप से तभी दाखिल किया जा सकेगा, जब पंजीयक उक्त आदेश में यथा विनिर्दिष्ट शर्तों और निर्बंधनों के अधीन, उस प्रभाव के लिए विशेष या सामान्य आदेश जारी करके इसकी अनुमति देते हैं।

- (3) अपील और प्रति आपत्तियों के ज्ञापन पर नियम 26 में विनिर्दिष्ट तरीके से हस्ताक्षर किए जाएंगे।

- (4) जहां वह आदेश, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, सामान्य पोर्टल पर अपलोड किया गया है, वहां त्रुटियों, यदि कोई हों, को दूर करने पर प्रपत्र जीएसटी एपीएल-02 में अंतिम पावती, अपील संख्या दर्शाते हुए जारी की जाएगी और अनंतिम पावती जारी करने की तिथि को उप-नियम (1) के अन्तर्गत अपील दाखिल करने की तिथि मानी जाएगी:

बशर्ते कि जहां वह आदेश, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, सामान्य पोर्टल पर अपलोड नहीं किया गया है, वहां अपीलार्थी, यथास्थिति, प्रपत्र जीएसटी एपीएल-07 दाखिल करने की तिथि से सात दिनों की अवधि के भीतर उक्त आदेश की स्व-प्रमाणित प्रति प्रस्तुत या अपलोड करेगा तथा त्रुटियों, यदि कोई हों, के दूर किए जाने पर अपील संख्या दर्शाते हुए अंतिम पावती प्रपत्र जीएसटी एपीएल-02 में जारी की जाएगी तथा अनंतिम पावती जारी करने की तिथि को अपील दाखिल करने की तिथि मानी जाएगी:

आगे यह भी उपबंधित है कि जहां आदेश की उक्त स्व-प्रमाणित प्रति, प्रपत्र जीएसटी एपीएल-07 दाखिल करने की तिथि से सात दिनों की अवधि के पश्चात् प्रस्तुत या अपलोड की जाती है, वहां त्रुटियों, यदि कोई हों, को दूर करने पर अपील संख्या दर्शाते हुए अंतिम पावती प्रपत्र जीएसटी एपीएल-02 में जारी की जाएगी और ऐसी स्व-प्रमाणित प्रति को प्रस्तुत या अपलोड करने की तिथि को अपील दाखिल करने की तिथि मानी जाएगी।

स्पष्टीकरण 1.— इस नियम के प्रयोजनों के लिए, अपील तभी दाखिल मानी जाएगी जब अपील संख्या दर्शाते हुए अंतिम पावती जारी कर दी जाए।

स्पष्टीकरण 2.— नियम 110 और 111 के प्रयोजनों के लिए, 'पंजीयक' का अभिप्राय इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा नियुक्त पंजीयक से है और इसमें संयुक्त पंजीयक, उप पंजीयक और सहायक पंजीयक सम्मिलित होंगे।";

23. उक्त नियमों के नियम 113, के पश्चात् निम्नलिखित नियम को अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"113क. अपील अधिकरण के समक्ष दाखिल की गई अपील या आवेदन को वापस लेना:— प्रपत्र जीएसटी एपीएल-05 में दाखिल की गई किसी अपील या प्रपत्र जीएसटी एपीएल-07 में दाखिल किए गए किसी आवेदन के संबंध में धारा 113 की उपधारा (1) के अन्तर्गत आदेश जारी होने से पूर्व किसी भी समय अपीलार्थी, यथास्थिति, उक्त अपील या आवेदन को वापस लेने के लिए प्रपत्र जीएसटी एपीएल-05/07डब्ल्यू प्रपत्र में आवेदन दाखिल कर सकेगा :

बशर्ते कि जहां प्रपत्र जीएसटी एपीएल-02 में अंतिम पावती जारी कर दी गई है तो, यथास्थिति, उक्त अपील या आवेदन को वापस लेना अपील अधिकरण के अनुमोदन के अधीन होगा और अपील या आवेदन को वापस लेने के लिए ऐसे आवेदन का विनिश्चय, अपील अधिकरण द्वारा ऐसा आवेदन दाखिल करने की तिथि से पंद्रह दिन के भीतर किया जाएगा:

आगे यह भी उपबंधित है कि अपीलार्थी द्वारा ऐसे वापस लेने के अनुसरण में, यथास्थिति, दाखिल की गई किसी नई अपील या आवेदन, यथास्थिति, धारा 112 की उपधारा (1) या उपधारा (3) में विनिर्दिष्ट समय-सीमा के भीतर दाखिल की जाएगी।";

24. उक्त नियमों के नियम 138 के उपनियम (3) में, अधिसूचित की जाने वाली तिथि से, तीसरे परंतुक के पश्चात् निम्नलिखित परंतुक को अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"यह भी उपबंधित है कि उपनियम (1) के चौथे परंतुक के अनुसार अपंजीकृत व्यक्ति जिसे प्रपत्र जीएसटी ईडब्ल्यूबी-01 में ई-वे बिल सृजित करना अपेक्षित है या सामान्य पोर्टल पर प्रपत्र जीएसटी ईडब्ल्यूबी-01 में ई-वे बिल सृजित करने की अपेक्षा का विकल्प लेने वाला अपंजीकृत व्यक्ति सामान्य पोर्टल पर प्रपत्र जीएसटी ईएनआर-03 में या तो प्रत्यक्षतः अथवा आयुक्त द्वारा अधिसूचित कर केन्द्र के माध्यम से इलैक्ट्रानिकी रूप में ब्यौरो प्रस्तुत करेगा तथा इस प्रकार प्रस्तुत किए गए ब्यौरों के विधिमान्यकरण पर एक विशिष्ट नामांकन संख्या सृजित की जाएगी तथा उक्त व्यक्ति को संसूचित की जाएगी।";

25. उक्त नियमों के नियम 142 में :-

- (i) उपनियम (2) में "वह समुचित अधिकारी को ऐसे संदाय के संबंध में प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-03 में सूचित करेगा और समुचित अधिकारी उक्त व्यक्ति द्वारा किए गए संदाय को स्वीकार करते हुए प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-04 में अभिस्वीकृति जारी करेगा" शब्दों, अक्षरों और अंकों के स्थान पर, "वह समुचित अधिकारी को ऐसे संदाय के संबंध में प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-03 में सूचित करेगा और सामान्य पोर्टल के माध्यम से इलैक्ट्रॉनिकी रूप में ऐसे व्यक्ति को प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-04 में अभिस्वीकृति उपलब्ध कराई जाएगी" शब्दों, अक्षरों और अंकों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;
- (ii) उपनियम (2क) में "प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-01क" शब्दों, अक्षरों और अंकों के पश्चात्, "और तत्पश्चात् समुचित अधिकारी उक्त व्यक्ति द्वारा किए गए, यथास्थिति, संदाय या दलीलों या दोनों को स्वीकार करते हुए प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-01क के भाग (ग) में सूचना जारी कर सकेगा" शब्दों, अक्षरों और अंकों को अंतःस्थापित किया जाएगा;
- (iii) उपनियम (2क) के पश्चात्, निम्नलिखित उपनियम को अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-
- "(2ख) जब किसी व्यक्ति द्वारा धारा 52 या धारा 73 या धारा 74 या धारा 76 या धारा 122 या धारा 123 या धारा 124 या धारा 125 या धारा 127 या धारा 129 या धारा 130 के अन्तर्गत कर, ब्याज, शास्ति या कोई अन्य संदेय राशि को उक्त व्यक्ति द्वारा उपनियम (2) के अन्तर्गत प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-03 में संसूचना द्वारा संदत्त किया जाता है तो उक्त मांग के लिए सृजित नामे प्रविष्टि के विरुद्ध इलैक्ट्रॉनिकी दायित्व रजिस्टर में प्रपत्र जीएसटी पीएमटी-01 में उक्त राशि का प्रत्यय करने के स्थान पर उक्त व्यक्ति सामान्य पोर्टल पर इलैक्ट्रॉनिकी रूप से प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-03क में एक आवेदन कर सकेगा और इस प्रकार संदत्त और प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-03 के माध्यम से संसूचित राशि का उक्त मांग के लिए सृजित नामे प्रविष्टि के सामने प्रपत्र जीएसटी पीएमटी-01 में इलैक्ट्रॉनिकी दायित्व पंजीयक में प्रत्यय किया जाएगा मानो उक्त संदाय प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-03 के माध्यम से ऐसी सूचना की तिथि को उक्त मांग के लिए संदाय किया गया था :
- यह भी उपबंधित है कि जहां कोई आदेश प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-03 में किसी राशि के संदाय के संबंध में कार्यवाहियों को समाप्त करते हुए उपनियम (3) के अनुसार प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-05 में कोई आदेश जारी किया जाता है तो प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-03क में कोई आवेदन उक्त व्यक्ति द्वारा उक्त संदाय के संबंध में दाखिल नहीं किया जा सकता है।";
26. उक्त नियमों के नियम 163 के उपनियम (1) के खंड (ग) में "प्रपत्र जीएसटीआर-1" शब्दों, अक्षरों और अंकों के पश्चात् "यथासंशोधित प्रपत्र जीएसटीआर-1 क, यदि कोई हो", शब्दों, अक्षरों और अंकों को अंतःस्थापित किया जाएगा;
27. उक्त नियमों में, अधिसूचित की जाने वाली तिथि से, प्रपत्र जीएसटी ईएनआर-02 के पश्चात् निम्नलिखित प्रपत्र को अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

"प्रपत्र जीएसटी ईएनआर-03
(नियम 138(3) देखें)
नामांकन हेतु आवेदन
(केवल अपंजीकृत व्यक्तियों के लिए)

1. राज्य का नाम
2. (क) पैन के अनुसार नाम
 - (ख) व्यापार नाम, यदि कोई हो
 - (ग) पैन
 - (घ) आधार, यदि लागू हो (वैकल्पिक)

3. नामांकन का प्रकार

- (i) माल का अपंजीकृत आपूर्तिकर्ता (ii) माल का अपंजीकृत प्राप्तिकर्ता
(iii) (i) तथा (ii) दोनों

4. संपर्क जानकारी (प्रमाणीकरण के लिए ईमेल पता और मोबाइल नंबर का उपयोग किया जाएगा)

ई-मेल पता
मोबाइल नंबर

5. सहमति

मैं आधार संख्या धारक <प्रपत्र में उपलब्ध कराए गए आधार संख्या के आधार पर पहले से ही भरा हुआ> "माल एवं सेवा कर नेटवर्क" को यूआईडीएआई से प्रमाणीकरण के प्रयोजन के लिए मेरे ब्यौरे अभिप्राप्त करने के लिए सहमति प्रदान करता हूँ।

6. अपलोड किए गए दस्तावेजों की सूची

7. सत्यापन

मैं सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता/करती हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान एवं विश्वास के अनुसार सत्य और सही है तथा इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

स्थान : हस्ताक्षर

दिनांक :

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता का नाम

कार्यालय उपयोग हेतु :

नामांकन संख्या

दिनांक - " ;

28. उक्त नियमों में, 1 अगस्त, 2024 से, प्रपत्र जीएसटीआर-1 में,—

- (i) क्रम संख्या 5 के, शीर्ष में, "2.5 लाख रुपए" अंकों, अक्षरों और शब्दों के स्थान पर, "1 लाख रुपए" अंकों, अक्षरों और शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;
- (ii) क्रम संख्या 7 की, तालिका में, क्रम संख्या 7ख के, शीर्ष में, "2.5 लाख रुपए" अंकों, अक्षरों और शब्दों के स्थान पर, "1 लाख रुपए" अंकों, अक्षरों और शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;
- (iii) क्रम संख्या ख की, तालिका विशिष्ट अनुदेशों की तालिका में, क्रम संख्या 3 के सामने, तीसरे कॉलम में, "2.5 लाख रुपए" अंकों, अक्षरों और शब्दों के स्थान पर, "1 लाख रुपए" अंकों, अक्षरों और शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;

29. उक्त नियमों में, प्रपत्र जीएसटीआर-1 के पश्चात् निम्नलिखित प्रपत्र अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"प्रपत्र जीएसटीआर-1 क

(नियम 59(1) का परंतुक देखें)

वर्तमान कर अवधि हेतु माल या सेवाओं की जावक आपूर्ति में संशोधन

(वित्तीय वर्ष)				
(कर अवधि)				

1.		जीएसटीआईएन															
2.	(क)	पंजीकृत व्यक्ति का कानूनी नाम															
	(ख)	व्यापारिक नाम, यदि कोई हो															
3.	(क)	एआरएन	<स्वतः>														
	(ख)	एआरएन की तिथि	<स्वतः>														

4. तालिका 6 में शामिल आपूर्तियों के अतिरिक्त पंजीकृत व्यक्तियों (यूआईएन-धारकों सहित) को की गई कर योग्य जावक आपूर्तियाँ

(सभी तालिकाओं हेतु राशि रुपये में)

[illegible]

5. अपंजीकृत व्यक्तियों को कर योग्य जावक अंतर-राज्यीय आपूर्तियाँ, जहाँ बीजक मूल्य 1 लाख रुपये से अधिक है

आपूर्ति स्थान (राज्य/संघ राज्य क्षेत्र)	बीजक विवरण			दर	कर योग्य मूल्य	राशि	
	सं०	तिथि	मूल्य			एकीकृत कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	7	8
5. जावक आपूर्तियां (ई-कॉमर्स ऑपरेटर के माध्यम से की गई आपूर्तियां दर वार सहित)							

6. शून्य दर आपूर्तियों तथा मानद निर्यात

प्राप्तकर्ता का जीएसटीआईए न	बीजक विवरण			मालभाड़ा बिल/निर्यात बिल		एकीकृत कर			केंद्रीय कर			राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर			उपकर
	सं०	तिथि	मूल्य	सं०	तिथि	दर	कर योग्य मूल्य	राशि	दर	कर योग्य मूल्य	राशि	दर	कर योग्य मूल्य	राशि	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
6क. निर्यात															
6ख. एसईजेड इकाई या एसईजेड विकासकर्ता को की गई आपूर्तियां															

6ग. मानद निर्यात

7क. अंतर-राज्यीय आपूर्तियां

7ख. अंतर-राज्यीय आपूर्तियां जहां बीजक मूल्य 1 लाख रुपये तक है (दर वार) – समेकित दर वार जावक आपूर्तियां (टीसीएस आकर्षित करने वाले ई-कॉमर्स ऑपरेटर के माध्यम से की गई आपूर्तियों सहित)

आपूर्ति का स्थान (राज्य का नाम)

8क. पंजीकृत व्यक्तियों को अंतर-राज्यीय आपूर्तियां

8ख. पंजीकृत व्यक्तियों को अंतःराज्यीय के भीतर आपर्तियां

8ग. अपंजीकृत व्यक्तियों को अंतर-राज्यीय आपूर्तियां

8डी. अपंजीकृत व्यक्तियों को अंतःराज्यीय के भीतर आपूर्तियां

9. तालिका 4, 5 तथा 6 में वर्तमान कर अवधियों हेतु प्रपत्र-जीएसटीआर-1 में प्रस्तुत की गई कर योग्य जावक आपूर्तियों में संशोधन (वर्तमान अवधि के दौरान जारी किए गए नामे तथा प्रत्यय टिप्पणियों और उनके संशोधन सहित)

9क. प्रस्तुत किए गए बीजक / मालभाडा बिल विवरण में संशोधन

9ख. नामे टिप्पणियां/प्रत्यय टिप्पणियां (मूल)

[illegible]

10. तालिका 7 में वर्तमान कर अवधियों हेतु प्रपत्र जीएसटीआर-1 में प्रस्तुत अपंजीकृत व्यक्तियों को कर योग्य जावक आपूर्ति में संशोधन

कर दर	कुल कर योग्य मूल्य	राशि			
		एकीकृत कर	केंद्रीय कर	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5	6
वह कर अवधि जिसके लिए विवरण पुनरीक्षित किया जा रहा है		वर्तमान कर अवधि यहाँ स्वतः भर दी जाएगी)			
10क. अंतः राज्यीय आपूर्तियां (ई—कॉमर्स ऑपरेटर के माध्यम से की गई आपूर्ति सहित, जिस पर टीसीएस लागू होता है) (दर वार)					
10ख. अंतर—राज्यीय आपूर्तियां (ई—कॉमर्स ऑपरेटर के माध्यम से की गई आपूर्ति सहित, जिस पर टीसीएस लगता है) (दर वार)					
आपूर्ति का स्थान (राज्य का नाम)					

11. प्राप्त अग्रिमों का समेकित विवरण/वर्तमान कर अवधि में समायोजित अग्रिम/वर्तमान कर अवधि में प्रस्तुत सूचना में संशोधन ((प्रतिदाय वाउचर का शब्द, यदि कोई हो))

[illegible]

12. जावक आपूर्तियों का एचएसएन-वार सारांश

क्रम सं०	एचएसएन	विवरण	यूक्यूसी	कुल मात्रा	कर दर	कुल कर योग्य मूल्य	राशि			
							एकीकृत कर	केंद्रीय कर	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11

13. कर अवधि के दौरान जारी किए गए दस्तावेज

क्रम सं०	दस्तावेज की प्रकृति	क्रम संख्या		कुल संख्या	रद्द	शुद्ध जारी
		से	को			
1	2	3	4	5	6	7
1	जावक आपूर्ति हेतु बीजक					
2	अपंजीकृत व्यक्तियों से आवक आपूर्ति हेतु बीजक					
3	पुनरीक्षित बीजक					
4	नामे टिप्पणी					
5	प्रत्यय टिप्पणी					
6	रसीद वाउचर					
7	भुगतान वाउचर					
8	प्रतिदाय वाउचर					
9	श्रोजगार कार्य हेतु डिलीवरी चालान					
10	अनुमोदन पर आपूर्ति हेतु डिलीवरी चालान					
11	तरल गैस के मामले में डिलीवरी चालान					
12	आपूर्ति के अतिरिक्त अन्य मामलों में डिलीवरी चालान (क्रम संख्या 9 से 11 को छोड़कर)					

14. ई-कॉमर्स ऑपरेटरों के माध्यम से की गई आपूर्तियों का विवरण, जिस पर ई-कॉमर्स ऑपरेटर अधिनियम की धारा 52 के अंतर्गत कर एकत्र करने के लिए उत्तरदायी हैं या धारा 9(5) के अंतर्गत कर का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी हैं (आपूर्तिकर्ता को सूचना देना)

आपूर्ति की प्रकृति	ई-कॉमर्स ऑपरेटर का जीएसटीआईएन	आपूर्ति का शुद्ध मूल्य	एकीकृत कर	कर राशि		उपकर
				केंद्रीय कर	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर	
1	2	3	4	5	6	7
(क) आपूर्ति जिस पर ई-कॉमर्स ऑपरेटर धारा 52 के अंतर्गत कर एकत्र करने के लिए उत्तरदायी है						
(ख) आपूर्ति जिस पर ई-कॉमर्स ऑपरेटर धारा 9(5) के अंतर्गत कर का भुगतान करने						

के लिए उत्तरदायी है						
---------------------	--	--	--	--	--	--

14क. ई-कॉमर्स ऑपरेटरों के माध्यम से की गई आपूर्तियों के विवरण में संशोधन, जिस पर ई-कॉमर्स ऑपरेटर अधिनियम की धारा 52 के अंतर्गत कर एकत्र करने के लिए उत्तरदायी हैं या धारा 9(5) के अंतर्गत कर का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी हैं (आपूर्तिकर्ता को सूचना देना)

आपूर्ति की प्रकृति	मूल विवरण		पुनरीक्षित विवरण	आपूर्ति का शुद्ध मूल्य	कर राशि			
	माह / तिमाही	ई-कॉमर्स ऑपरेटर का जीएसटीआईएन	ई-कॉमर्स ऑपरेटर का जीएसटीआईएन		एकीकृत कर	केंद्रीय कर	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	7	8	9
(क) आपूर्ति जिस पर ई-कॉमर्स ऑपरेटर धारा 52 के अंतर्गत कर एकत्र करने के लिए उत्तरदायी है								
(ख) आपूर्ति जिस पर ई-कॉमर्स ऑपरेटर धारा 9(5) के अंतर्गत कर का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी है								

15. ई-कॉमर्स ऑपरेटरों के माध्यम से की गई आपूर्तियों का विवरण, जिस पर ई-कॉमर्स ऑपरेटर धारा 9(5) के अंतर्गत कर का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी है (ई-कॉमर्स ऑपरेटर को सूचना देना)

आपूर्तिकर्ता का प्रकार	प्राप्तिकर्ता का प्रकार	आपूर्तिकर्ता का जीएसटीआईएन	प्राप्तिकर्ता का जीएसटीआईएन	दस्तावेज सं.	दस्तावेज की तिथि	दर	की गई आपूर्तियों का मूल्य	कर राशि				आपूर्ति का स्थान
								एकीकृत कर	केंद्रीय कर	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र कर	उप कर	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
पंजीकृत	पंजीकृत											
	अपंजीकृत											
अपंजीकृत	पंजीकृत											
	अपंजीकृत											

15क (I) ई-कॉमर्स ऑपरेटरों के माध्यम से की गई आपूर्तियों के विवरण में संशोधन, जिस पर ई-कॉमर्स ऑपरेटर धारा 9(5) के अंतर्गत कर का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी है (पंजीकृत प्राप्तिकर्ताओं के लिए ई-कॉमर्स ऑपरेटर को सूचना देना)

आपूर्तिकर्ता का प्रकार	मूल विवरण				पुनरीक्षित विवरण				दर	की गई आपूर्तियों का मूल्य	कर राशि				आपूर्ति का स्थान
	आपूर्तिकर्ता का जीएसटीआईएन	प्राप्तिकर्ता का जीएसटीआईएन	दस्तावेज सं.	दस्तावेज की तिथि	आपूर्तिकर्ता का जीएसटीआईएन	प्राप्तिकर्ता का जीएसटीआईएन	दस्तावेज सं.	दस्तावेज की तिथि			एकीकृत कर	केंद्रीय कर	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र कर	उप कर	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
पंजीकृत															
अपंजीकृत															

15क (II). ई-कॉमर्स ऑपरेटरों के माध्यम से की गई आपूर्तियों के विवरण में संशोधन, जिस पर ई-कॉमर्स ऑपरेटर धारा 9(5) के अंतर्गत कर का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी है (अपंजीकृत प्राप्तिकर्ताओं के लिए ई-कॉमर्स ऑपरेटर को सूचना देना)

आपूर्तिकर्ता का प्रकार	मूल विवरण		पुनरीक्षित विवरण	दर		की गई आपूर्ति का मूल्य	कर राशि				आपूर्ति का स्थान
	आपूर्तिकर्ता का जीएसटीआईएन	कर अवधि					एकीकृत कर	केंद्रीय कर	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र कर	उपकर	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	
पंजीकृत											
अपंजीकृत											

जीएसटीआर-1क भरने के लिए अनुदेश :

- यह वर्तमान कर अवधि के प्रपत्र जीएसटीआर-1 में रिपोर्टिंग में छूटे हुए वर्तमान कर अवधि के किसी भी विवरण को जोड़ने या वर्तमान कर अवधि के प्रपत्र जीएसटीआर-1 में पहले से घोषित किसी भी विवरण को संशोधित करने के लिए प्रदान की गई एक अतिरिक्त सुविधा है (जिसमें तिमाही करदाताओं के लिए, तिमाही के पहले और दूसरे माह हेतु, आईएफएफ में घोषित किए गए विवरण, यदि कोई हो, भी सम्मिलित हैं) यह प्रपत्र विलम्ब शुल्क के बिना एक वैकल्पिक प्रपत्र है।
- यह प्रपत्र पोर्टल पर प्रपत्र जीएसटीआर-1 दाखिल करने की नियत तिथि या प्रपत्र जीएसटीआर-1 दाखिल करने की वास्तविक तिथि, जो भी बाद में हो, के पश्चात् उसी कर अवधि के संबंधित प्रपत्र जीएसटीआर-3ख दाखिल करने तक उपलब्ध रहेगा। इसी तरह, तिमाही करदाताओं के लिए, प्रपत्र जीएसटीआर-1क, प्रपत्र जीएसटीआर-1 (तिमाही) दाखिल करने के पश्चात् तिमाही रूप से या प्रपत्र जीएसटीआर-1 (तिमाही) दाखिल करने की नियत तारीख, जो भी बाद में हो, के पश्चात् उसी कर अवधि के प्रपत्र जीएसटीआर-3ख दाखिल करने तक खोला जाएगा।
- प्रपत्र जीएसटीआर-1क में घोषित विवरण प्रपत्र जीएसटीआर-1 में घोषित विवरण के साथ प्रपत्र जीएसटीआर-3ख में उपलब्ध कराए जाएंगे। तिमाही विवरणियाँ दाखिल करने का विकल्प चुनने वाले करदाताओं के मामले में, इसे प्रपत्र जीएसटीआर-3ख (तिमाही) में प्रपत्र जीएसटीआर-1 में प्रस्तुत विवरण और एम 1 माह और एम 2 माह के आईएफएफ (यदि दाखिल किया गया है) के साथ उपलब्ध कराया जाएगा।
- ऐसे दस्तावेज में संशोधन, जो प्राप्तिकर्ता के जीएसटीआईएन में परिवर्तन से संबंधित है, उसे जीएसटीआर-1 क में अनुमति नहीं दी जाएगी।
- पहले से सृजित किए गए जीएसटीआर-2ख के अतिरिक्त, जीएसटीआर-2ख में संबंधित आपूर्तिकर्ताओं द्वारा जीएसटीआर-1क में घोषित सभी आपूर्तियाँ भी शामिल होंगे। तथापि, प्रपत्र

जीएसटीआर-1 क में घोषित या संशोधित आपूर्तियां अगले खुले प्रपत्र जीएसटीआर-2ख में उपलब्ध कराई जाएंगी। उदाहरण के लिए,—

(i) एक आपूर्तिकर्ता जनवरी 2023 के माह में दो बीजक आईएनवी 1 और आईएनवी 2 जारी करता है। फिर, वह दिनांक 8 फरवरी, 2023 को प्रपत्र जीएसटीआर-1 में बीजक आईएनवी 1 के विवरण को प्रस्तुत करता है तथापि, वह एक बीजक आईएनवी 2 को छोड़ देता है और दिनांक 15 फरवरी 2023 को प्रपत्र जीएसटीआर-1क में इसका विवरण प्रस्तुत करता है। इस मामले में, आईएनवी 1 दिनांक 14 फरवरी 2023 को उपलब्ध कराए गए जनवरी माह के लिए प्राप्तिकर्ता के प्रपत्र जीएसटीआर-2ख में जाएगा। इसके अतिरिक्त, आईएनवी 2 दिनांक 14 मार्च 2023 को उपलब्ध कराए गए फरवरी माह के लिए प्राप्तिकर्ता के प्रपत्र जीएसटीआर-2ख में उपलब्ध कराया जाएगा।

(ii) एक आपूर्तिकर्ता जनवरी 2023 के माह में दो बीजक आईएनवी 3 और आईएनवी 4 जारी करता है। फिर, उन्होंने दिनांक 15 फरवरी 2023 को प्रपत्र जीएसटीआर -1 में बीजक आईएनवी 3 का विवरण प्रस्तुत किया तथापि, उन्होंने दिनांक 16 फरवरी 2023 को प्रपत्र जीएसटीआर-1क में आईएनवी 4 घोषित किया। इस मामले में, आईएनवी 3 और आईएनवी 4 दोनों को प्राप्तिकर्ता के फरवरी माह के प्रपत्र जीएसटीआर-2ख में दिनांक 14 मार्च 2023 को उपलब्ध कराया जाएगा।

6. विनिर्दिष्ट सारणियों के लिए अनुदेश :-

सारणी सं०	अनुदेश
4क, 4ख, 5, 6, 9ख (पंजीकृत प्राप्तिकर्ताओं के लिए)	करदाता वर्तमान कर अवधि के लिए प्रपत्र जीएसटीआर-1 में पहले से घोषित किए गए बीजकों / दस्तावेजों के विवरणों के अलावा अतिरिक्त विवरण घोषित कर सकते हैं।
7	करदाता वर्तमान कर अवधि के लिए प्रपत्र जीएसटीआर-1 में पहले से घोषित किए गए बीजकों / दस्तावेजों के विवरणों के अलावा अतिरिक्त विवरण घोषित कर सकते हैं। यदि दरों के किसी भी संयोजन के साथ पीओएस को पहले ही प्रपत्र जीएसटीआर-1 में घोषित किया जा चुका है, तो सारणी 7 के माध्यम से एक नई दर नहीं जोड़ी जा सकती है और करदाता को इसके लिए सारणी 10 में संशोधन सुविधा का उपयोग करना होगा।
8	करदाता शून्य दर, छूट-प्राप्त और गैर-जीएसटी आपूर्तिकर्ताओं के, वर्तमान कर अवधि के लिए प्रपत्र जीएसटीआर-1 में पहले से घोषित किए गए विवरणों के अतिरिक्त विवरण घोषित कर सकते हैं।
9क एवं 9ग	तिमाही के पहले और दूसरे माह के लिए, आईएफएफ में सारणी 4क, 4ख, 5, 6क, 6ख, 6 ग और 9ख में, यदि कोई हो, और वर्तमान कर अवधि के प्रपत्र जीएसटीआर-1 में रिपोर्ट किए गए मूल्यों में संशोधन।
12	प्रपत्र जीएसटीआर-1क में रिपोर्ट किए गए अतिरिक्त/संशोधन विवरण के अनुसार एचएसएन विवरण यहाँ घोषित किए जाएंगे। किसी भी निम्नगामी संशोधन की दशा में, अंतर भाग के लिए माइनस चिह्न के साथ प्रविष्टि की जा सकती है।
11क (1) एवं 11क (2), 11ख (1) एवं 11ख (2)	करदाता प्रपत्र जीएसटीआर-1 में वर्तमान कर अवधि के लिए पहले से घोषित प्राप्त या समायोजित अग्रिम राशि के विवरण के अतिरिक्त विवरण घोषित कर सकते हैं। यदि दर के किसी भी संयोजन के साथ कोई पीओएस पहले से ही प्रपत्र जीएसटीआर- 1 में घोषित किया गया है, तो इन सारणियों के माध्यम से एक नई दर नहीं जोड़ी जा सकती है और करदाता को, यथास्थिति, संशोधन सारणी 11 (II) का उपयोग करना होगा।
14	करदाता वर्तमान कर अवधि के लिए ई-कॉमर्स ऑपरेटर के माध्यम से की गई आपूर्तियों का अतिरिक्त विवरण घोषित कर सकते हैं।
15	इको करदाता वर्तमान कर अवधि के लिए प्रपत्र जीएसटीआर-1 में अपंजीकृत प्राप्तिकर्ताओं के लिए आपूर्तियों (दर वार) के पहले से ही घोषित विवरण के अलावा, अतिरिक्त विवरण घोषित कर सकते हैं।
10,11(II), 14क, 15क(I), 15क(II)	करदाता वर्तमान अवधि के प्रपत्र जीएसटीआर-1 में पहले से घोषित विवरणों में संशोधन कर सकते हैं।”

30. उक्त नियमों के प्रपत्र जीएसटीआर-2 क में,—

(i) "(जीएसटीआर 1, जीएसटीआर 5, जीएसटीआर-6, जीएसटीआर-7, जीएसटीआर-8, एसईजेड इकाइयों/डेवलपर्स से प्राप्त माल का आयात और माल की आवक आपूर्तियां), कोष्ठकों, अक्षरों, शब्दों और अंकों के स्थान पर, "जीएसटीआर 1, 1क, जीएसटीआर 5, जीएसटीआर-6, जीएसटीआर-7, जीएसटीआर-8, एसईजेड इकाइयों/डेवलपर्स से प्राप्त माल का आयात और माल की आवक आपूर्तियां)" कोष्ठकों, अक्षरों, शब्दों और अंकों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;

(ii) भाग क में, —

(क) "जीएसटीआर-1/5 की अवधि" अंकों, अक्षरों और शब्दों के स्थान पर, जहां वे आते हैं, "जीएसटीआर-1/1क/5 की अवधि" अंकों, अक्षरों और शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;

(ख) "जीएसटीआर-1/5 भरने की तिथि" अक्षरों, अंकों और शब्दों के स्थान पर, जहां वे आते हैं "जीएसटीआर-1/1क/5 भरने की तिथि" अंकों, अक्षरों और शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;

(iii) शीर्षक अनुदेशों के अधीन, —

(क) परिच्छेद 2 में, "प्रपत्र जीएसटीआर-1, 5, 6, 7 और 8" अंकों, अक्षरों और शब्दों के स्थान पर "प्रपत्र जीएसटीआर-1, 1क, 5, 6, 7 और 8" अंकों, अक्षरों और शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;

(ख) परिच्छेद 4 की सारणी में, —

(क) क्रम संख्यांक 3 के सामने के दूसरे स्तंभ में,—

(1) क्रम संख्यांक (i) में, "प्रपत्र जीएसटीआर-1 और 5" अंकों, अक्षरों और शब्दों के स्थान पर, "प्रपत्र जीएसटीआर-1, 1क और 5" अंकों, अक्षरों और शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;

(II) क्रम संख्यांक (iii) में, "प्रपत्र जीएसटीआर-1/5" अंकों, अक्षरों और शब्दों के स्थान पर, "प्रपत्र जीएसटीआर-1/1क और 5" अंकों, अक्षरों और शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;

(III) क्रम संख्यांक (iv) में, "प्रपत्र जीएसटीआर-1" अंकों, अक्षरों और शब्दों के स्थान पर, "प्रपत्र जीएसटीआर-1/1क" अंकों, अक्षरों और शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;

(ख) क्रम संख्यांक 4 के सामने के दूसरे स्तंभ के, क्रम संख्यांक (i) में, "प्रपत्र जीएसटीआर-1 और 5" अंकों, अक्षरों और शब्दों के स्थान पर, "प्रपत्र जीएसटीआर-1, 1क और 5" अंकों, अक्षरों और शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा ;

(ग) क्रम संख्यांक 5 के सामने के दूसरे स्तंभ में,—

(I) क्रम संख्यांक (i) में, "प्रपत्र जीएसटीआर-1 और 5" अंकों, अक्षरों और शब्दों के स्थान पर, "प्रपत्र जीएसटीआर-1, 1क और 5" अंकों, अक्षरों और शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;

(II) क्रम संख्यांक (v) में, —

(1) "प्रपत्र जीएसटीआर-1/5", अंकों, अक्षरों और शब्दों के स्थान पर, "प्रपत्र जीएसटीआर-1/1क और 5" अंकों, अक्षरों और शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;

(2) "प्रपत्र जीएसटीआर-1 दाखिल करना "अंकों, अक्षरों और शब्दों के स्थान पर, "प्रपत्र जीएसटीआर-1/1क दाखिल करना" अंकों, अक्षरों और शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;

(घ) क्रम संख्यांक 6 के सामने के दूसरे स्तंभ के क्रम संख्यांक (i) में, "प्रपत्र जीएसटीआर-1 और 5" अंकों, अक्षरों और शब्दों के स्थान पर, "प्रपत्र जीएसटीआर-1, 1क और 5" अंकों, अक्षरों और शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा ।

31. उक्त नियमों में, प्रपत्र जीएसटीआर-2ख के स्थान पर निम्नलिखित प्रपत्र को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

**"प्रपत्र जीएसटीआर-2ख
(नियम 60(7) देखें)
स्वतः प्रारूपित आईटीसी विवरण**

(ई-कॉमर्स आपूर्ति, जीएसटीआर-1क, जीएसटीआर-5, जीएसटीआर-6 और आईसीई से प्राप्त आयात डेटा सहित प्रपत्र जीएसटीआर-1/आईएफएफ से)

वित्तीय वर्ष	
माह	

1. जीएसटीआईएन	
2(क) पंजीकृत व्यक्ति का कानूनी नाम	
2(ख) व्यापार नाम, यदि कोई हो	
2(ग) सृजित तिथि	

3. आईटीसी उपलब्ध सारांश

(सभी तालिकाओं के लिए राशि रुपये में)

क्र. सं.	शीर्षक	जीएसटीआर-3ख तालिका	एकीकृत कर ()	केंद्रीय कर ()	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर ()	उपकर ()	परामर्शी
	प्रपत्र जीएसटीआर-3ख के अंतर्गत प्राप्त किया जा सकने वाला प्रत्यय						
भाग क	आईटीसी उपलब्ध - जीएसटीआर-3ख में प्रासंगिक शीर्षकों में दावा किया जा सकने वाला प्रत्यय						
I	विलोम प्रभार के अतिरिक्त पंजीकृत व्यक्तियों से प्राप्त सभी अन्य आईटीसी आपूर्तियाँ	4(क)(5)					प्रपत्र जीएसटीआर-3ख की तालिका 4(क)(5) के अंतर्गत शुद्ध इनपुट कर प्रत्यय का लाभ उठाया जा सकता है।
विवरण	ख2ख- बीजक						
	ख2ख - नामे टिप्पणियाँ						
	ईसीओ- दस्तावेज						

	ख2ख- बीजक (संशोधन)						
	ख2ख - नामे टिप्पणियां (संशोधन)						
	ईसीओ - दस्तावेज (संशोधन)						
II	आईएसडी से आवक आपूर्तियां	4(क)(4)					प्रपत्र जीएसटीआर- 3ख की तालिका 4(क)(4) के अंतर्गत शुद्ध इनपुट कर प्रत्यय का लाभ उठाया जा सकता है।
विवरण	आईएसडी - बीजक						
	आईएसडी - बीजक (संशोधन)						
III	आवक आपूर्ति पर विलोम प्रभार लागू होगा	3.1(घ) 4(क)(3)					इन आपूर्तियों को कर भुगतान हेतु प्रपत्र जीएसटीआर -3ख की तालिका 3. 1(घ) में घोषित किया जाएगा। कर भुगतान पर प्रपत्र जीएसटीआर -3ख की तालिका 4(क)(3) के अंतर्गत शुद्ध इनपुट कर प्रत्यय का लाभ उठाया जा सकता है।
विवरण	ख2ख- बीजक						
	ख2ख - नामे टिप्पणियां						
	ख2ख- बीजक (संशोधन)						
	ख2ख - नामे टिप्पणियां (संशोधन)						
IV	माल का आयात	4(क)(1)					प्रपत्र जीएसटीआर -3ख की तालिका 4(क)(1) के अंतर्गत शुद्ध इनपुट कर

							प्रत्यय का लाभ उठाया जा सकता है।
विवरण	आईएमपीजी – विदेशों से माल का आयात						
	आईएमपीजी (संशोधन)						
	आईएमजीएसईजेड – एसईजेड से माल का आयात						
	आईएमजीएसईजेड (संशोधन)						
भाग ख	उपलब्ध आईटीसी – प्रत्यय टिप्पणियों को जीएसटीआर-3ख में प्रासंगिक उपलब्ध शीर्षकों के विरुद्ध नेट-ऑफ किया जाना चाहिए						
I	अन्य	4(क)					प्रत्यय टिप्पणियों को प्रासंगिक आईटीसी उपलब्ध तालिकाओं (तालिका 4क(3,4,5)) के अनुसार समायोजित किया जाएगा। प्रत्यय टिप्पणियों (विलोम प्रभार) के विरुद्ध देयता को तालिका 3.1(घ) में समायोजित किया जाएगा।
विवरण	ख2ख – प्रत्यय टिप्पणियां	4(क)(5)					
	ख2ख – प्रत्यय टिप्पणियां (संशोधन)	4(क)(5)					
	ख2ख – प्रत्यय टिप्पणियां (विलोम प्रभार)	3.1(घ) 4(क)(3)					
	ख2ख – प्रत्यय टिप्पणियां (विलोम प्रभार) (संशोधन)	3.1(घ) 4(क)(3)					
	आईएसडी – – प्रत्यय टिप्पणियां	4(क)(4)					
	आईएसडी – – प्रत्यय टिप्पणियां (संशोधन)	4(क)(4)					

4. आईटीसी सारांश उपलब्ध नहीं

(सभी अनुभागों में राशि रुपये में)

क्र. सं.	शीर्षक	जीएसटीआर-3 ख तालिका	एकीकृत कर ()	केंद्रीय कर ()	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर ()	उपकर ()	परामर्शी		
प्रपत्र जीएसटीआर-3ख के अंतर्गत प्राप्त न किया जा सकने वाला प्रत्यय									
भाग क	आईटीसी उपलब्ध नहीं है								
I	विलोम प्रभार के अतिरिक्त पंजीकृत व्यक्तियों से प्राप्त सभी अन्य आईटीसी आपूर्तियाँ	4(घ)(2)					ऐसा प्रत्यय नहीं लिया जाएगा और इसे प्रपत्र जीएसटीआर-3ख की तालिका 4(घ)(2) में रिपोर्ट किया जाना होगा।		
विवरण	ख2ख – बीजक								
	ख2ख – नामे टिप्पणियां								
	ईसीओ – दस्तावेज़								
	ख2ख – बीजक (संशोधन)								
	ख2ख – नामे टिप्पणियां (संशोधन)								
	ईसीओ – दस्तावेज़ (संशोधन)								
II	आईएसडी से आवक आपूर्ति	4(घ)(2)					ऐसा प्रत्यय नहीं लिया जाएगा और इसे प्रपत्र जीएसटीआर-3ख की तालिका 4(घ)(2) में रिपोर्ट किया जाना होगा।		
विवरण	आईएसडी –बीजक								
	आईएसडी – बीजक (संशोधन)								
III	आवक आपूर्ति पर विलोम प्रभार लागू होगा	3.1(घ) 4(घ)(2)					इन आपूर्तियों को कर भुगतान के लिए प्रपत्र जीएसटीआर-3ख की तालिका 3.1(घ) में घोषित किया जाएगा।		
विवरण	ख2ख – बीजक								
	ख2ख – नामे टिप्पणियां								
	ख2ख – बीजक (संशोधन)								
	ख2ख – नामे टिप्पणियां (संशोधन)								
भाग ख आईटीसी उपलब्ध नहीं है – प्रत्यय टिप्पणियों को जीएसटीआर-3ख में प्रासंगिक आईटीसी उपलब्ध शीर्षकों के विरुद्ध समायोजित किया जाना चाहिए।									
I	अन्य	4(क)					प्रत्यय टिप्पणियों को प्रासंगिक आईटीसी उपलब्ध तालिकाओं (तालिका 4क(3,4,5)) के विरुद्ध समायोजित किया जाना चाहिए।		
विवरण	ख2ख – प्रत्यय टिप्पणियां	4(क)(5)							

क्र. सं.	शीर्षक	जीएसटीआर-3 ख तालिका	एकीकृत कर ()	केंद्रीय कर ()	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर ()	उपकर ()	परामर्शी
	ख2ख - प्रत्यय टिप्पणियां (संशोधन)	4(क)(5)					
	ख2ख - प्रत्यय टिप्पणियां (विलोम प्रभार)	4(क)(3)					
	ख2ख - प्रत्यय टिप्पणियां (विलोम प्रभार) (संशोधन)	4(क)(3)					
	आईएसडी - - प्रत्यय टिप्पणियां	4(क)(4)					
	आईएसडी - - प्रत्यय टिप्पणियां (संशोधन)	4(क)(4)					

5. आईटीसी व्युत्क्रमण सारांश (नियम 37क)

(सभी अनुभागों में राशि रुपये में)

क्र. सं.	शीर्षक	जीएसटीआर-3 ख तालिका	एकीकृत कर ()	केंद्रीय कर ()	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर ()	उपकर ()	परामर्शी
प्रत्यय जिसे प्रपत्र जीएसटीआर-3ख के अंतर्गत वापस किया जा सकता है							
भाग क	आईटीसी रिवर्स - अन्य						
I	नियम 37क के कारण आईटीसी व्युत्क्रमण	4(ख)(2)					ऐसा प्रत्यय को वापस किया जाएगा और इसे प्रपत्र जीएसटीआर-3ख की तालिका 4(घ)(2) में रिपोर्ट किया जाना होगा।
विवरण	ख2ख - बीजक						
	ख2ख - नामे टिप्पणियां						
	ख2ख - बीजक (संशोधन)						
	ख2ख - नामे टिप्पणियां (संशोधन)						

निर्देश:

1. प्रयुक्त शब्द:-

- क. आईटीसी - इनपुट टैक्स क्रेडिट
- ख. बी2बी - बिजनेस टू बिजनेस
- ग. आईएसडी - इनपुट सेवा वितरक
- घ. आईएमपीजी - माल का आयात
- ङ. आईएमपीजीएसईजेड - एसईजेड से माल का आयात
- च. ईसीओ - ई-कॉमर्स ऑपरेटर

2. महत्वपूर्ण परामर्शी :

क) प्रपत्र जीएसटीआर-2ख एक ऐसा विवरण है जो आपके आपूर्तिकर्ताओं या ईसीओ द्वारा उनके संबंधित प्रपत्र जीएसटीआर-1/आईएफएफ, 1क, 5 और 6 द्वारा प्रस्तुत की गई जानकारी के आधार पर सृजित

किया गया है। यह एक स्थिर विवरण है और इसे महीने में एक बार उपलब्ध कराया जाएगा। आपूर्तिकर्ता द्वारा किसी भी प्रपत्र जीएसटीआर-1/आईएफएफ, 5 और 6 में दाखिल किए गए दस्तावेज़ प्राप्तिकर्ता के अगले खुले प्रपत्र जीएसटीआर-2 ख में दिखाई देंगे, भले ही आपूर्तिकर्ता द्वारा इसे दाखिल करने की तिथि कुछ भी क्यों न हो। करदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे प्रपत्र जीएसटीआर-3ख में प्रत्यय प्राप्त करने के लिए प्रपत्र जीएसटीआर-2ख का संदर्भ लें। तथापि, अतिरिक्त विवरण के मामले में, वे अधिक जानकारी के लिए अपने संबंधित प्रपत्र जीएसटीआर-2क (जिसे लगभग वास्तविक समय के आधार पर अद्यतन किया जाता है) का संदर्भ ले सकते हैं।

ख) इसके अतिरिक्त, प्रपत्र जीएसटीआर-1 क में घोषित या संशोधित आपूर्ति अगले खुले प्रपत्र जीएसटीआर-2ख में उपलब्ध कराई जाएगी।

ग) निम्नलिखित परिदृश्यों में इनपुट कर प्रत्यय अनुपलब्ध बताया जाएगा: —

- i. माल या सेवाओं या दोनों की आपूर्ति हेतु बीजक या नामे नोट, जहां प्राप्तिकर्ता सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 16 की उप-धारा (4) के उपबंधों के अनुसार इनपुट कर प्रत्यय का हकदार नहीं है।
- ii. बीजक या नामे नोट जहां आपूर्तिकर्ता (जीएसटीआईएन) और आपूर्ति का स्थान एक ही राज्य में हैं जबकि प्राप्तिकर्ता दूसरे राज्य में है।
तथापि, ऐसे अन्य परिदृश्य भी हो सकते हैं, जिनके लिए करदाताओं को इनपुट कर प्रत्यय उपलब्ध नहीं हो सकता है और सिस्टम द्वारा इसे उत्पन्न नहीं किया गया है। करदाताओं को अपने प्रपत्र जीएसटीआर-3ख में ऐसे प्रत्यय का स्व-मूल्यांकन करना चाहिए और उसे उलट देना चाहिए।
3. यह ध्यान देने योग्य है कि प्रपत्र जीएसटीआर-2ख में आपके संबंधित आपूर्तिकर्ता या ईसीओ द्वारा दाखिल किए जा रहे सभी जीएसटीआर-1/आईएफएफ, 5 और 6 शामिल होंगे। सामान्यतः यह तिथि पिछले माह (एम-1) के लिए जीएसटीआर-1 (मासिक/त्रैमासिक)/आईएफएफ दाखिल करने की तिथि से चालू माह (एम) के लिए जीएसटीआर-1 (मासिक/त्रैमासिक)/आईएफएफ दाखिल करने की तिथि के बीच होगी। उदाहरण के लिए, फरवरी माह के लिए जीएसटीआर-2ख में आपूर्तिकर्ताओं द्वारा अपने जीएसटीआर-1/आईएफएफ, 5 और 6 में 12 फरवरी को 00:00 बजे से 11 मार्च को 23:59 बजे तक दाखिल किए गए सभी दस्तावेज़ शामिल होंगे। यह ध्यान देने योग्य है कि माल के आयात के लिए, डेटा को वास्तविक समय के आधार पर अद्यतन किया जा रहा है, इसलिए, महीने में किए गए आयात (जिस माह के लिए जीएसटीआर-2ख तैयार किया जा रहा है) उपलब्ध कराए जाएंगे। जिन तिथियों के लिए सुसंगत डेटा निकाला गया है, वे ऑनलाइन पोर्टल पर "एडवाइजरी देखें" टैब के अंतर्गत उपलब्ध हैं।
4. इसमें विशेष आर्थिक क्षेत्र इकाइयों/डेवलपर्स से आयात के आंकड़ों सहित आईसीईजीएटीई प्रणाली से माल के आयात की जानकारी भी शामिल है।
5. यह ध्यान दिया जा सकता है कि सेवाओं के आयात पर प्रत्यागम प्रभार प्रत्यय इस विवरण का हिस्सा नहीं है और इसे करदाताओं द्वारा प्रपत्र जीएसटीआर-3ख की सारणी 4 (क) (2) में दर्ज किया जाना जारी रहेगा।
6. सारणी 3 में जीएसटीआर-2 ख तैयार करने की तिथि तक उपलब्ध आईटीसी का सारांश दिया गया है। इसे निम्नलिखित दो भागों में विभाजित किया गया है:
 - क. भाग क में प्रपत्र जीएसटीआर-3ख की सुसंगत सारणियों में प्राप्त किए जा सकने वाले प्रत्यय का सारांश दिया गया है।
 - ख. भाग ख में प्रत्यय का सारांश सम्मिलित है, जिसे प्रपत्र जीएसटीआर-3ख की सुसंगत सारणी से समायोजित किया जाएगा।
7. सारणी 4 में जीएसटीआर-2ख तैयार करने की तिथि तक उपलब्ध न होने वाले आईटीसी का सारांश दिया गया है। इस सारणी में उपलब्ध प्रत्यय का लाभ प्रपत्र जीएसटीआर-3ख में प्रत्यय के रूप में

- नहीं लिया जाएगा, किंतु प्रपत्र जीएसटीआर-3ख की सारणी 4 (घ) (2) में अपात्र आईटीसी के रूप में रिपोर्ट किया जाएगा। तथापि, प्रत्यागम प्रभार के आधार पर कर का संदाय करने की देयता और प्रत्यय नोट्स की प्राप्ति पर समायोजित प्रत्यय की देयता ऐसी आपूर्तियों के लिए जारी रहती है।
8. सारणी 5 में नियम 37 क के अन्तर्गत 30 नवंबर को या उससे पहले वापस किए जाने वाले आईटीसी का सारांश दर्शाया गया है, जो वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पश्चात् आता है, जिसमें ऐसे बीजक या नामे नोट के संबंध में आईटीसी का लाभ उठाया गया है और आपूर्तिकर्ता द्वारा तत्स्थानी प्रपत्र जीएसटीआर-3ख प्रस्तुत नहीं किया गया है। इस सारणी में स्वचालित रूप से भरी गई प्रत्यय को प्रपत्र जीएसटीआर-3ख में प्रत्यागम किया जाएगा, किंतु इसे प्रपत्र जीएसटीआर-3ख की सारणी 4 (ख) (2) में प्रत्यागम किए गए आईटीसी के रूप में रिपोर्ट किया जाना चाहिए। सारणी 5 को अगले वित्तीय वर्ष के सितंबर (अक्टूबर में उपलब्ध कराया जाएगा) के प्रपत्र जीएसटीआर-2ख में ही उपलब्ध कराया जाएगा।
9. करदाताओं को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी जाती है कि प्रपत्र जीएसटीआर-2ख में सृजित डेटा उनके अपने रिकॉर्ड और खाता बही से मेल खाता हो। करदाताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि,—
- क. किसी भी परिस्थिति में किसी भी दस्तावेज़ के लिए दो बार प्रत्यय नहीं लिया जाएगा।
- ख. जहां भी आवश्यक होगा, प्रत्यय प्रत्यागम कर दिया जाएगा।
- ग. प्रत्यागम प्रभार आधार पर कर का संदाय नकद में किया जाएगा।
10. बीजक, प्रत्यय नोट, नामे नोट, आईएसडी बीजक, आईएसडी प्रत्यय और नामे नोट, प्रविष्टियों के बिल आदि के विवरण भी ऑनलाइन और डाउनलोड सुविधा के माध्यम से उपलब्ध कराए जाएंगे।
11. ऐसे परिदृश्य हो सकते हैं जहां सरकार द्वारा लागू कर दर का प्रतिशत अधिसूचित किया जा सकता है। बीजक/दस्तावेजों के लिए एक अलग स्तंभ बनाया जाएगा जहां ऐसी दर लागू होती है।

12. सारणी वार अनुदेश :

सारणी संख्या एवं शीर्षक	अनुदेश
आईटीसी उपलब्ध सारांश	
सारणी 3 भाग क खंड । सभी अन्य आईटीसी — प्रत्यागम प्रभार के अलावा पंजीकृत व्यक्तियों से आपूर्तियाँ	i. इस खंड में उन आपूर्तियों (उनके अलावा जिन पर प्रत्यागम प्रभार आधार पर कर का संदाय किया जाना है) के विवरण सम्मिलित हैं, जिन्हें आपके आपूर्तिकर्ताओं या ईसीओ द्वारा उनके प्रपत्र जीएसटीआर-1/आईएफएफ, जीएसटीआर-1क और जीएसटीआर-5 में घोषित और दाखिल किया गया है। ii. यह सारणी केवल उन आपूर्तियों को प्रदर्शित करती है जिन पर इनपुट कर प्रत्यय उपलब्ध है। iii. ख 2ख-बीजक और ख 2ख-नामे नोट में संशोधन के कारण यदि कोई नकारात्मक प्रत्यय उत्पन्न होता है, तो ऐसे प्रत्यय को प्रपत्र जीएसटीआर-3ख की सारणी 4क (5) में समायोजित (नेट- ऑफ) किया जाएगा।
सारणी 3 भाग क खंड ।। आईएसडी से आवक आपूर्तियाँ	i. इस खंड में उन आपूर्तियों के विवरण सम्मिलित हैं, जिन्हें इनपुट सेवा वितरक द्वारा उनके प्रपत्र जीएसटीआर-6 में घोषित और दाखिल किया गया है। ii. यह सारणी केवल उन आपूर्तियों को प्रदर्शित करती है जिन पर आईटीसी उपलब्ध है। iii. आईएसडी संशोधन — बीजक में संशोधन के कारण यदि कोई नकारात्मक

	प्रत्यय उत्पन्न होता है, तो ऐसे प्रत्यय को प्रपत्र जीएसटीआर-3ख की सारणी 4क(4) में समायोजित किया जाएगा।
सारणी 3 भाग क खंड III आवक आपूर्तियाँ, जिन पर प्रत्यागम प्रभार लागू होता है	i. इस खंड में उन आपूर्तियों के विवरण सम्मिलित हैं जिन पर प्रत्यागम प्रभार के आधार पर कर का भुगतान किया जाना है, जिन्हें आपके आपूर्तिकर्ताओं द्वारा उनके प्रपत्र जीएसटीआर-1/आईएफएफ और जीएसटीआर-1क में घोषित और दाखिल किया गया है। ii. यह सारणी केवल उन्हीं आपूर्तियों को उपलब्ध कराती है जिन पर आईटीसी उपलब्ध है। iii. इन आपूर्तियों को कर के भुगतान के लिए प्रपत्र जीएसटीआर-3ख की सारणी 3.1(घ) में घोषित किया जाएगा। कर के भुगतान पर प्रपत्र जीएसटीआर-3ख की सारणी 4(क)(3) के अन्तर्गत प्रत्यय का लाभ उठाया जा सकता है। iv. ख 2 ख – बीजक (प्रत्यागम प्रभार) और ख 2 ख-नामे नोट में संशोधन के कारण नकारात्मक प्रत्यय, यदि कोई हो, उत्पन्न होता है, तो ऐसे प्रत्यय को प्रपत्र जीएसटीआर -3ख की सारणी 4(क)(3) में समायोजित किया जाएगा।
सारणी 3 भाग क खंड IV माल का आयात	i. यह खंड विदेशों से माल के आयात और विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) इकाइयों/डेवलपर्स द्वारा आपके प्रवेश बिल और उसके संशोधन पर भुगतान किए गए आईजीएसटी के विवरण उपलब्ध कराता है। ये विवरण आईसीईजीएटीई प्रणाली से लगभग वास्तविक समय के आधार पर अद्यतन किए जाते हैं। ii. इस सारणी में उस महीने में आपके द्वारा किए गए आयात (GSTIN) के आंकड़े शामिल होंगे जिसके लिए जीएसटीआर-2ख तैयार किया जा रहा है। iii. आईसीईजीएटीई संदर्भ तिथि वह तिथि है जिससे प्राप्तिकर्ता इनपुट कर प्रत्यय लेने के लिए पात्र होता है। iv. सारणी यह भी बताती है कि क्या प्रवेश बिल में संशोधन किया गया था। v. सारणियों में जानकारी आईसीईजीएटीई से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर उपलब्ध कराई गई है।
सारणी 3 भाग ख खंड I अन्य	i. इस खंड में प्राप्त प्रत्यय नोट और उनके संशोधन के विवरण सम्मिलित हैं, जिन्हें आपके आपूर्तिकर्ताओं द्वारा उनके प्रपत्र जीएसटीआर-1/आईएफएफ, जीएसटीआर-1क और जीएसटीआर-5 में घोषित और दाखिल किया गया है। ii. ये प्रत्यय नोट प्रपत्र जीएसटीआर-3ख की प्रासंगिक आईटीसी उपलब्ध सारणियों (सारणी 4क(3,4,5)) से समायोजित किये जाएंगे। प्रत्यय नोट (प्रत्यागम प्रभार) के निमित्त देयता प्रपत्र जीएसटीआर-3ख की सारणी 3.1(घ) में समायोजित की जायेगी।
आईटीसी उपलब्ध नहीं सारांश	

सारणी 4 भाग क खंड I सभी अन्य आईटीसी – प्रत्यागम प्रभार के अलावा पंजीकृत व्यक्तियों से आपूर्तियाँ	i. इस खंड में उन आपूर्तियों (उनके अलावा जिन पर प्रत्यागम प्रभार आधार पर कर का संदाय किया जाना है) के विवरण सम्मिलित हैं, जिन्हें आपके आपूर्तिकर्ताओं, ईसीओ द्वारा उनके प्रपत्र जीएसटीआर-1/आईएफएफ, जीएसटीआर-1क और जीएसटीआर-5 में घोषित और दाखिल किया गया है। ii. यह सारणी केवल उन्हीं आपूर्तियों को उपलब्ध कराती है जिन पर आईटीसी उपलब्ध नहीं है। iii. ऐसा प्रत्यय, प्रपत्र जीएसटीआर-3ख में नहीं लिया जाएगा। तथापि ऐसे प्रत्यय को प्रपत्र जीएसटीआर-3ख की सारणी 4घ (2) में अपात्र आईटीसी के रूप में रिपोर्ट किया जाएगा।
सारणी 4 भाग क खंड II आईएसडी से आवक आपूर्तियाँ	i. इस खंड में उन आपूर्तियों के विवरण सम्मिलित है, जिन्हें इनपुट सेवा वितरक ने अपने प्रपत्र जीएसटीआर-6 में घोषित और दाखिल किया है। ii. यह सारणी केवल उन्हीं आपूर्तियों को उपलब्ध कराती है जिन पर आईटीसी उपलब्ध नहीं है। iii. ऐसा प्रत्यय, प्रपत्र जीएसटीआर-3ख में नहीं लिया जाएगा। तथापि ऐसे प्रत्यय को प्रपत्र जीएसटीआर-3ख की सारणी 4घ (2) में अपात्र आईटीसी के रूप में रिपोर्ट किया जाएगा।
सारणी 4 भाग क खंड III आवक आपूर्तियाँ, जिन पर प्रत्यागम प्रभार लागू होता है	i. इस खंड में प्रत्यागत प्रभार के लिए उत्तरदायी आपूर्तियों के विवरण सम्मिलित है, जिन्हें आपके आपूर्तिकर्ताओं द्वारा अपने प्रपत्र जीएसटीआर-1/आईएफएफ, जीएसटीआर-1क में घोषित और दाखिल किया गया है। ii. यह सारणी केवल उन्हीं आपूर्तियों को उपलब्ध कराती है जिन पर आईटीसी उपलब्ध नहीं है। iii. इन आपूर्तियों को कर के भुगतान के लिए प्रपत्र जीएसटीआर-3ख की सारणी 3.1(घ) में घोषित किया जाएगा। हालाँकि, ऐसी आपूर्तियों पर प्रत्यय उपलब्ध नहीं होगा। iv. ऐसे प्रत्यय को जीएसटीआर-3ख की सारणी 4घ (2) में अपात्र आईटीसी के रूप में रिपोर्ट किया जाएगा।
सारणी 4 भाग ख खंड I अन्य	i. इस खंड में प्राप्त प्रत्यय नोट और उनके संशोधन के विवरण सम्मिलित है, जिन्हें आपके आपूर्तिकर्ताओं द्वारा उनके प्रपत्र जीएसटीआर-1/आईएफएफ और जीएसटीआर-5 में घोषित और दाखिल किया गया है। ii. यह सारणी केवल उन प्रत्यय नोटों को उपलब्ध कराती है जिन पर आईटीसी उपलब्ध नहीं है। iii. ऐसे प्रत्यय नोट को प्रपत्र जीएसटीआर-3ख की प्रासंगिक उपलब्ध आईटीसी सारणियों (सारणी 4क (3,4,5)) से समायोजित किया जाएगा।

सारणी 5 भाग क खंड I	i. यह सारणी केवल सितंबर के प्रपत्र जीएसटीआर-2ख (अक्टूबर में उपलब्ध कराया गया) में उपलब्ध कराई जाएगी।
नियम 37क के कारण आईटीसी का प्रत्यागम	ii. इस सारणी में नियम 37क के अनुसार पिछले वित्तीय वर्ष के बीजक या प्रत्यय नोट के संबंध में प्रत्यागम किये जाने वाले आवश्यक इनपुट कर प्रत्यय के विवरण सम्मिलित होंगे।
	iii. इस सारणी में स्वचालित रूप से भरा गया प्रत्यय प्रपत्र जीएसटीआर-3ख में उलट दिया जाएगा और इसे प्रपत्र जीएसटीआर-3ख की सारणी 4(ख)(2) में रिपोर्ट किया जाएगा।

32. उक्त नियमों में, अधिसूचित की जाने वाली तिथि से, प्रपत्र जीएसटीआर-3ख में, —

(क) तालिका 6.1 के स्थान पर निम्नलिखित तालिका प्रतिस्थापित की जाएगी;

विवरण	देय कर	पिछली कर अवधि की नकारात्मक देयता का समायोजन	शुद्ध देय कर (2-3)	आईटीसी के माध्यम से कर का भुगतान				नकद में भुगतान किया गया कर	नकद में भुगतान किया गया ब्याज	विलंब शुल्क नकद में भुगतान किया जाएगा
				एकीकृत कर	केंद्रीय कर	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर	उप कर			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(i) विलोम प्रभार तथा (ii) धारा 9(5) के अंतर्गत की गई आपूर्तियों के अतिरिक्त										
एकीकृत कर	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>							
केंद्रीय कर	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>							
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>							
उपकर	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>							
(ख) धारा 9(5) के अंतर्गत विलोम प्रभार तथा आपूर्तियां										
एकीकृत कर	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>							—
केंद्रीय कर	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>							—
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>							—
उपकर	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>							—

(ख) तालिका 6.2 को हटा दिया जाएगा।

33. उक्त नियमों के, प्रपत्र जीएसटीआर-4 में, अनुदेशों में, क्रम संख्या 2 पर, "ऐसे वित्तीय वर्ष की समाप्ति" शब्दों के पश्चात्, "वित्तीय वर्ष 2023-24 तक के लिए" शब्दों तथा अक्षरों को अंतःस्थापित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक वित्तीय वर्ष या उसके भाग के लिए प्रपत्र जीएसटीआर-4 में विवरण, वित्तीय वर्ष 2024-25 से आगे के लिए ऐसे वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पश्चात् 30 जून दिन तक प्रस्तुत किए जाने चाहिए।"
34. उक्त नियमों के, प्रपत्र जीएसटीआर-4क में, कोष्ठकों, अक्षरों, शब्दों तथा अंकों "(जीएसटीआर-1, जीएसटीआर-5 और जीएसटीआर-7 से स्वतः प्रारूपित)" के स्थान पर, कोष्ठकों, अक्षरों, शब्दों तथा अंकों "(जीएसटीआर-1, जीएसटीआर-1क, जीएसटीआर-5 और जीएसटीआर-7 से स्वतः प्रारूपित)" को प्रतिस्थापित किया जाएगा।
35. उक्त नियमों में, दिनांक 1 अगस्त, 2024 से, प्रपत्र जीएसटीआर-5 में,—

- (i) क्रम संख्या 6 में, शीर्षक में, "2.5 लाख रुपए" अंकों, अक्षरों और शब्दों के स्थान पर, "1 लाख रुपए" अंकों, अक्षरों और शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;
- (ii) क्रम संख्या 7 में, तालिका में, खंड (7ख) में, शीर्षक में, "2.5 लाख रुपए" अंकों, अक्षरों और शब्दों के स्थान पर, "1 लाख रुपए" अंकों, अक्षरों और शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;
- (iii) निर्देश शीर्षक के अंतर्गत,—
- (क) क्रम संख्या 7 में, खंड (ii) में, "2,50,000 रुपए" अंकों और अक्षरों के स्थान पर, "1,00,000 रुपए" अंकों, और अक्षरों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;
- (ख) क्रम संख्या 8 में, खंड (ii) में, "2.5 लाख रुपए" अंकों, अक्षरों और शब्दों के स्थान पर, "1 लाख रुपए" अंकों, अक्षरों और शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;
- (ग) क्रम संख्या 9 में, "2,50,000 रुपए" अंकों, अक्षरों और शब्दों के स्थान पर, "1,00,000 रुपए" अंकों, और अक्षरों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;
36. उक्त नियमों के, प्रपत्र जीएसटीआर-6क में, कोष्ठकों, अक्षरों, शब्दों तथा अंकों "(जीएसटीआर-1, जीएसटीआर-5 और जीएसटीआर-7 से स्वतः प्रारूपित)" के स्थान पर, कोष्ठकों, अक्षरों, शब्दों तथा अंकों "(जीएसटीआर-1, जीएसटीआर-1क, जीएसटीआर-5 और जीएसटीआर-7 से स्वतः प्रारूपित)" को प्रतिस्थापित किया जाएगा।
37. उक्त नियमों में, अधिसूचित की जाने वाली तिथि से, प्रपत्र जीएसटीआर-7 में, —
- (i) तालिका 3 के स्थान पर निम्नलिखित तालिका को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"

कटौतीकर्ता का जीएसटीआईएन	बीजक/दस्तावेज विवरण			टीडीएस के लिए उत्तरदायी कटौतीकर्ता को भुगतान की गई राशि	स्रोत पर कटौती की गई कर राशि		
	सं०	तिथि	मूल्य		एकीकृत कर	केंद्रीय कर	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर
1	2	3	4	5	6	7	8

- (ii) तालिका 4 के स्थान पर निम्नलिखित तालिका को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"

मूल विवरण						पुनरीक्षित विवरण							
माह	कटौतीकर्ता का जीएसटीआईएन	बीजक/दस्तावेज विवरण			टीडीएस के लिए उत्तरदायी कटौतीकर्ता को भुगतान की गई राशि	कटौतीकर्ता का जीएसटीआईएन	बीजक /दस्तावेज विवरण			टीडीएस के लिए उत्तरदायी कटौतीकर्ता को भुगतान की गई राशि	स्रोत पर कटौती की गई कर राशि		
		सं०	तिथि	मूल्य			सं०	तिथि	मूल्य		एकीकृत कर	केंद्रीय कर	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14

- (iii) अनुदेशों में, —

(क) क्रम संख्या 2 के अनुदेश के स्थान पर निम्नलिखित अनुदेश को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"2. तालिका 3 में बीजक/दस्तावेज वार कर कटौती का विवरण दर्ज किया गया है।"

(ख) क्रम संख्या 4 पर अनुदेश के पश्चात् निम्नलिखित अनुदेश को अंतःस्थापित किया जाएगा,

अर्थात्:-

"5. तालिका 3 के कॉलम 5 तथा तालिका 4 के कॉलम 6 और कॉलम 11 में टीडीएस के लिए उत्तरदायी राशि, बीजक में दर्शाई गई केंद्रीय कर, राज्य कर/संघ राज्य क्षेत्र कर, एकीकृत कर और उपकर को छोड़कर राशि होगी।"

38. उक्त नियमों के, प्रपत्र जीएसटीआर-8 में, -

(i) अनुदेश शीर्षक के अंतर्गत, परिच्छेद 7 में, "जीएसटीआर-1" अक्षरों, शब्दों और अंकों के स्थान पर "(जीएसटीआर-1 या जीएसटीआर-1क)" अक्षरों, शब्दों और अंकों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;

(ii) प्रपत्र जीएसटीआर-8 में, अधिसूचित होने वाली तिथि से प्रभावी, -

(क) क्रम संख्या 3 के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

"3. ई-कॉमर्स ऑपरेटर के माध्यम से की गई आपूर्तियों का विवरण

(सभी तालिकाओं के लिए राशि रुपये में)

आपूर्तिकर्ता का जीएसटीआईएन	आपूर्ति का विवरण जिस पर टीसीएस लागू होता है			स्रोत पर एकत्रित कर की राशि			आपूर्ति का स्थान (पीओएस)
	की गई आपूर्तियों का सकल मूल्य	वापस की गई आपूर्ति का मूल्य	टीसीएस के लिए उत्तरदायी शुद्ध राशि	एकीकृत कर	केंद्रीय कर	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर	
1	2	3	4	5	6	7	8
3क. पंजीकृत व्यक्तियों को की गई आपूर्तियां							
3ख. अपंजीकृत व्यक्तियों को की गई आपूर्तियां							

(ख) क्रम संख्या 4 के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

"4. किसी भी पूर्ववर्ती विवरण के संबंध में आपूर्तियों के विवरण में संशोधन

मूल विवरण		पुनरीक्षित विवरण							
माह	आपूर्तिकर्ता का जीएसटीआईएन	आपूर्तिकर्ता का जीएसटीआईएन	आपूर्ति का विवरण जिस पर टीसीएस लागू होता है			स्रोत पर एकत्रित कर की राशि			आपूर्ति का स्थान (पीओएस)
			की गई आपूर्ति का सकल मूल्य	वापस की गई आपूर्ति का मूल्य	टीसीएस के लिए उत्तरदायी शुद्ध राशि	एकीकृत कर	केंद्रीय कर	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
4क. पंजीकृत व्यक्तियों को की गई आपूर्तियां									
4ख. अपंजीकृत व्यक्तियों को की गई आपूर्तियां									

39. उक्त नियमों के, प्रपत्र जीएसटीआर-9 में,-

(अ) तालिका में, -

(i) भाग II में, -

(क) क्रम संख्या 4 में,

(I) क्रम संख्या छ से संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्या तथा उससे संबंधित प्रविष्टि को अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“छ1	वे आपूर्तियाँ जिन पर ई-कॉमर्स ऑपरेटर को धारा 9(5) के अनुसार कर का भुगतान करना आवश्यक है (संशोधनों सहित, यदि कोई हो) (ई-कॉमर्स ऑपरेटर को सूचना देनी होगी)					
-----	--	--	--	--	--	--

”;

(II) क्रम संख्या ज के समक्ष, — “उप-योग (उपर्युक्त क से छ)” अक्षरों और शब्दों के स्थान पर, “उप-योग (उपर्युक्त ए से जी1)” अक्षरों, अंकों और शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा।”;

(ख) क्रम संख्या 5 में,

(I) क्रम संख्या ग से संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्या तथा उससे संबंधित प्रविष्टि को अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

”

ग 1	वे आपूर्तियाँ जिन पर धारा 9(5) के अनुसार ई-कॉमर्स ऑपरेटरों द्वारा कर का भुगतान किया जाना है (आपूर्तिकर्ता को सूचना देनी होगी)					
-----	---	--	--	--	--	--

”;

(II) क्रम संख्या ढ के समक्ष, “कुल कारोबार (अग्रिम सहित) (4ढ+5ड-4छ उपरोक्त)” अक्षरों, अंकों और शब्दों के स्थान पर, “कुल कारोबार (अग्रिम सहित) (4ढ+5ड-4छ-4छ1 ऊपर)” अक्षरों, अंकों और शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा।

(ख) निर्देश शीर्षक के अंतर्गत, —

(i) परिच्छेद 4 में, —

(क) “या वित्त वर्ष 2022-23” शब्दों, अक्षरों और अंकों के पश्चात् “या वित्त वर्ष 2023-24” शब्दों, अक्षरों और अंकों को अंतःस्थापित किया जाएगा;

(ख) तालिका में —

(I) “प्रपत्र जीएसटीआर-1” अंकों, अक्षरों और शब्दों के पश्चात् जहां कहीं भी वे आते हैं, “प्रपत्र जीएसटीआर-1क” अंकों, अक्षरों और शब्दों द्वारा संशोधित, यदि कोई हो” को अंतःस्थापित किया जाएगा;

(II) क्रम संख्या 4छ से संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्या और उससे संबंधित प्रविष्टि को अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

4छ1	सभी आपूर्तियों का सकल मूल्य (संशोधनों का कुल योग), जिन पर धारा 9(5) के अंतर्गत ई-कॉमर्स ऑपरेटरों द्वारा कर का भुगतान किया जाना है, ई-कॉमर्स ऑपरेटरों द्वारा सूचना देनी होगी। प्रपत्र जीएसटीआर-1 की तालिका 15 और 15क इन विवरणों को भरने के लिए निर्दिष्ट की जा सकेगी।
-----	--

(III) क्रम संख्या 5ग से संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्या और उससे संबंधित प्रविष्टि अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

5ग1	ई-कॉमर्स ऑपरेटरों के माध्यम से आपूर्तियों द्वारा की गई आपूर्तियों का सकल मूल्य (संशोधनों का कुल योग), जिन पर धारा 9(5) के अंतर्गत ई-कॉमर्स ऑपरेटरों द्वारा कर का भुगतान किया जाना है, आपूर्तिकर्ता द्वारा सूचना देनी होगी। प्रपत्र जीएसटीआर-1 की तालिका 14(ख) और 14क(ख) इन विवरणों को भरने के लिए निर्दिष्ट की जा सकेगी।
-----	--

(IV) दूसरे कॉलम में, क्रम संख्या 5घ, 5ड. और 5च के सामने, निम्नलिखित प्रविष्टियां को अंत में अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्: -

‘वित्त वर्ष 2023-24 के लिए, पंजीकृत व्यक्ति गैर-जीएसटी आपूर्ति (5च) की पृथक रूप से सूचना देगा और उसके पास या तो अपनी आपूर्ति को छूट प्राप्त और शून्य दर आपूर्ति के रूप में पृथक रूप से सूचना देगा या केवल “छूट प्राप्त” पंक्ति में इन दो शीर्षों के लिए समेकित जानकारी की सूचना देने का विकल्प होगा।’

(V) दूसरे कॉलम में, क्रम संख्या 5ज, 5झ, 5ञ और 5ट के सामने, अंकों तथा शब्दों “2021-22 और 2022-23” के स्थान पर अंकों तथा शब्दों “2021-22, 2022-23 और 2023-24” को प्रतिस्थापित किया जाएगा;

(VI) दूसरे कॉलम में, क्रम संख्या 5ढ के सामने, “विलोम प्रभार के आधार पर” अक्षरों और शब्दों के पश्चात्, “और आपूर्तियां जिन पर ई-कॉमर्स ऑपरेटरों को धारा 9(5) के अंतर्गत करों का भुगतान करना अपेक्षित है” अक्षरों, अंकों तथा शब्दों को अंतःस्थापित किया जाएगा;

(ii) परिच्छेद 5 में, तालिका के, दूसरे कॉलम में, -

(क) क्रम संख्या 6ख, 6ग, 6घ और 6ड. के सामने, “वित्त वर्ष 2019-20, 2020-21, 2021-22 और 2022-23” अक्षरों तथा अंकों के स्थान पर क्रमशः “वित्त वर्ष 2019-20, 2020-21, 2021-22, 2022-23 और 2023-24” अक्षरों, अंकों तथा शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;

(ख) क्रम संख्या 7क, 7ख, 7ग, 7घ, 7ड., 7च 7छ और 7ज के सामने, “2021-22 और 2022-23” अंकों और शब्दों के स्थान पर “2021-22, 2022-23 और 2023-24” अंकों और शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;

(ग) क्रम संख्या 8क के सामने, -

(I) “एसईजेड से प्राप्त” शब्दों के पश्चात् और ई-कॉमर्स ऑपरेटरों से प्राप्त आपूर्तियाँ शब्दों को अंतःस्थापित किया जाएगा;

(II) “संबंधित आपूर्तिकर्ताओं” शब्दों के पश्चात् ई-कॉमर्स ऑपरेटरों सहित शब्दों को अंतःस्थापित किया जाएगा; और

(III) अंत में निम्नलिखित प्रविष्टि को अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्: -

“तथापि, वित्त वर्ष 2023-24 के पश्चात्, उस वित्तीय वर्ष से संबंधित आवक आपूर्ति (आयात और आवक आपूर्ति से पृथक विलोम प्रभार के लिए उत्तरदायी है, लेकिन एसईजेड से प्राप्त सेवाओं को सम्मिलित करता है) के लिए उपलब्ध कुल प्रत्यय, जिसके लिए प्रतिदाय प्रस्तुत किया जा रहा है तथा प्रपत्र जीएसटीआर-2ख की तालिका 3(झ) में दर्शाया गया है, इस तालिका में स्वतः भर जाएगा।”

(iii) परिच्छेद 7 में, -

(क) शब्दों और अंकों “30 नवम्बर, 2023 तक दाखिल” के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि को अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्: -

“वित्त वर्ष 2023-24 के लिए, भाग V में पिछले वित्तीय वर्ष के लेनदेन का विवरण सम्मिलित है, लेकिन अप्रैल, 2024 से अक्टूबर, 2024 के प्रपत्र जीएसटीआर-3ख में भुगतान किया गया है, जो 30 नवंबर, 2024 तक दाखिल किया गया है।”

(ख) तालिका के, दूसरे कॉलम में, -

(I) क्रम संख्या 10 तथा 11 के सामने, अंत में निम्नलिखित प्रविष्टि को अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्: -

“वित्त वर्ष 2023-24 के लिए, पिछले वित्तीय वर्ष के प्रतिदाय में पहले से घोषित किसी भी आपूर्ति में परिवर्धन या संशोधन का विवरण, लेकिन ऐसे संशोधन अप्रैल, 2024 से अक्टूबर,

2024 तक दाखिल प्रपत्र जीएसटीआर-1 की तालिका 9क, तालिका 9ख और तालिका 9ग में प्रस्तुत किए गए थे, जो 30 नवंबर, 2024 तक दाखिल किए गए थे, यहां घोषित किए जाएंगे।"

(II) क्रम संख्या 12 के सामने, -

- i. शब्दों, अक्षरों, अंकों और कोष्ठकों "30 नवंबर, 2023 तक" यहां घोषित किया जाएगा। इन विवरणों को भरने के लिए प्रपत्र जीएसटीआर-3ख की तालिका 4(ख) का उपयोग किया जा सकता है, के पश्चात्, निम्नलिखित प्रविष्टि का अतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

वित्त वर्ष 2023-24 के लिए, पिछले वित्तीय वर्ष में प्राप्त आईटीसी के व्युत्क्रमण का कुल मूल्य, जो अप्रैल, 2024 से अक्टूबर, 2024 तक के माह के लिए विवरणी में वापस किया गया था, 30 नवंबर, 2024 तक दाखिल किए गए यहाँ घोषित किया जाएगा। इन विवरणों को भरने के लिए प्रपत्र जीएसटीआर-3ख की तालिका 4(ख) का उपयोग किया जा सकता है।

- ii. अंकों और शब्दों "2021-22 और 2022-23" के स्थान पर आंकड़े और शब्द "2021-22, 2022-23 और 2023-24" को प्रतिस्थापित किया जाएगा;

(ग) क्रम संख्या 13 के सामने, -

(I) "वित्त वर्ष 2023-24 में पुनः दावा किया गया ऐसे आईटीसी पुनः दावा का विवरण वित्त वर्ष 2023-24 के वार्षिक विवरणी में प्रस्तुत किया जाएगा", शब्दों, अक्षरों और अंकों के पश्चात्, निम्नलिखित प्रविष्टि को अतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

"वित्त वर्ष 2023-24 के लिए, पिछले वित्तीय वर्ष में प्राप्त वस्तुओं या सेवाओं के लिए आईटीसी का विवरण, लेकिन इसके लिए आईटीसी का लाभ अप्रैल, 2024 से अक्टूबर, 2024 के माह के लिए 30 नवंबर, 2024 तक दाखिल किए गए विवरणी में किया गया था, यहां घोषित किया जाएगा। इन विवरणों को भरने के लिए प्रपत्र जीएसटीआर-3ख की तालिका 4(क) का उपयोग किया जा सकता है। तथापि, कोई भी आईटीसी जिसे धारा 16 की उप-धारा (2) के दूसरे परन्तुक के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में वापस किया गया था, लेकिन वित्त वर्ष 2024-25 में पुनः प्राप्त किया गया था, ऐसे पुनः प्राप्त आईटीसी के विवरण वित्त वर्ष 2024-25 के वार्षिक विवरणी में प्रस्तुत किए जाएंगे।"

(II) अंकों और शब्दों "2021-22 और 2022-23" के स्थान पर अंकों और शब्दों "2021-22, 2022-23 और 2023-24" को प्रतिस्थापित किया जाएगा;

(iv) परिच्छेद 8 की, तालिका के, दूसरे कॉलम में, -

(क) क्रम संख्या के सामने, -

- (I) 15क, 15ख, 15ग और 15घ,
- (II) 15ड., 15च और 15छ,
- (III) 16क ,
- (IV) 16ख और
- (V) 16ग;

अंकों और शब्दों "2021-22 और 2022-23" जहां कहीं भी वे आते हैं, के स्थान पर अक्षरों, अंकों और शब्दों "2021-22, 2022-23 और 2023-24" को प्रतिस्थापित किया जाएगा।

(ख) क्रमांक 17 और 18 के सामने,

(I) अंकों और शब्दों "2021-22 और 2022-23" के स्थान पर, अक्षरों, अंकों और शब्दों "2021-22, 2022-23 और 2023-24" को प्रतिस्थापित किया जाएगा।

(II) अंकों, अक्षरों और शब्दों "प्रपत्र जीएसटीआर-1" के पश्चात् अंकों, अक्षरों और शब्दों "प्रपत्र जीएसटीआर-1क द्वारा संशोधित, यदि कोई हो" को अतःस्थापित किया जाएगा।

40. उक्त नियमों के, प्रपत्र जीएसटीआर-9ग में,-

[illegible]

42. उक्त नियमों में, प्रपत्र आरएफडी-10 के पश्चात् निम्नलिखित प्रपत्र को अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“प्रपत्र जीएसटी आरएफडी-10क
(नियम 95ख देखें)

कैप्टन भंडार विभाग (सीएसडी) द्वारा प्रतिदाय के लिए आवेदन

1. जीएसटीआईएन:
2. नाम :
3. पता :
4. कर अवधि (तिमाही) : दिन/माह/वर्ष से दिन/माह/वर्ष तक
5. प्रतिदाय दावे की राशि: <आईएनआर> <शब्दों में>
6. प्राप्त माल की आवक आपूर्ति का विवरण:

आपूर्तिकर्ता का जीएसटीआईएन	दस्तावेज़ का प्रकार	बीजक विवरण/नामे टिप्पणियां			दर	कर योग्य मूल्य	कर की राशि		
	बीजक/प्रत्यय टिप्पणियां/नामे टिप्पणियां	सं०	तिथि	मूल्य			एकीकृत कर	केंद्रीय कर	राज्य कर
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

7. कुल प्रतिदाय के लिए आवेदन:

केंद्रीय कर	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर	एकीकृत कर	कुल
<कुल >	<कुल >	<कुल >	<कुल >

8. बैंक खाते का विवरण:

- क. बैंक खाता संख्या
- ख. बैंक खाता प्रकार
- ग. बैंक का नाम
- घ. खाताधारक का नाम
- ड. बैंक शाखा का पता
- च. आईएफएससी
- छ. एमआईसीआर

9. प्रतिदाय आवेदन के साथ दस्तावेजों के संलग्नक:

10. सत्यापन

मैं..... <<कैप्टन भंडार विभाग का नाम>> के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में एतद्वारा सत्यनिष्ठा से पुष्टि करता/करती हूँ और घोषणा करता/करती हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरी सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है और इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है। मैं आगे घोषणा करता/करती हूँ कि सभी सामान, जिनके संबंध में प्रतिदाय का दावा किया जा रहा है, हमें सीएसडी की यूनिट रन कैप्टनों या सीएसडी के प्राधिकृत ग्राहकों को ऐसे सामान की बाद में आपूर्ति के उद्देश्य से प्राप्त हो गए हैं और इस आवेदन में जिन बीजकों के विरुद्ध प्रतिदाय का दावा किया गया है, उनमें से किसी के विरुद्ध पहले कोई प्रतिदाय का दावा नहीं किया गया है।

दिनांक:

स्थान:

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर:

नाम:

पदनाम/प्रास्थिति”.

43. उक्त नियमों में, प्रपत्र जीएसटी एपीएल-02 के शीर्ष के स्थान पर निम्नलिखित शीर्ष को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

"(नियम 108(3), 109(2), 110(1) और 111(1) देखें)।

44. उक्त नियमों में, प्रपत्र जीएसटी एपीएल-05 के पश्चात् निम्नलिखित प्रपत्र को अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

"प्रपत्र जीएसटी एपीएल-05/07 ब
(नियम 113क देखें)

अपील वापस लेने के लिए आवेदन/अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर आवेदन

1. जीएसटीआईएन:
2. व्यवसाय का नाम (कानूनी) (यदि धारा 112 की उपधारा (1) के अंतर्गत अपील दायर की जाती है)
3. अपीलकर्ता का नाम और पदनाम (यदि अपील धारा 112 की उपधारा (3) के अंतर्गत दायर की जाती है):
4. आदेश संख्या एवं तिथि:
5. अपील का एआरएन एवं तिथि:
6. वापसी के कारण:
 - i. प्रथम अपीलीय प्राधिकारी के आदेश की स्वीकृति।
 - ii. समान विषय-वस्तु पर अपीलीय न्यायाधिकरण/न्यायालय के आदेश की स्वीकृति।
 - iii. दायर अपील/आवेदन में भूल/चूक को सुधारने के पश्चात् फिर से अपील/आवेदन दायर करने की आवश्यकता है
 - iv. अपील में शामिल राशि धारा 112 की उपधारा (2) के प्रावधानों के अनुसार अपील के लिए निर्धारित मौद्रिक सीमा से कम है
 - v. आवेदन में शामिल राशि धारा 120 की उपधारा (1) के प्रावधानों के अनुसार आवेदन के लिए निर्धारित मौद्रिक सीमा से कम है।
 - vi. कोई अन्य कारण

7. घोषणा (धारा 112 की उपधारा (1) के अंतर्गत अपील दायर किए जाने की स्थिति में लागू) :

मैं/हम <करदाता का नाम> एतद्वारा सत्यनिष्ठा से पुष्टि करता/करती हूँ और घोषणा करता/करती हूँ कि इसमें दी गई जानकारी मेरे/हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है तथा इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

स्थान:

दिनांक:

हस्ताक्षर

आवेदक/आवेदक अधिकारी का नाम
पदनाम/प्रास्थिति"

45. उक्त नियमों में, प्ररूप जीएसटी डीआरसी-01क के स्थान पर निम्नलिखित प्रपत्र को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

"प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-01क
धारा 73(5)/74(5) के अंतर्गत देय निर्दिष्ट कर की सूचना
(नियम 142 (1क), (2क) देखें)
भाग क

क्रमांक:

मामला आईडी सं०
सेवा में,

दिनांक:

जीएसटीआईएन.....

नाम.....

पता.....

मामला कार्यवाही संदर्भ संख्या..... धारा 73(5)/धारा 74(5) के अंतर्गत दायित्व की सूचना

कृपया उपरोक्त कार्यवाही देखें। इस संबंध में, उपलब्ध जानकारी के आधार पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्धारित उक्त मामले के संदर्भ में धारा 73(5)/74(5) के अंतर्गत आपके द्वारा देय कर/ब्याज/जुर्माना की राशि नीचे दी गई है:

अधिनियम	अवधि	कर	ब्याज	जुर्माना	कुल
सीजीएसटी अधिनियम					
एसजीएसटी/यूटीजीएसटी अधिनियम					
आईजीएसटी अधिनियम					
उपकर					
कुल					

आधार और परिमाणीकरण नीचे संलग्न/दिया गया है:

आपको सलाह दी जाती है कि आप..... लागू ब्याज राशि सहित ऊपर निर्धारित कर राशि भुगतान करें, जिसके न हो सकने पर धारा 73(1) के अंतर्गत कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा।

या

आपको सलाह दी जाती है कि आप..... धारा 74(5) के अंतर्गत लागू ब्याज राशि सहित ऊपर निर्धारित कर राशि तथा जुर्माने का भुगतान करें, जिसके न हो सकने पर धारा 74(1) के अंतर्गत कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा।

यदि आप उपरोक्त निर्धारण के विरुद्ध कोई निवेदन दाखिल करना चाहते हैं, तो उसे इस प्रपत्र के भाग ख में द्वारा प्रस्तुत किया जा सकता है।

हस्ताक्षर.....

नाम.....

पद का नाम.....

अधिकारिता.....

पता.....

संलग्नक अपलोड करें

भाग ख

कारण बताओ नोटिस जारी होने से पहले भुगतान के लिए संसूचना का प्रत्युत्तर दें (नियम 142 (2क) देखें)

सूचना की संदर्भ संख्या:

दिनांक:

कृपया सूचना आईडी देखें.....मामला आईडी के संबंध में, जिसको धारा 73(5)/74(5) के अंतर्गत निर्धारित देय कर की देयता की सूचना दी गई थी।

इस संबंध में,

क. यह सूचित किया जाता है कि उक्त देयता का निर्वहन आंशिक/पूर्ण रूप से के माध्यम सेरुपये की सीमा तक किया जाता है और शेष देयता के संबंध में निवेदन संलग्न है/नीचे दिया गया है:

या

ख. उक्त देयता स्वीकार्य नहीं है और इस संबंध में निवेदन नीचे संलग्न है/नीचे दिया गया है:

--

प्राधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर
नाम.....

पदनाम / प्रास्थिति.....

संलग्नक करें	अपलोड
-----------------	-------

भाग ग
(नियम 142(2क) देखें)

सूचना की संदर्भ संख्या:

दिनांक:

सेवा में,

जीएसटीआईएन.....

नाम.....

पता.....

प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-01क के भाग-क में दी गई सूचना के प्रत्युत्तर में निवेदन तथा/या किए गए भुगतान की स्वीकृति

यह संदर्भ संख्या.....तिथि.....द्वारा प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-03 के माध्यम से किए गए भुगतान की संदर्भ संख्या.....तिथि.....द्वारा प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-01 के भाग-क में जारी संसूचना के संदर्भ में है। आपके द्वारा किया गया उक्त भुगतान संतोषजनक पाया गया है और इसलिए स्वीकार कर लिया गया है।

या

यह संदर्भ संख्या.....तिथि.....द्वारा प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-03 के माध्यम से किए गए भुगतान सहित संदर्भ संख्या.....तिथि.....द्वारा प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-01क के भाग-क में जारी संसूचना के प्रत्युत्तर में संदर्भ संख्या.....तिथि द्वारा प्रस्तुत प्रत्युत्तर के संदर्भ में है। आपके द्वारा उक्त निवेदन तथा किया गया भुगतान संतोषजनक पाया गया है और इसलिए स्वीकार कर लिया गया है।

या

यह संदर्भ संख्या.....तिथि.....द्वारा प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-01क के भाग-क में जारी संसूचना के प्रत्युत्तर में संदर्भ संख्या.....तिथि.....द्वारा प्रस्तुत प्रत्युत्तर के संदर्भ में है। उक्त प्रत्युत्तर संतोषजनक पाया गया है और इसलिए स्वीकार कर लिया गया है।

हस्ताक्षर.....

नाम.....

पद का नाम.....

अधिकारिता.....

पता.....

संलग्नक अपलोड करें ";

46. उक्त नियमों में, प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-01ख में,—

(i) भाग क के, क्रम संख्या 1 में, —

(क) "आपके द्वारा प्रपत्र जीएसटीआर-1 में प्रस्तुत" शब्दों, अक्षरों और अंको के पश्चात् "प्रपत्र जीएसटीआर-1क में यथा संशोधित यदि कोई हो" शब्दों, अक्षरों और अंको को अंतःस्थापित किया जाएगा;

(ख) तालिका में, "प्रपत्र जीएसटीआर-1/आईएफएफ" अंकों, अक्षरों और शब्दों के स्थान पर "प्रपत्र जीएसटीआर-1/जीएसटीआर-1क/आईएफएफ" अंकों, अक्षरों और शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;

(ii) भाग ख के, क्रम संख्या ख की, तालिका में "प्रपत्र जीएसटीआर-1/आईएसएफ" अंकों, अक्षरों और शब्दों जहां कहीं भी आते हैं, के स्थान पर "प्रपत्र जीएसटीआर-1/जीएसटीआर-1क/आईएसएफ" अंकों, अक्षरों और शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;

47. उक्त नियमों के, प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-03 में,—

(i) तालिका में,

(क) क्रम संख्या (3क) की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

3 क	गलत आईजीएसटी प्रतिदाय का मालभाड़ा बिल विवरण (केवल तभी सक्षम किया जाएगा जब ड्रॉप डाउन मेनू में निर्दिष्ट श्रेणियां चुनी गई हों)	(i) मालभाड़ा बिल/निर्यात बिल संख्या एवं तिथि: (ii) माल के निर्यात पर भुगतान की गई आईजीएसटी की राशि: (iii) रियायती दर या छूट पर इनपुट प्राप्त करने के लिए उपयोग की जाने वाली अधिसूचना संख्या (नियम 96 के उप-नियम 10 के उल्लंघन के मामलों में): (iv) अधिसूचना की तिथि: (v) प्राप्त प्रतिदाय की राशि: (vi) जमा की जाने वाली त्रुटिपूर्ण प्रतिदाय की राशि: (vii) बैंक खाते में प्रतिदाय जमा करने की तिथि: ";
-----	--	--

(ख) क्रम संख्या (5) की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्,—

“	का विवरण	संदर्भ संख्या/एआरएन	जारी /दाखिल करने की तिथि
5.	i. संपरीक्षा ii. निरीक्षण या अन्वेषण iii. एससीएन/विवरण जारी करने के बाद लेकिन आदेश जारी करने से पहले iv. संवीक्षा, v. प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-01क के माध्यम से निर्धारित कर की सूचना, vi. प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-01 ख के उत्तर में किया गया भुगतान, vii. प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-01 ग के उत्तर में किया गया भुगतान, viii. अप्रयुक्त आईटीसी का त्रुटिपूर्ण प्रतिदाय जमा करना, ix. नियम 96ख के अंतर्गत माल के निर्यात पर		”

	अप्रयुक्त आईटीसी के प्रतिदाय के संबंध में विदेशी विप्रेषण की गैर प्राप्ति x. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
--	--	--	--

48. उक्त नियमों में, प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-03 के पश्चात् निम्नलिखित प्रपत्र को अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

***प्रपत्र जीएसटी डीआरसी- 03क**

(नियम 142(2ख) देखें)

मांग आदेश के विरुद्ध प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-03 के माध्यम से भुगतान की गई राशि के समायोजन के लिए आवेदन

1.	जीएसटीआईएन	
2.	कानूनी नाम	<स्वतः>
3.	व्यापारिक नाम, यदि कोई हो	<स्वतः>
4.	डीआरसी-03क का एआरएन	<स्वतः>
5.	डीआरसी-03क दाखिल करने की तिथि	<स्वतः>
6.	डीआरसी-03 का एआरएन जिसके माध्यम से भुगतान किया गया	
7.	डीआरसी-03 दाखिल करने की तिथि	<स्वतः>
8.	डीआरसी-03 के माध्यम से भुगतान की गई राशि	<स्वतः>

(राशि रुपये में)

क्र0 सं0	कर अवधि	अधिनियम	स्थान आपूर्ति (पीओएस)	कर/उपकर	ब्याज	जुर्माना	शुल्क	अन्य	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>
<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>
कुल	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>

9.	मांग आदेश की संदर्भ संख्या जिसके विरुद्ध भुगतान किया जाना था (सुधार/अपील आदेश सहित)	
10.	आदेश जारी करने की तिथि	<स्वतः>
11.	मांग की राशि	<स्वतः>

(राशि रुपये में)

क्र0 सं0	कर अवधि	अधिनियम	स्थान आपूर्ति (पीओएस)	कर/उपकर	ब्याज	जुर्माना	शुल्क	अन्य	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>
<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>
कुल	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>

12.	वचनबद्धता मैं वचनबद्ध हूँ कि उपरोक्त क्रम संख्या 6 पर उल्लिखित अनन्य एआरएन संख्या के साथ प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-03 के माध्यम से किया गया भुगतान वास्तविक रूप से मेरे द्वारा 'मांग के प्रति भुगतान' के रूप में किया गया था, जिसका भुगतान मांग के विरुद्ध किया जाना है (उपरोक्त क्रम संख्या 9 में उल्लिखित यथा स्थिति, प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-07, या जीएसटी डीआरसी-08 या प्रपत्र जीएसटी एपीएल-04 के अनन्य एआरएन संख्या सहित) और इसका उपयोग मेरे द्वारा की जाने वाली किसी अन्य मांग/भुगतान के लिए नहीं किया गया है। मैं यह भी वचन देता/देती हूँ कि यदि ऊपर घोषित कोई भी विवरण बाद में गलत पाया जाता है, तो मैं इस प्रपत्र के माध्यम से समायोजित राशि सरकार को लागू ब्याज सहित वापस कर दूँगा/दूँगी। मैं सीजीएसटी अधिनियम की धारा 122(1)(x) के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई का भी भागी होऊँगा/होऊँगी।
-----	---

13.	सत्यापन— मैं एतद् द्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान तथा घोषणा करता/करती हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान तथा विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही है तथा इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है।
-----	---

दिनांक.....

प्राधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर
नाम
पदनाम/प्रास्थिति

49. उक्त नियमों में, प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-04 के स्थान पर निम्नलिखित प्रपत्र को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

“प्रपत्र जीएसटी डीआरसी-04
(नियम 142(2) एवं 142(3) देखें)

संदर्भ संख्या:

दिनांक:

सेवा में,

.....जीएसटीआईएन/आईडी

.....नाम

.....पता

कर अवधि.....

वित्तीय वर्ष.....

एआरएन —

दिनांक :

स्वैच्छिक रूप से किए गए भुगतान की अभिस्वीकृति।

ऊपर निर्दिष्ट आवेदन के माध्यम से आपके द्वारा किए गए भुगतान की भुगतान राशि की सीमा तक अभिस्वीकृति की जाती है।

यह प्रणाली जनित अभिस्वीकृति है और इसके लिए हस्ताक्षर अपेक्षित नहीं है।”

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल,

के आदेश से तथा उनके नाम पर

मंगेज सिंह, उप सचिव (वित्त)

टीप : मूल नियम दिनांक 22 जून, 2017 को फा0सं0 3(10)/वित्त (राज0-I)/2017-18/डीएस-I/342, के द्वारा दिल्ली राजपत्र, असाधारण, भाग-IV, धारा 3, उप-धारा (i) में प्रकाशित किए गए थे तथा अंतिम बार दिनांक 2 जून, 2025 की फा0सं 3(07)/वित्त (व्यय-I)/2025-26/डीएस-I/475, के द्वारा दिल्ली राजपत्र, असाधारण, भाग-IV, धारा 3, उप-धारा (i) में प्रकाशित अधिसूचना संख्या 52/2023-राज्य कर के द्वारा संशोधित किया गया।

FINANCE (EXPENDITURE-I) DEPARTMENT

NOTIFICATION

Delhi, the 30th September, 2025

No. 12/2024-State Tax

F. No. 3 (31)/Fin.(Exp-I)/2025-26/DS-I/966.—In exercise of the powers conferred by section 164 of the Delhi Goods and Services Tax Act, 2017 (03 of 2017), the Lieutenant Governor of National Capital Territory of Delhi, on the recommendations of the Council, hereby makes the following rules further to amend the Delhi Goods and Services Tax Rules, 2017, namely: —

1. **Short title and commencement.** —(1) These rules may be called the Delhi Goods and Services Tax (Amendment) Rules, 2024.

(2) Save as otherwise provided in these rules, they shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Delhi Goods and Services Tax Rules, 2017 (hereinafter referred to as the said rules), with effect from a date to be notified, in rule 8, in sub-rule (4A), after the first proviso, the following proviso shall be inserted, namely: -

“Provided further that every application made under sub-rule (4) by a person, other than a person notified under sub-section (6D) of section 25, who has not opted for authentication of Aadhaar number, shall be followed by taking photograph of the applicant where the applicant is an individual or of such individuals in relation to the applicant as notified under sub-section (6C) of section 25 where the applicant is not an individual, along with the verification of the original copy of the documents uploaded with the application in FORM GST REG-01 at one of the Facilitation Centers notified by the Commissioner for the purpose of this sub-rule and the application shall be deemed to be complete only after successful verification as laid down under this proviso.”.

3. In the said rules, in rule 21, -

(i) in clause (f), after the words, letters and figures “FORM GSTR-1”, the letters, words and figures “, as amended in FORM GSTR-1A if any,” shall be inserted;

(ii) after clause (g), the following clause shall be inserted, namely: -

“(ga) violates the provisions of third or fourth proviso to sub-rule (1) of rule 23; or”.

4. In the said rules, in rule 21A, in sub-rule (2A), in clause (a), -

(i) after the words, letters and figures “furnished in FORM GSTR-1”, the letters, words and figures “, as amended in FORM GSTR-1A if any,” shall be inserted;

(ii) after the words, letters and figures “in their FORM GSTR-1”, the words, letters and figures “or in FORM GSTR-1A of the previous tax period, if any” shall be inserted.

5. In the said rules, in rule 28, with effect from the 26th day of October, 2023, -

(i) in sub-rule (2), -

(a) after the words “who is a related person”, the words “located in India” shall be inserted;

(b) after the words “amount of such guarantee offered”, the words “per annum” shall be inserted.

(ii) after sub-rule (2), the following proviso shall be inserted, namely,—

“Provided that where the recipient is eligible for full input tax credit, the value declared in the invoice shall be deemed to be the value of said supply of services.”.

6. In the said rules, in rule 36, in sub-rule (4), in clause (a), after the words, letters and figures “FORM GSTR-1”, the letters, words and figures “, as amended in FORM GSTR-1A if any,” shall be inserted.

7. In the said rules, in rule 37A, after the words, letters and figures “FORM GSTR-1”, the letters, words and figures “, as amended in FORM GSTR-1A if any,” shall be inserted.

8. In the said rules, with effect from a date to be notified, in rule 39, –

(i) for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely: —

“(1) An Input Service Distributor shall distribute input tax credit in the manner and subject to the following conditions, namely: —

- (a) the input tax credit available for distribution in a month shall be distributed in the same month and the details thereof shall be furnished in **FORM GSTR-6** in accordance with the provisions of Chapter VIII of these rules;
- (b) the amount of the credit distributed shall not exceed the amount of credit available for distribution;
- (c) the credit of tax paid on input services attributable to a recipient of credit shall be distributed only to that recipient;
- (d) the credit of tax paid on input services attributable to more than one recipient of credit shall be distributed amongst such recipients to whom the input service is attributable and such distribution shall be *pro rata* on the basis of the turnover in a State or turnover in a Union territory of such recipient, during the relevant period, to the aggregate of the turnover of all such recipients to whom such input service is attributable and which are operational in the current year, during the said relevant period;
- (e) the credit of tax paid on input services attributable to all recipients of credit shall be distributed amongst such recipients and such distribution shall be *pro rata* on the basis of the turnover in a State or turnover in a Union territory of such recipient, during the relevant period, to the aggregate of the turnover of all recipients and which are operational in the current year, during the said relevant period;
- (f) the input tax credit that is required to be distributed in accordance with the provisions of clause (d) and (e) to one of the recipients “R1”, whether registered or not, from amongst the total of all the recipients to whom input tax credit is attributable, including the recipients who are engaged in making exempt supply, or are otherwise not registered for any reason, shall be the amount, “C1”, to be calculated by applying the following formula -

$$C_1 = (t_1 / T) \times C$$

WHERE,

“C” IS THE AMOUNT OF CREDIT TO BE DISTRIBUTED,

“T₁” IS THE TURNOVER, as referred to in clause (d) and (e), OF PERSON R₁ DURING THE RELEVANT PERIOD, AND

“T” IS THE AGGREGATE OF THE TURNOVER, DURING THE RELEVANT PERIOD, OF ALL RECIPIENTS TO WHOM THE INPUT SERVICE IS ATTRIBUTABLE IN ACCORDANCE WITH THE PROVISIONS OF clause (d) and (e);

- (g) the Input Service Distributor shall, in accordance with the provisions of clause (d) and (e), separately distribute the amount of ineligible input tax credit (ineligible under the provisions of sub-section (5) of section 17 or otherwise) and the amount of eligible input tax credit;
- (h) the input tax credit on account of central tax, State tax, Union territory tax and integrated tax shall be distributed separately in accordance with the provisions of clause (d) and (e);

- (i) the input tax credit on account of integrated tax shall be distributed as input tax credit of integrated tax to every recipient;
- (j) the input tax credit on account of central tax and State tax or Union territory tax shall—
 - (i) in respect of a recipient located in the same State or Union territory in which the Input Service Distributor is located, be distributed as input tax credit of central tax and State tax or Union territory tax respectively;
 - (ii) in respect of a recipient located in a State or Union territory other than that of the Input Service Distributor, be distributed as integrated tax and the amount to be so distributed shall be equal to the aggregate of the amount of input tax credit of central tax and State tax or Union territory tax that qualifies for distribution to such recipient as referred to in clause (d) and (e);
- (k) the Input Service Distributor shall issue an Input Service Distributor invoice, as provided in sub-rule (1) of rule 54, clearly indicating in such invoice that it is issued only for distribution of input tax credit;
- (l) the Input Service Distributor shall issue an Input Service Distributor credit note, as provided in sub-rule (1) of rule 54, for reduction of credit in case the input tax credit already distributed gets reduced for any reason;
- (m) any additional amount of input tax credit on account of issuance of a debit note to an Input Service Distributor by the supplier shall be distributed in the manner and subject to the conditions specified in clauses (a) to (j) and the amount attributable to any recipient shall be calculated in the manner provided in clause (f) and such credit shall be distributed in the month in which the debit note is included in the return in **FORM GSTR-6**;
- (n) any input tax credit required to be reduced on account of issuance of a credit note to the Input Service Distributor by the supplier shall be apportioned to each recipient in the same ratio in which the input tax credit contained in the original invoice was distributed in terms of clause (f), and the amount so apportioned shall be—
 - (i) reduced from the amount to be distributed in the month in which the credit note is included in the return in **FORM GSTR-6**; or
 - (ii) added to the output tax liability of the recipient where the amount so apportioned is in the negative by virtue of the amount of credit under distribution being less than the amount to be adjusted.”;
- (ii) after sub-rule (1), the following sub-rule shall be inserted, namely:-

“(1A) For the distribution of credit in respect of input services, attributable to one or more distinct persons, subject to levy of tax under sub-section (3) or (4) of section 9, a registered person, having the same PAN and State code as an Input Service Distributor, may issue an invoice or, as the case may be, a credit or debit note as per the provisions of sub-rule(1A) of rule 54 to transfer the credit of such common input services to the Input Service Distributor, and such credit shall be distributed by the said Input Service Distributor in the manner as provided in sub-rule (1).”;
- (iii) in sub-rule (2), for the words and brackets “clause (j)”, the words and brackets “clause (n)” shall be substituted;

(iv) in sub-rule (3), for the words and brackets “clause (h)”, the words and brackets “clause (l)” shall be substituted;

(v) after sub-rule (3), the following explanation shall be inserted, namely: –

“Explanation. — For the purpose of this rule, –

(i) the term “relevant period” shall be—

(a) if the recipients of credit have turnover in their States or Union territories in the financial year preceding the year during which credit is to be distributed, the said financial year; or

(b) if some or all recipients of the credit do not have any turnover in their States or Union territories in the financial year preceding the year during which the credit is to be distributed, the last quarter for which details of such turnover of all the recipients are available, previous to the month during which credit is to be distributed;

(ii) the expression “recipient of credit” means the supplier of goods or services or both having the same Permanent Account Number as that of the Input Service Distributor;

(iii) the term “turnover”, in relation to any registered person engaged in the supply of taxable goods as well as goods not taxable under this Act, means the value of turnover, reduced by the amount of any duty or tax levied under entries 84 and 92A of List I of the Seventh Schedule to the Constitution and entries 51 and 54 of List II of the said Schedule.”.

9. In the said rules, in rule 40, in sub-rule (1), in clause (e), after the words, letters and figures “FORM GSTR-1”, the words, letters and figures “and in FORM GSTR-1A, if any,” shall be inserted;

10. In the said rules, in rule 48, in sub-rule (3), after the words, letters and figures “FORM GSTR-1”, the words, letters and figures “or in FORM GSTR-1A, if any” shall be inserted;

11. In the said rules, in rule 59, –

(i) after sub-rule (1), the following proviso shall be inserted, namely:-

“Provided that the said person may, after furnishing the details of outward supplies of goods or service or both in FORM GSTR-1 for a tax period but before filing of return in FORM GSTR-3B for the said tax period, at his own option, amend or furnish additional details of outward supplies of goods or services or both in FORM GSTR-1A for the said tax period electronically through the common portal, either directly or through a Facilitation Centre as may be notified by the Commissioner.”;

(ii) in sub-rule (4), with effect from 1st day of August, 2024, for the words “two and a half lakh rupees” wherever they occur, the words “one lakh rupees” shall be substituted;

(iii) after sub-rule (4), the following sub-rule shall be inserted, namely: –

“(4A) The additional details or the amendments of the details of outward supplies of goods or services or both furnished in FORM GSTR-1A may, as per the requirement of the registered person, include the –

(a) invoice wise details of -

(i) inter-State and intra-State supplies made to the registered persons; and

(ii) inter-State supplies with invoice value more than one lakh rupees made to the unregistered persons;

(b) consolidated details of -

(i) intra-State supplies made to unregistered persons for each rate of tax; and

(ii) State wise inter-State supplies with invoice value upto one lakh rupees made to unregistered persons for each rate of tax;

(c) debit and credit notes, if any, issued during the month for invoices issued previously.”.

12. In the said rules, in rule 60, –

(i) in sub-rule (1), after the words, letters and figures “FORM GSTR-1”, the words, letters and figures “or FORM GSTR-1A” shall be inserted;

(ii) in sub-rule (7), after clause (ii), the following clause shall be inserted, namely: –

“(iia) the additional details or amendments in details of outward supplies furnished by his supplier in FORM GSTR-1A filed between the day immediately after the due date of furnishing of FORM GSTR-1 for the previous tax period to the due date of furnishing of FORM GSTR-1 for the current tax period;”.

13. In the said rules, in rule 62, after sub-rule (1), the following proviso shall be inserted, namely: –

“Provided that the return in FORM GSTR-4 for a financial year from FY 2024-25 onwards shall be required to be furnished by the registered person till the thirtieth day of June following the end of such financial year.”.

14. In the said rules, in rule 78, after the words, letters and figures “supplier in FORM GSTR-1”, the letters, words and figures “, as amended in FORM GSTR-1A if any,” shall be inserted.

15. In the said rules, in rule 88B, after sub-rule (1), the following proviso shall be inserted, namely: –

“Provided that where any amount has been credited in the Electronic Cash Ledger as per provisions of sub-section (1) of section 49 on or before the due date of filing the said return, but is debited from the said ledger for payment of tax while filing the said return after the due date, the said amount shall not be taken into consideration while calculating such interest if the said amount is lying in the said ledger from the due date till the date of its debit at the time of filing return.”.

16. In the said rules, in rule 88C, in sub-rule (1), after the words, letters and figures “FORM GSTR-1”, the letters, words and figures “, as amended in FORM GSTR-1A if any,” shall be inserted.

17. In the said rules, in rule 89, –

(i) after sub-rule (1A), the following sub-rule shall be inserted, namely: –

“(1B) Any person, claiming refund of additional integrated tax paid on account of upward revision in price of the goods subsequent to exports, and on which the refund of integrated tax paid at the time of export of such goods has already been sanctioned as per rule 96, may file an application for such refund of additional integrated tax paid, electronically in FORM GST RFD-01 through the common portal, subject to the provisions of rule 10B, before the expiry of two years from the relevant date as per clause (a) of Explanation (2) of section 54:

Provided that the said application for refund can, in cases where the relevant date as per clause (a) of Explanation (2) of section 54 of the Act was before the date on which this sub-rule comes into force, be filed before the expiry of two years from the date on which this sub-rule comes into force.”;

(ii) in sub-rule (2), after clause (ba), the following shall be inserted, namely: –

“(bb) a statement containing the number and date of export invoices along with copy of such invoices, the number and date of shipping bills or bills of export along with copy of such shipping bills or bills of export, the number and date of Bank Realisation Certificate or foreign inward remittance certificate in respect of such shipping bills or bills of export along with copy of such Bank Realisation Certificate or foreign inward remittance certificate issued by Authorised Dealer-I Bank, the details of refund already sanctioned under sub-rule (3) of rule 96, the number and date of relevant supplementary invoices or debit notes issued subsequent to the upward revision in prices along with copy of such supplementary invoices or debit notes, the details of payment of additional amount of integrated tax, in respect of which such refund is claimed, along with proof of payment of such additional amount of integrated tax and interest paid thereon, the number and date of foreign inward remittance certificate issued by Authorised Dealer-I Bank in respect of additional foreign exchange remittance received in respect of upward revision in price of exports along with copy of such foreign inward remittance certificate, along with a certificate issued by a practicing chartered accountant or a cost accountant to the effect that the said additional foreign exchange remittance is on account of such upward revision in price of the goods subsequent to exports and

copy of contract or other documents, as applicable, indicating requirement for the revision in price of exported goods and the price revision thereof, in a case where the refund is on account of upward revision in price of such goods subsequent to exports;

(bc) a reconciliation statement, reconciling the value of supplies declared in supplementary invoices, debit notes or credit notes issued along with relevant details of Bank Realisation Certificate or foreign inward remittance certificate issued by Authorised Dealer-I Bank, in a case where the refund is on account of upward revision in price of such goods subsequent to exports;”.

18. In the said rules, after rule 95, the following rule shall be inserted, namely: –

“95B. Refund of tax paid on inward supplies of goods received by Canteen Stores Department. – (1) Notwithstanding anything contained in rule 95, a Canteen Stores Department under the Ministry of Defence, which is eligible to claim the refund of fifty per cent. of the applicable central tax paid by it on all inward supplies of goods received by it for the purposes of subsequent supply of such goods to the Unit Run Canteens of the Canteen Stores Department or to the authorised customers of the Canteen Stores Department as per notification issued under section 55, shall apply for refund in FORM GST RFD-10A once in every quarter, electronically on the common portal.

(2) Such application for refund of tax paid on inward supplies of goods filed in FORM GST RFD-10A shall be dealt in a manner similar to that of application for refund filed in FORM GST RFD-01 in accordance with the provisions of rule 89.

(3) The refund of tax paid by the applicant shall be available, if-

(a) the inward supplies of goods were received from a registered person against a tax invoice and details of such supplies have been furnished by the said registered person in his details of outward supply in FORM GSTR-1 and the said supplier has furnished his return in FORM GSTR-3B for the concerned tax period;

(b) name and Goods and Services Tax Identification Number of the applicant is mentioned in the tax invoice; and

(c) goods have been received by Canteen Stores Department for the purpose of subsequent supply to the Unit Run Canteens of the Canteen Stores Department or to the authorised customers of the Canteen Stores Department.”.

19. In the said rules, in rule 96, —

(i) in sub-rule (1),—

(a) in the proviso to clause (b), after the words, letters and figures “FORM GSTR-1”, the letters, words and figures “, as amended in FORM GSTR-1A if any,” shall be inserted;

(b) after clause (c), in the long line, the following proviso shall be inserted, namely: –

“Provided that the exporter of goods may file an application electronically in FORM GST RFD-01 through the common portal for refund of additional integrated tax paid on account of upward revision in price of goods subsequent to export of such goods, and on which the amount of integrated tax paid at the time of export of such goods has already been refunded in accordance with provisions of sub-rule (3) of this rule, and such application shall be dealt with in accordance with the provisions of rule 89.”;

(ii) in sub-rule (2), after the words, letters and figures “contained in FORM GSTR-1”, the letters, words and figures “, as amended in FORM GSTR-1A if any,” shall be inserted.

20. In the said rules, in rule 96A, —

(i) in sub-rule (1), for clause (b), the following shall be substituted, namely:-

“(b) fifteen days after the expiry of one year, or the period as allowed under the Foreign Exchange Management Act, 1999 (42 of 1999) including any extension of such period as permitted by the Reserve Bank of India, whichever is later, from the date of issue of the invoice for export, or such further period as may be allowed by the Commissioner, if the payment of such services is not received by the exporter in convertible foreign exchange or in Indian rupees, wherever permitted by the Reserve Bank of India.”;

(ii) in sub-rule (2), after the words, letters and figures “contained in FORM GSTR-1”, the letters, words and figures “, as amended in FORM GSTR-1A if any,” shall be inserted.

21. In the said rules, for rule (110), the following rule shall be substituted, namely: -

“110 Appeal to the Appellate Tribunal.— (1) An appeal to the Appellate Tribunal under sub-section (1) of section 112 shall be filed in FORM GST APL-05, along with the relevant documents, electronically and provisional acknowledgement shall be issued to the appellant immediately:

Provided that an appeal to the Appellate Tribunal may be filed manually in FORM GST APL-05, along with the relevant documents, only if the Registrar allows the same by issuing a special or general order to that effect, subject to such conditions and restrictions as specified in the said order, and in such case, a provisional acknowledgement shall be issued to the appellant immediately.

(2) A memorandum of cross-objections to the Appellate Tribunal under sub-section (5) of section 112, if any, shall be filed electronically in FORM GST APL-06:

Provided that the memorandum of cross-objections may be filed manually in FORM GST APL-06, only if the Registrar allows the same by issuing a special or general order to that effect, subject to such conditions and restrictions as specified in the said order.

(3) The appeal and the memorandum of cross objections shall be signed in the manner specified in rule 26.

(4) Where the order appealed against is uploaded on the common portal, a final acknowledgement, indicating appeal number, shall be issued in FORM GST APL-02 on removal of defects, if any, and the date of issue of the provisional acknowledgement shall be considered as the date of filing of appeal under sub-rule (1):

Provided that where the order appealed against is not uploaded on the common portal, the appellant shall submit or upload, as the case may be, a self-certified copy of the said order within a period of seven days from the date of filing of FORM GST APL-05 and a final acknowledgement, indicating appeal number, shall be issued in FORM GST APL-02 on removal of defects, if any, and the date of issue of the provisional acknowledgement shall be considered as the date of filing of appeal:

Provided further that where the said self-certified copy of the order is submitted or uploaded after a period of seven days from the date of filing of FORM GST APL-05, a final acknowledgement, indicating appeal number, shall be issued in FORM GST APL-02 on removal of defects, if any, and the date of submission or uploading of such self-certified copy shall be considered as the date of filing of appeal.

Explanation.—For the purposes of this rule, the appeal shall be treated as filed only when the final acknowledgement, indicating the appeal number, is issued.

(5) The fees for filing of appeal or restoration of appeal shall be one thousand rupees for every one lakh rupees of tax or input tax credit involved or the difference in tax or input tax credit involved or the amount of fine, fee or penalty determined in the order appealed against, subject to a maximum of twenty five thousand rupees and a minimum of five thousand rupees:

Provided that the fees for filing of an appeal in respect of an order not involving any demand of tax, interest, fine, fee or penalty shall be five thousand rupees.

(6) There shall be no fee for application made before the Appellate Tribunal for rectification of errors referred to in sub-section (10) of section 112.”.

22. In the said rules, for rule 111, the following rule shall be substituted, namely: -

“111 Application to the Appellate Tribunal.— (1) An application to the Appellate Tribunal under sub-section (3) of section 112 shall be filed in Form GST APL-07, along with the relevant documents, electronically and a provisional acknowledgement shall be issued to the appellant immediately:

Provided that an application to the Appellate Authority may be filed manually in FORM GST APL-07, along with the relevant documents, only if the Registrar allows the same by issuing a special or general order to that effect, subject to such conditions and restrictions as specified in the said order, and in such case, a provisional acknowledgement shall be issued to the appellant immediately.

(2) A memorandum of cross-objections to the Appellate Tribunal under sub-section (5) of section 112, if any, shall be filed electronically in FORM GST APL-06:

Provided that the memorandum of cross-objections may be filed manually in FORM GST APL-06, only if the Registrar allows the same by issuing a special or general order to that effect, subject to such conditions and restrictions as specified in the said order.

(3) The appeal and the memorandum of cross objections shall be signed in the manner specified in rule 26.

(4) Where the order appealed against is uploaded on the common portal, a final acknowledgement, indicating appeal number, shall be issued in FORM GST APL-02 on removal of defects, if any, and the date of issue of the provisional acknowledgement shall be considered as the date of filing of appeal under sub-rule (1):

Provided that where the order appealed against is not uploaded on the common portal, the appellant shall submit or upload, as the case may be, a self-certified copy of the said order within a period of seven days from the date of filing of FORM GST APL-07 and a final acknowledgement, indicating appeal number shall be issued in Form GST APL-02 on removal of defects, if any, and the date of issue of the provisional acknowledgement shall be considered as the date of filing of appeal:

Provided further that where the said self-certified copy of the order is submitted or uploaded after a period of seven days from the date of filing of FORM GST APL-07, a final acknowledgement, indicating appeal number, shall be issued in FORM GST APL-02 on removal of defects, if any, and the date of submission or uploading of such self-certified copy shall be considered as the date of filing of appeal.

Explanation 1.—For the purposes of this rule, the appeal shall be treated as filed only when the final acknowledgement, indicating the appeal number, is issued.

Explanation 2.—For the purposes of rule 110 and 111, ‘Registrar’ shall mean a Registrar appointed by the Government for this purpose, and shall include Joint Registrar, Deputy Registrar and Assistant Registrar. ”.

23. In the said rules, after rule 113, the following rule shall be inserted, namely: -

“113A Withdrawal of Appeal or Application filed before the Appellate Tribunal:-The appellant may, at any time before the issuance of the order under sub-section (1) of section 113, in respect of any appeal filed in FORM GST APL-05 or any application filed in FORM GST APL-07, file an application for withdrawal of the said appeal or the application, as the case may be, by filing an application in FORM GST APL-05/07W:

Provided that where the final acknowledgment in FORM GST APL-02 has been issued, the withdrawal of the said appeal or the application, as the case may be, would be subject to the approval of the Appellate Tribunal and such application for withdrawal of the appeal or application, shall be decided by the Appellate Tribunal within fifteen days of filing of such application:

Provided further that any fresh appeal or application, as the case may be, filed by the appellant pursuant to such withdrawal shall be filed within the time limit specified in sub-section (1) or sub-section (3) of section 112, as the case may be.”.

24. In the said rules, with effect from a date to be notified, in rule 138, in sub-rule (3), after the third proviso, the following proviso shall be inserted, namely:-

“Provided also that an unregistered person required to generate e-way bill in FORM GST EWB-01 in terms of the fourth proviso to sub-rule (1) or an unregistered person opting to generate e-way bill in Form GST EWB-01, on the common portal, shall submit the details electronically on the common portal in FORM GST ENR- 03 either directly or through a Facilitation Centre notified by the Commissioner and, upon validation of the details so furnished, a unique enrolment number shall be generated and communicated to the said person.”.

25. In the said rules, in rule 142,—

(i) in sub-rule (2), for the words, letters and figures “he shall inform the proper officer of such payment in FORM GST DRC-03 and the proper officer shall issue an acknowledgement, accepting the payment made by the said person in FORM GST DRC- 04”, the words, letters and figures “he shall inform the proper officer of such payment in FORM GST DRC-03 and an acknowledgement, in FORM GST DRC- 04 shall be made available to the person through the common portal electronically.” shall be substituted;

(ii) in sub-rule (2A), after the words, letters and figures “FORM GST DRC-01A”, the words, letters and figures “, and thereafter the proper officer may issue an intimation in Part-C of FORM GST DRC-01A, accepting the payment or the submissions or both, as the case may be, made by the said person” shall be inserted;

(iii) after sub-rule (2A), the following sub-rule shall be inserted, namely:-

“(2B)Where an amount of tax, interest, penalty or any other amount payable by a person under section 52 or section 73 or section 74 or section 76 or section 122 or section 123 or section 124 or section 125 or section 127 or section 129 or section 130, has been paid by the said person through an intimation in FORM GST DRC-03 under sub-rule (2), instead of crediting the said amount in the electronic liability register in FORM GST PMT –01 against the debit entry created for the said demand, the said person may file an application in FORM GST DRC-03A electronically on the common portal, and the amount so paid and intimated through FORM GST DRC-03 shall be credited in Electronic Liability Register in FORM GST PMT –01 against the debit entry created for the said demand, as if the said payment was made towards the said demand on the date of such intimation made through FORM GST DRC-03:

Provided that where an order in FORM GST DRC-05 has been issued in terms of sub-rule (3) concluding the proceedings, in respect of the payment of an amount in FORM GST DRC-03, an application in FORM GST DRC-03A cannot be filed by the said person in respect of the said payment.”.

26. In the said rules, in rule 163, in sub-rule (1), in clause (c), after the words, letters and figures “FORM GSTR-1”, the letters, words and figures “, as amended in FORM GSTR-1A if any,” shall be inserted.

27. In the said rules, with effect from a date to be notified, after the FORM GST ENR-02, the following Form shall be inserted, namely: -

“FORM GST ENR-03

[See rule 138(3)]

Application for Enrolment

[only for un-registered persons]

1. Name of the State
2. (a) Name as per PAN
(b) Trade Name, if any
(c) PAN
(d) Aadhaar, if applicable (optional)
3. Type of enrolment
(i) Unregistered supplier of goods (ii) Unregistered recipient of goods
(iii) Both (i) & (ii)
4. Contact Information (the email address and mobile number will be used for authentication)
Email Address
Mobile Number
5. Consent

I on behalf of the holder of Aadhaar number <pre-filled based on Aadhaar number provided in the form> give consent to “Goods and Services Tax Network” to obtain my details from UIDAI for the purpose of authentication. “Goods and Services Tax Network” has informed me that identity information would only be used for validating identity of the Aadhaar holder and will be shared with Central Identities Data Repository only for the purpose of authentication.

6. List of documents uploaded

7. Verification

I hereby solemnly affirm and declare that the information given herein above is true and correct to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed therefrom.

4B. Supplies attracting tax on reverse charge basis										

5. Taxable outward inter-State supplies to un-registered persons where the invoice value is more than Rs 1 lakh

Place of Supply (State/UT)	Invoice details			Rate	Taxable Value	Amount	
	No.	Date	Value			Integrated Tax	Cess
1	2	3	4	5	6	7	8
5. Outward supplies (including supplies made through e-commerce operator, rate wise)							

6. Zero rated supplies and Deemed Exports

GSTIN of recipient	Invoice details			Shipping bill/ Bill of export		Integrated Tax			Central Tax			State / UT Tax			Cess
	No.	Date	Value	No.	Date	Rate	Taxable value	Amt	Rate	Taxable value	Amt	Rate	Taxable value	Amt	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
6A. Exports															
6B. Supplies made to SEZ unit or SEZ Developer															
6C. Deemed exports															

7. Taxable supplies (Net of debit notes and credit notes) to unregistered persons other than the supplies covered in Table 5

Rate of tax	Total Taxable value	Amount			
		Integrated	Central	State Tax/UT Tax	Cess
1	2	3	4	5	6
7A. Intra-State supplies					
Consolidated rate wise outward supplies [including supplies made through e-commerce operator attracting TCS]					
7B. Inter-State Supplies where invoice value is upto Rs 1 Lakh [Rate wise]—Consolidated rate wise outward supplies [including supplies made through e-commerce operator attracting TCS]					
Place of Supply (Name of State)					

8. Nil rated, exempted and non-GST outward supplies

Description	Nil Rated Supplies	Exempted (Other than Nil rated/non-GST supply)	Non-GST supplies
1	2	3	4
8A. Inter-State supplies to registered persons			
8B. Intra- State supplies to registered persons			
8C. Inter-State supplies to unregistered persons			
8D. Intra-State supplies to unregistered persons			

12. HSN-wise summary of outward supplies

Sr. No.	HSN	Description	UQC	Total Quantity	Rate of Tax	Total Taxable Value	Amount			
							Integrated Tax	Central Tax	State/UT Tax	Cess
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11

13. Documents issued during the tax period

Sr. No.	Nature of document	Sr. No.		Total number	Cancelled	Net issued
		From	To			
1	2	3	4	5	6	7
1	Invoices for outward supply					
2	Invoices for inward supply from unregistered person					
3	Revised Invoice					
4	Debit Note					
5	Credit Note					
6	Receipt voucher					
7	Payment Voucher					
8	Refund voucher					
9	Delivery Challan for job work					
10	Delivery Challan for supply on approval					
11	Delivery Challan in case of liquid gas					
12	Delivery Challan in cases other than by way of supply (excluding at S no. 9 to 11)					

14. Details of the supplies made through e-commerce operators on which e-commerce operators are liable to collect tax under section 52 of the Act or liable to pay tax u/s 9(5) [Supplier to report]

Nature of supply	GSTIN of e-commerce operator	Net value of supplies	Tax amount			
			Integrated tax	Central tax	State / UT tax	Cess
1	2	3	4	5	6	7
(a) Supplies on which e-commerce operator is liable to collect tax u/s 52						
(b) Supplies on which e-commerce operator is liable to pay tax u/s 9(5)						

14A. Amendment to details of the supplies made through e-commerce operators on which e-commerce operators are liable to collect tax under section 52 of the Act or liable to pay tax u/s 9(5) [Supplier to report]

Nature of supply	Original details		Revised details	Net value of supplies	Tax amount			
	Month / Quarter	GSTIN of e-commerce operator	GSTIN of e-commerce operator		Integrated tax	Central tax	State / UT tax	Cess
1	2	3	4	5	6	7	8	9
(a) Supplies on which e-commerce operator is liable to collect tax u/s								

52								
(b) Supplies on which e-commerce operator is liable to pay tax u/s 9(5)								

15. Details of the supplies made through e-commerce operators on which e-commerce operator is liable to pay tax u/s 9(5) [e-commerce operator to report]

Type of supplier	Type of recipient	GSTIN of supplier	GSTIN of recipient	Document no.	Document date	Rate	Value of supplies made	Tax amount				Place of supply
								Integrated tax	Central tax	State / UT tax	Cess	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
Registered	Registered											
	Unregistered											
Unregistered	Registered											
	Unregistered											

15A (I). Amendment to details of the supplies made through e-commerce operators on which e-commerce operator is liable to pay tax u/s 9(5) [e-commerce operator to report, for registered recipients]

Type of supplier	Original details				Revised details				Rate	Value of supplies made	Tax amount				Place of supply
	GSTIN of supplier	GSTIN of recipient	Doc. no.	Doc. Date	GSTIN of supplier	GSTIN of recipient	Doc. no.	Doc. Date			Integrated tax	Central tax	State / UT tax	Cess	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
Registered															
Unregistered															

15A (II). Amendment to details of the supplies made through e-commerce operators on which e-commerce operator is liable to pay tax u/s 9(5) [e-commerce operator to report, for unregistered recipients]

Type of supplier	Original details		Revised details	Rate	Value of supplies made	Tax amount				Place of supply
	GSTIN of supplier	Tax period				Integrated tax	Central tax	State / UT tax	Cess	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
Registered										
Unregistered										

Instructions for filing of GSTR-1A:

1. It is an additional facility provided to add any particulars of current tax period missed out in reporting in FORM GSTR-1 of current tax period or amend any particulars already declared FORM GSTR-1 of current

tax period (including those declared in IFF, for the first and second months of a quarter, if any, for quarterly taxpayers) The form is an optional form without levy of late fees.

2. The FORM will be available on the portal after due date of filing of FORM GSTR -1 or the actual date of filing of FORM GSTR -1 ,whichever is later, till filing of corresponding FORM GSTR-3B of the same tax period. Similarly, for quarterly taxpayers, the FORM GSTR-1A shall be opened quarterly after filing of the FORM GSTR-1 (Quarterly) or the due date of filing of FORM GSTR -1 (Quaterly),whichever is later, till filing of FORM GSTR-3B of the same tax period.
3. The particulars declared in FORM GSTR-1A along with particulars declared in FORM GSTR-1 shall be made available in FORM GSTR-3B. In case of taxpayers opting for filing of quarterly returns the same shall be made available in FORM GSTR-3B (Quarterly) along with particular furnished in FORM GSTR-1 and IFF of Month M1 and M2 (if filed).
4. Amendment of a document which is related to change of Recipient's GSTIN shall not be allowed in GSTR-1A.
5. In addition to the GSTR-2B already generated, GSTR-2B shall also consist of all the supplies declared by the respective suppliers in GSTR-1A. However, supplies declared or amended in FORM GSTR-1A shall be made available in the next open FORM GSTR-2B. For example,

(i) a supplier issues two invoices INV1 and INV2 in the month of January 2023. Then he furnished the details of the invoice INV1 on 8th Feb 2023 in FORM GSTR-1. However, he misses one invoice INV2 and furnishes the details of the same in FORM GSTR-1A on 15th Feb 2023. In this case, INV1 will go to the FORM GSTR-2B of the recipient for the month of January made available on 14th Feb 2023. Further, INV2 will be made available in FORM GSTR-2B of the recipient for the month of February made available on 14th March 2023.

(ii) a supplier issues two invoices INV3 and INV4 in the month of January 2023. Then he furnished the details of the invoice INV3 on 15th Feb 2023 in FORM GSTR-1. However, he declared INV 4 in FORM GSTR-1A on 16th Feb 2023. In this case, both INV3 and INV4 will be made available in FORM GSTR-2B of the recipient for the month of February made available on 14th March 2023.

6. Instructions for specific tables:-

Table No.	Instructions
4A, 4B, 5, 6, 9B (for registered recipients)	Taxpayers may declare additional details of invoices / documents for the current tax period other than those already declared in FORM GSTR-1.
7	- Taxpayers may declare additional details of invoices/ documents for the current tax period other than those already declared in FORM GSTR-1. - In case a POS with any combination of rate has already been declared in FORM GSTR-1, then a new rate cannot be added through Table 7 and the taxpayer will have to use amendment facility in Table 10 for the same.
8,	Taxpayers may declare additional details of Nil rated, Exempted and Non-GST supplies for the current tax period other than those already declared in FORM GSTR-1.
9A and 9C	Amendment of values reported in table 4A, 4B, 5, 6A, 6B 6C and 9B in IFF, for the first and second months of a quarter, if any, and FORM GSTR-1 of the current tax period.
12	HSN details as per additional/amendments details reported in FORM GSTR 1A shall be declared here. In case of any downward amendment, entry can be made with the minus sign for the differential part.
11A(1) & 11A(2), 11B(1) & 11B(2)	- Taxpayers may declare details of advances received or adjusted for the current tax period other than those already declared in FORM GSTR-1. - In case a POS with any combination of rate has already been declared

	in FORM GSTR-1, then a new rate cannot be added through these tables and the taxpayer will have to use amendment Table 11(II) as the case may be.
14	• Taxpayers may declare additional details of supplies made through e-commerce operator for the current tax period
15	• ECO Taxpayers may declare additional details of supplies for unregistered recipients (rate wise) for the current tax period other than those already declared in FORM GSTR-1.
10, 11(II), 14A, 15A(I), 15A(II)	• Taxpayers may amend details already declared in FORM GSTR-1 of the current period.”.

30. In the said rules, in FORM GSTR-2A,—

(i) for the brackets, letters, words and figures “(From GSTR1, GSTR5, GSTR-6, GSTR-7, GSTR-8, import of goods and inward supplies of goods received from SEZ units / developers)”, the brackets, letters, words and figures “(From GSTR1, 1A, GSTR5, GSTR-6, GSTR-7, GSTR-8, import of goods and inward supplies of goods received from SEZ units / developers)” shall be substituted;

(ii) in Part A, –

(a) for the figures, letters and words “GSTR-1/5 period” wherever they occur, the figures, letters and words “GSTR-1/1A/5 period” shall be substituted;

(b) for the figures, letters and words “GSTR-1/5 filing date” wherever they occur, the figures, letters and words “GSTR-1/1A/5 filing date” shall be substituted;

(iii) under the heading Instructions, –

(a) in paragraph 2, for the figures, letters and words “FORMS GSTR-1, 5, 6, 7 and 8”, the figures, letters and words “FORMS GSTR-1, 1A, 5, 6, 7 and 8” shall be substituted;

(b) in paragraph 4, in the Table, –

(A) against serial number 3, in second column, –

(I) in serial number (i), for the figures, letters and words “FORM GSTR-1 and 5”, the figures, letters and words “FORM GSTR-1, 1A and 5” shall be substituted;

(II) in serial number (iii), for the figures, letters and words “FORM GSTR-1/5”, the figures, letters and words “FORM GSTR-1/ 1A and 5” shall be substituted;

(III) in serial number (iv), for the figures, letters and words “FORM GSTR-1”, the figures, letters and words “FORM GSTR-1/1A” shall be substituted;

(B) against serial number 4, in second column, in serial number (i), for the figures, letters and words “FORM GSTR-1 and 5”, the figures, letters and words “FORM GSTR-1, 1A and 5” shall be substituted;

(C) against serial number 5, in second column, –

(I) in serial number (i), for the figures, letters and words “FORM GSTR-1 and 5”, the figures, letters and words “FORM GSTR-1, 1A and 5” shall be substituted;

(II) in serial number (v),–

(1) for the figures, letters and words “FORM GSTR-1/5”, the figures, letters and words “FORM GSTR-1/ 1A and 5” shall be substituted;

(2) for the figures, letters and words “filing of FORM GSTR-1”, the figures, letters and words “filing of FORM GSTR-1/1A” shall be substituted;

(D) against serial number 6, in second column, in serial number (i), for the figures, letters and words “FORM GSTR-1 and 5”, the figures, letters and words “FORM GSTR-1, 1A and 5” shall be substituted.

31. In the said rules, for FORM GSTR-2B, the following Form shall be substituted, namely:–

“FORM GSTR-2B

[See rule 60(7)]

Auto-drafted ITC Statement

(From FORM GSTR-1/IFF including E-Commerce supplies, GSTR-1A, GSTR-5, GSTR-6 and Import data received from ICEGATE)

Financial Year	
Month	

1. GSTIN	
2(a). Legal name of the registered person	
2(b). Trade name, if any	
2(c). Date of generation	

3. ITC Available Summary

(Amount in ₹ for all tables)

S.No.	Heading	GSTR-3B table	Integrated Tax (₹)	Central Tax (₹)	State/UT tax (₹)	Cess (₹)	Advisory
Credit which may be availed under FORM GSTR-3B							
Part A ITC Available - Credit may be claimed in relevant headings in GSTR-3B							
I	All other ITC - Supplies from registered persons other than reverse charge	4(A)(5)					Net input tax credit may be availed under Table 4(A)(5) of FORM GSTR-3B.
Details	B2B - Invoices						
	B2B - Debit notes						
	ECO - Documents						
	B2B - Invoices (Amendment)						
	B2B - Debit notes (Amendment)						
	ECO - Documents (Amendment)						
II	Inward Supplies from ISD	4(A)(4)					Net input tax credit may be availed under Table 4(A)(4) of FORM GSTR-3B.
Details	ISD - Invoices						
	ISD - Invoices (Amendment)						
III	Inward Supplies liable for reverse charge	3.1(d) 4(A)(3)					These supplies shall be declared in Table 3.1(d) of FORM GSTR-3B for payment of tax. Net input tax credit may be availed under Table

							4A(3) of FORM GSTR-3B on payment of tax.
Details	B2B – Invoices						
	B2B - Debit notes						
	B2B - Invoices (Amendment)						
	B2B - Debit notes (Amendment)						
IV	Import of Goods	4(A)(1)					Net input tax credit may be availed under Table 4(A)(1) of FORM GSTR-3B.
Details	IMPG - Import of goods from overseas						
	IMPG (Amendment)						
	IMGSEZ - Import of goods from SEZ						
	IMGSEZ (Amendment)						
Part B ITC Available – Credit Notes should be net-off against relevant available headings in GSTR-3B							
I	Others	4(A)					Credit Notes shall be net-off against relevant ITC available tables [Table 4A(3,4,5)]. Liability against Credit Notes (Reverse Charge) shall be net-off in Table 3.1(d).
Details	B2B - Credit notes	4(A)(5)					
	B2B - Credit notes (Amendment)	4(A)(5)					
	B2B - Credit notes (Reverse charge)	3.1(d) 4(A)(3)					
	B2B - Credit notes (Reverse charge) (Amendment)	3.1(d) 4(A)(3)					
	ISD - Credit notes	4(A)(4)					
	ISD - Credit notes (Amendment)	4(A)(4)					

4. ITC Not Available Summary

(Amount in ₹ in all sections)

S.no.	Heading	GSTR-3B Table	Integrated Tax (₹)	Central Tax (₹)	State/UT tax (₹)	Cess (₹)	Advisory
Credit which may not be availed under FORM GSTR-3B							
Part A ITC Not Available							
I	All other ITC - Supplies from registered persons other than reverse charge	4(D)(2)					Such credit shall not be taken and has to be reported in table 4(D)(2) of FORM GSTR-3B.
Details	B2B – Invoices						
	B2B - Debit notes						

S.no.	Heading	GSTR-3B Table	Integrated Tax (₹)	Central Tax (₹)	State/UT tax (₹)	Cess (₹)	Advisory
	ECO – Documents						
	B2B - Invoices (Amendment)						
	B2B - Debit notes (Amendment)						
	ECO - Documents (Amendment)						
II	Inward Supplies from ISD	4(D)(2)					Such credit shall not be taken and has to be reported in table 4(D)(2) of FORM GSTR-3B
Details	ISD – Invoices						
	ISD - Invoices (Amendment)						
III	Inward Supplies liable for reverse charge	3.1(d) 4(D)(2)					These supplies shall be declared in Table 3.1(d) of FORM GSTR-3B for payment of tax.
Details	B2B – Invoices						
	B2B - Debit notes						
	B2B - Invoices (Amendment)						
	B2B - Debit notes (Amendment)						
Part B ITC Not Available – Credit notes should be net-off against relevant ITC available headings in GSTR-3B							
I	Others	4(A)					Credit Notes should be net-off against relevant ITC available tables [Table 4A(3,4,5)].
Details	B2B - Credit notes	4(A)(5)					
	B2B - Credit notes (Amendment)	4(A)(5)					
	B2B - Credit notes (Reverse charge)	4(A)(3)					
	B2B - Credit notes (Reverse charge) (Amendment)	4(A)(3)					
	ISD - Credit notes	4(A)(4)					
	ISD - Credit notes (Amendment)	4(A)(4)					

5. ITC Reversal Summary (Rule 37A)

(Amount in ₹ in all sections)

S.no.	Heading	GSTR-3B Table	Integrated Tax (₹)	Central Tax (₹)	State/UT tax (₹)	Cess (₹)	Advisory
Credit which may be reversed under FORM GSTR-3B							
Part A ITC Reversed - Others							
I	ITC Reversal on account of Rule 37A	4(B)(2)					Such credit shall be reversed and has to be reported in table 4(B)(2) of FORM GSTR-3B.
Details	B2B – Invoices						
	B2B - Debit notes						
	B2B - Invoices (Amendment)						
	B2B - Debit notes (Amendment)						

Instructions:

1. Terms Used :-
 - a. ITC – Input tax credit
 - b. B2B – Business to Business

- c. ISD – Input service distributor
- d. IMPG – Import of goods
- e. IMPGSEZ – Import of goods from SEZ
- f. ECO – E-Commerce Operator

2. Important Advisory:

- a) FORM GSTR-2B is a statement which has been generated on the basis of the information furnished by your suppliers or by ECOs in their respective FORMS GSTR-1/IFF, 1A, 5 and 6. It is a static statement and will be made available once a month. The documents filed by the Supplier in any FORMS GSTR-1/IFF, 5 and 6 would reflect in the next open FORM GSTR-2B of the recipient irrespective of supplier's date of filing. Taxpayers are advised to refer FORM GSTR-2B for availing credit in FORM GSTR-3B. However, in case of additional details, they may refer to their respective FORM GSTR-2A (which is updated on near real time basis) for more details.
- b) In addition, the supplies declared or amended in FORM GSTR-1A shall be made available in the next open FORM GSTR-2B.
- c) Input tax credit shall be indicated to be non-available in the following scenarios: -
 - i. Invoice or debit note for supply of goods or services or both where the recipient is not entitled to input tax credit as per the provisions of sub-section (4) of Section 16 of CGST Act, 2017.
 - ii. Invoice or debit note where the Supplier (GSTIN) and place of supply are in the same State while recipient is in another State.

However, there may be other scenarios for which input tax credit may not be available to the taxpayers and the same has not been generated by the system. Taxpayers should self-assess and reverse such credit in their FORM GSTR-3B.

- 3. It may be noted that FORM GSTR-2B will consist of all the GSTR-1/IFFs, 5s and 6s being filed by your respective supplier or by ECOs. Generally, this date will be between filing date of GSTR-1(Monthly/Quarterly)/IFF for previous month (M-1) to filing date of GSTR-1(Monthly/Quarterly)/IFF for the current month (M). For example, GSTR-2B for the month of February will consist of all the documents filed by suppliers in their GSTR-1/IFF, 5 and 6 from 00:00 hours on 12th February to 23:59 hours on 11th March. It may be noted that for import of goods, the data is being updated on real time basis, therefore, imports made in the month (month for which GSTR-2B is being generated for) shall be made available. The dates for which the relevant data has been extracted is available under the "View Advisory" tab on the online portal.
- 4. It also contains information on imports of goods from the ICEGATE system including data on imports from Special Economic Zones Units / Developers.
- 5. It may be noted that reverse charge credit on import of services is not part of this statement and will be continued to be entered by taxpayers in Table 4(A)(2) of FORM GSTR-3B.
- 6. Table 3 captures the summary of ITC available as on the date of generation of GSTR-2B. It is divided into following two parts:
 - A. Part A captures the summary of credit that may be availed in relevant tables of FORM GSTR-3B.
 - B. Part B captures the summary of credit that shall be net-off from relevant table of FORM GSTR-3B.
- 7. Table 4 captures the summary of ITC not available as on the date of generation of GSTR-2B. Credit available in this table shall not be availed as credit in FORM GSTR-3B but to be reported as ineligible ITC in Table 4(D)(2) of FORM GSTR-3B. However, the liability to pay tax on reverse charge basis and the liability to net-off credit on receipt of credit notes continues for such supplies.
- 8. Table 5 captures the summary of ITC to be reversed under Rule 37A on or before 30th November following the end of financial year in which the ITC in respect of such invoice or debit note has been availed and corresponding FORM GSTR-3B has not been furnished by the supplier. Credit auto populated in this table shall be reversed in FORM GSTR-3B but should be reported as ITC reversed in Table 4(B)(2) of FORM GSTR-3B. Table 5 shall be made available only in FORM GSTR 2B of the September of the next financial year (made available in October).
- 9. Taxpayers are advised to ensure that the data generated in FORM GSTR-2B is reconciled with their own records and books of accounts. Taxpayers shall ensure that
 - a. No credit shall be taken twice for any document under any circumstances.
 - b. Credit shall be reversed wherever necessary.

- c. Tax on reverse charge basis shall be paid in cash.
10. Details of invoices, credit notes, debit notes, ISD invoices, ISD credit and debit notes, bill of entries etc. will also be made available online and through download facility.
11. There may be scenarios where a percentage of the applicable rate of tax rate may be notified by the Government. A separate column will be provided for invoices / documents where such rate is applicable.
12. Table wise instructions:

Table No. and Heading	Instructions
ITC Available Summary	
Table 3 Part A Section I All other ITC - Supplies from registered persons other than reverse charge	i. This section consists of the details of supplies (other than those on which tax is to be paid on reverse charge basis), which have been declared and filed by your suppliers or by ECOsin their FORM GSTR-1/IFF, GSTR-1A and GSTR- 5. ii. This table displays only the supplies on which input tax credit is available. iii. Negative credit, if any may arise due to amendment in B2B - Invoices and B2B - Debit notes. Such credit shall be net-off in Table 4A(5) of FORM GSTR-3B.
Table 3 Part A Section II Inward Supplies from ISD	i. This section consists of the details of supplies, which have been declared and filed by an input service distributor in their FORM GSTR-6. ii. This table displays only the supplies on which ITC is available. iii. Negative credit, if any, may arise due to amendment in ISD Amendments – Invoices. Such credit shall be net-off in table 4A(4) of FORM GSTR-3B.
Table 3 Part A Section III Inward Supplies liable for reverse charge	i. This section consists of the details of supplies on which tax is to be paid on reverse charge basis, which have been declared and filed by your suppliers in their FORM GSTR-1/IFF and GSTR-1A. ii. This table provides only the supplies on which ITC is available. iii. These supplies shall be declared in Table 3.1(d) of FORM GSTR-3B for payment of tax. Credit may be availed under Table 4(A)(3) of FORM GSTR-3B on payment of tax. iv. Negative credit, if any, may arise due to amendment in B2B - Invoices (Reverse Charge) and B2B - Debit notes (Reverse Charge). Such credit shall be net-off in Table 4(A)(3) of FORM GSTR-3B.
Table 3 Part A Section IV Import of Goods	i. This section provides the details of IGST paid by you on import of goods from overseas and SEZ units / developers on bill of entry and amendment thereof. These details are updated on near real time basis from the ICEGATE system. ii. This table shall consist of data on the imports made by you (GSTIN) in the month for which GSTR-2B is being generated for. iii. The ICEGATE reference date is the date from which the recipient is eligible to take input tax credit. iv. The table also provides if the Bill of entry was amended. v. Information is provided in the tables based on data received from ICEGATE.
Table 3 Part B Section I Others	i. This section consists of the details of credit notes received and amendment thereof which have been declared and filed by your suppliers in their FORM GSTR-1/IFF, GSTR-1A and GSTR-5. ii. These credit notes shall be net-off from relevant ITC available Tables [Table 4A(3,4,5)] of FORM GSTR-3B. Liability against Credit Notes (Reverse Charge) shall be net-off in Table 3.1(d) of FORM GSTR-3B.
ITC Not Available Summary	
Table 4 Part A Section I All other ITC - Supplies from registered persons other than	i. This section consists of the details of supplies (other than those on which tax is to be paid on reverse charge basis), which have been declared and filed by your suppliers or by ECOs in their FORM GSTR-1/IFF, GSTR-1A and

reverse charge	GSTR-5. ii. This table provides only the supplies on which ITC is not available. iii. Such credit shall not be taken in FORM GSTR-3B. However, such credit shall be reported as ineligible ITC in Table 4D(2) of FORMGSTR-3B.
Table 4 Part A Section II Inward Supplies from ISD	i. This section consists of details of the supplies, which have been declared and filed by an input service distributor in their FORM GSTR-6. ii. This table provides only the supplies on which ITC is not available. iii. Such credit shall not be taken in FORM GSTR-3B. However, such credit shall be reported as ineligible ITC in Table 4D(2) of FORMGSTR-3B.
Table 4 Part A Section III Inward Supplies liable for reverse charge	i. This section consists of the details of supplies liable for reverse charge, which have been declared and filed by your suppliers in their FORM GSTR-1/IFF and GSTR-1A. ii. This table provides only the supplies on which ITC is not available. iii. These supplies shall be declared in Table 3.1(d) of FORM GSTR-3B for payment of tax. However, credit will not be available on such supplies. iv. Such credit shall be reported as ineligible ITC in Table 4D(2) of FORMGSTR-3B.
Table 4 Part B Section I Others	i. This section consists details of the credit notes received and amendment thereof which have been declared and filed by your suppliers in their FORM GSTR-1/IFF, GSTR-1A and GSTR-5. ii. This table provides only the credit notes on which ITC is not available. iii. Such credit notes shall be net-off from relevant ITC available tables [Table 4A(3,4,5)] of FORMGSTR-3B.
Table 5 Part A Section I ITC Reversal on account of Rule 37A	i. This table shall be made available only in FORM GSTR 2B of the September (made available in October). ii. The table shall contain details of Input Tax Credit required to be reversed in respect of invoices or debit notes of previous financial year as per Rule 37A. iii. Credit auto populated in this table shall be reversed in FORM GSTR-3B and is to be reported in Table 4(B)(2) of FORM GSTR-3B.”.

32. In the said rules, with effect from date to be notified, in FORM GSTR-3B, -

(a) For Table 6.1, the following Table shall be substituted;

Description	Tax payable	Adjustment of negative liability of previous tax period	Net Tax Payable (2-3)	Tax paid through ITC				Tax paid in cash	Interest paid in cash	Late fee paid in cash
				Integrated tax	Central tax	State/UT tax	Cess			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(A) Other than (i) reverse charge and (ii) supplies made u/s 9(5)										
Integrated tax	<Auto>	<Auto>	<Auto>							
Central tax	<Auto>	<Auto>	<Auto>							
State/ UT tax	<Auto>	<Auto>	<Auto>							
Cess	<Auto>	<Auto>	<Auto>							
(B) Reverse charge and supplies made u/s 9(5)										
Integrated tax	<Auto>	<Auto>	<Auto>							
Central tax	<Auto>	<Auto>	<Auto>							
State/UT tax	<Auto>	<Auto>	<Auto>							
Cess	<Auto>	<Auto>	<Auto>							

”;

(b) Table 6.2 shall be omitted.

33. In the said rules, in FORM GSTR-4, in Instructions, at Sr.No. 2, after the words “end of such financial year”, the words and letters “for the financial year upto FY 2023-24. Further, the details in FORM GSTR-4, for every financial year or part thereof, should be furnished till the thirtieth day of June following the end of such financial year for the financial year 2024-25 onwards.” shall be inserted.

34. In the said rules, in Form GSTR-4A, for the brackets, letters, words and figures “(Auto-drafted from GSTR-1, GSTR-5 and GSTR-7)”, the brackets, letters, words and figures “(Auto-drafted from GSTR-1, GSTR-1A, GSTR-5 and GSTR-7)” shall be substituted.

35. In the said rules, with effect from 1st day of August, 2024, in Form GSTR-5,—

(i) in serial number 6, in the heading, for the figures, letters and words “Rs. 2.5 lakh”, the figures, letters and words “Rs. 1 lakh” shall be substituted;

(ii) in serial number 7, in the table, in clause (7B), in the heading, for the figures, letters and words “Rs. 2.5 Lakh”, the figure, letter and word “Rs. 1 lakh” shall be substituted;

(iii) under the heading Instructions,—

(a) in serial number 7, in clause (ii), for the figures and letters “Rs. 2,50,000”, the figures and letters “Rs. 1,00,000” shall be substituted.

(b) in serial number 8, in clause (ii), for the figures, letters and words “Rupees 2.5 lakhs”, the figure, letter and word “Rs. 1 lakh” shall be substituted.

(c) in serial number 9, for the figures, letters and words “Rs 250000/-”, the figure and letter “Rs. 100000/-” shall be substituted.

36. In the said rules, in Form GSTR-6A, for the brackets, letters, words and figures “(Auto-drafted from GSTR-1, GSTR-5 and GSTR-7)”, the brackets, letters, words and figures “(Auto-drafted from GSTR-1, GSTR-1A, GSTR-5 and GSTR-7)” shall be substituted.

37. In the said rules, with effect from a date to be notified, in Form GSTR-7,—

(i) for Table 3, the following Table shall be substituted, namely;—

“

GSTIN of deductee	Invoice/ document details			Amount paid to deductee liable for TDS	Amount of tax deducted at source		
	No.	Date	Value		Integrated tax	Central tax	State/UT tax
1	2	3	4	5	6	7	8

”;

(ii) for Table 4, the following Table shall be substituted, namely;—

“

Original details						Revised details							
Month	GSTIN of deductee	Invoice/ document details			Amount paid to deductee liable for TDS	GSTIN of deductee	Invoice/ document details			Amount paid to deductee liable for TDS	Amount of tax deducted at source		
		No.	Date	value			No.	Date	value		Integrated tax	Central tax	State/UT tax
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14

”;

(iii) in Instructions, —

(a) for instruction at serial number 2, the following instruction shall be substituted, namely;—

“2. Table 3 to capture invoice/ document wise details of tax deducted.”;

(b) after instruction at serial number 4, the following instruction shall be inserted, namely:-

“5. The amount liable for TDS in column 5 of Table 3 and column 6 and column 11 of Table 4, shall be the amount excluding the Central tax, State tax/ Union territory tax, Integrated tax and cess, indicated in the invoice.”.

38. In the said rules, in FORM GSTR-8, –

(i) under the heading Instructions, in paragraph 7, for the letters, words and figures “GSTR-1”, the letters, words and figures “(GSTR-1 or GSTR-1A)” shall be substituted;

(ii) in **FORM GSTR-8**, with effect from a date to be notified, –

(a) for serial number 3, the following shall be substituted, namely:-

“3. Details of supplies made through e-commerce operator

(Amount in Rs. for all Tables)

GSTIN of the supplier	Details of supplies made which attract TCS			Amount of tax collected at source			Place of Supply (POS)
	Gross value of supplies made	Value of supplies returned	Net amount liable for TCS	Integrated Tax	Central Tax	State /UT Tax	
1	2	3	4	5	6	7	8
3A. Supplies made to registered persons							
3B. Supplies made to unregistered persons							

”;

(b) for serial number 4, the following shall be substituted, namely:-

“4.

Amendments to details of supplies in respect of any earlier statement

Original details			Revised details						
Month	GSTIN of supplier	GSTIN of supplier	Details of supplies made which attract TCS			Amount of tax collected at source			Place of Supply (POS)
			Gross value of supplies made	Value of supply returned	Net amount liable for TCS	Integrated Tax	Central Tax	State/UT Tax	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
4A. Supplies made to registered persons									
4B. Supplies made to unregistered persons									

”;

39. In the said rules, in **FORM GSTR-9**, —

(A) in the Table, -

(i) in Pt. II, -

(a) in Sl no 4,

(I) after the entry relating to serial number G, the following serial number and entry relating thereto shall be inserted, namely: -

“G1	Supplies on which e-commerce operator is required to pay tax as per section 9(5) (including amendments, if any)					
-----	---	--	--	--	--	--

	[E-commerce operator to report]					
--	---------------------------------	--	--	--	--	--

”;

(II) against serial number H, -for the letters and word “Sub-total (A to G above)”, the letters, figures and word “Sub-total (A to G1 above)” shall be substituted.”;

(b) in Sl no 5,

(I) after the entry relating to serial number C, the following serial number and entry relating thereto shall be inserted, namely: -

“

C1	Supplies on which tax is to be paid by e-commerce operators as per section 9(5) [Supplier to report]					
----	--	--	--	--	--	--

”;

(II) against serial number N, for the letter, figures and words “Total Turnover (including advances) (4N + 5M - 4G above)”, the letters, figures and word “Total Turnover (including advances) (4N + 5M - 4G - 4G1 above)” shall be substituted.”;

(B) under the heading Instructions, -

(i) in paragraph 4, -

(a) after the word, letters and figures “or FY 2022-23”, the word, letters and figures “or FY 2023-24” shall be inserted;

(b) in the Table –

(I) after the figures, letters and words “FORM GSTR-1” wherever they occur, the figures, letters and words “as amended by FORM GSTR-1A, if any” shall be inserted;

(II) after the entry relating to serial number 4G, the following serial number and entry relating thereto shall be inserted, namely: -

4G1	Aggregate values of all the supplies (net of amendments) on which tax is to be paid by the e-commerce operators under section 9(5) is to be reported by e-commerce operator. Table 15 and 15A of FORM GSTR-1 may be referred for filling up these details.
-----	--

(III) after the entry relating to serial number 5C, the following serial number and entry relating thereto shall be inserted, namely: -

5C1	Aggregate values of supplies (net of amendments) made by suppliers through e-commerce operators on which e-commerce operators are liable to pay taxes under section 9(5) is required to be reported here by supplier. Table 14(b) and 14A(b) of FORM GSTR-1 may be referred for filling up these details.
-----	---

(IV) in second column, against serial numbers 5D, 5E and 5F, the following entries shall be inserted at the end, namely: –

‘For FY 2023-24, the registered person shall report Non-GST supply (5F) separately and shall have an option to either separately report his supplies as exempted and nil rated supply or report consolidated information for these two heads in the “exempted” row only.’;

(V) in second column, against serial numbers 5H, 5I, 5J and 5K, for the figures and word “2021-22 and 2022-23”, the figures and word “2021-22, 2022-23 and 2023-24” shall be substituted;

(VI) in second column, against serial number 5N, after the letters and word “on reverse charge basis.”, the letters, figures and word “and supplies on which e-commerce operators are required to pay taxes under section 9(5).” shall be inserted.”;

(ii) in paragraph 5, in the Table, in second column, -

(a) against serial numbers 6B, 6C, 6D and 6E, for the letters and figures “FY 2019-20, 2020-21, 2021-22 and 2022-23”, the letters, figures and word “FY 2019-20, 2020-21, 2021-22, 2022-23 and 2023-24” shall respectively be substituted;

(b) against serial numbers 7A, 7B, 7C, 7D, 7E, 7F, 7G and 7H, for the figures and word “2021-22 and 2022-23”, the figures and word “2021-22, 2022-23 and 2023-24” shall be substituted;

(c) against serial number 8A, -

(I) after the words “received from SEZs”, the words “and supplies received from E-commerce operators” shall be inserted,

(II) after the words “corresponding suppliers”, the words “including e-commerce operators” shall be inserted and

(III) the following entry shall be inserted at the end, namely: -

“However, for FY 2023-24 onwards, the total credit available for inwards supplies (other than imports and inwards supplies liable to reverse charge but includes services received from SEZs) pertaining to the financial year for which the return is being furnished and reflected in table 3(I) of FORM GSTR-2B shall be auto-populated in this table.”

(iii) in paragraph 7, -

(a) after the words and figures “filed upto 30th November, 2023.”, the following entry shall be inserted, namely: -

“For FY 2023-24, Part V consists of particulars of transactions for the previous financial year but paid in the FORM GSTR-3B of April, 2024 to October, 2024 filed upto 30th November, 2024.”;

(b) in the Table, in second column, -

(I) against serial numbers 10 & 11, the following entry shall be inserted at the end, namely: -

“For FY 2023-24, details of additions or amendments to any of the supplies already declared in the returns of the previous financial year but such amendments were furnished in Table 9A, Table 9B and Table 9C of FORM GSTR-1 of April, 2024 to October, 2024 filed upto 30th November, 2024 shall be declared here.”;

(II) against serial number 12, -

i. after the words, letters, figures and brackets “upto 30th November, 2023 shall be declared here. Table 4(B) of FORM GSTR-3B may be used for filling up these details.”, the following entry shall be inserted, namely: -

“For FY 2023-24, aggregate value of reversal of ITC which was availed in the previous financial year but reversed in returns filed for the months of April, 2024 to October, 2024 filed upto 30th November, 2024 shall be declared here. Table 4(B) of FORM GSTR-3B may be used for filling up these details.”;

ii. for the figures and word “2021-22 and 2022-23”, the figures and word “2021-22, 2022-23 and 2023-24” shall be substituted;

(c) against serial number 13, -

(I) after the words, letters and figures “reclaimed in FY 2023-24, the details of such ITC reclaimed shall be furnished in the annual return for FY 2023-24,”, the following entry shall be inserted, namely: -

“For FY 2023-24, details of ITC for goods or services received in the previous financial year but ITC for the same was availed in returns filed for the months of April, 2024 to October, 2024 filed upto 30th November, 2024 shall be declared here. Table 4(A) of FORM GSTR-3B may be used for filling up these details. However, any ITC which was reversed in the FY 2023-24 as per second proviso to sub-section (2) of section 16 but was reclaimed in FY 2024-25, the details of such ITC reclaimed shall be furnished in the annual return for FY 2024-25.”;

(II) for the figures and word “2021-22 and 2022-23”, the figures and word “2021-22, 2022-23 and 2023-24” shall be substituted;

(iv) in paragraph 8, in the Table, in second column, -

(a) against serial numbers, -

(I) 15A, 15B, 15C and 15D,

(II) 15E, 15F and 15G,

(III) 16A,

(IV) 16B and

(V) 16C;

for the figures and word “2021-22 and 2022-23” wherever they occur, the letters, figures and word “2021-22, 2022-23 and 2023-24” shall be substituted.”;

(b) against serial number 17 & 18,

(I) for the figures and word “2021-22 and 2022-23”, the letters, figures and word “2021-22, 2022-23 and 2023-24” shall be substituted.”;

(II) after the figures, letters and words “FORM GSTR-1”, the figures, letters and words “as amended by FORM GSTR-1A, if any” shall be inserted.

40. In the said rules, in FORM GSTR-9C,-

(i) under the heading Instructions, -

(a) in paragraph 4, in the Table, in second column, for the figures and word,-

i. “2021-22 and 2022-23”, wherever they occur, the figures and word “2021-22, 2022-23 and 2023-24” shall be substituted, and

ii. “2020-21 and 2021-22”, wherever they occur, the figures and word “2020-21, 2021-22, 2022-23 and 2023-24” shall be substituted;

(b) in paragraph 6, in the Table, in second column, against serial number 14, for the figures and word “2021-22 and 2022-23”, the figures and word “2021-22, 2022-23 and 2023-24” shall be substituted.

41. In the said rules, in FORM RFD-01,–

(i) under the heading Instructions, in paragraph 10, for the figures, letters and words “GSTR-1 and GSTR-2”, the figures, letters and words “GSTR-1 as amended by GSTR-1A, if any” shall be substituted;

(ii) after Statement-8, the following shall be inserted, namely:-

“Statement 9A [rule 89(2)(bb)]

Refund Type: Additional integrated tax paid on upward revision in price of goods subsequent to export

Export Invoice			Shipping Bill			Export remittance details			Refund details		Post export price increase									
											supplementary invoices/ debit note & IGST payment details						Additional export remittance details			
No.	Date	Total value of Invoice	Port of export Code	No.	Date	BRC/ FIRC No.	Date	Remittance amount	Amount	Date of sanction	No.	Date	Total value of supplementary invoice	Paid in FORM GSTR-3B return period	Total additional IGST paid	Interest paid on IGST amount	BRC/ FIRC No.	Date	Additional remittance amount	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)	(17)	(18)	(19)	(20)	

Statement 9B [rule 89(2)(bc)]

Refund Type: Details of debit/ credit notes/ supplementary invoice issued for export of goods

S. No.	Type of document (Debit Note/ Credit Note/ supplementary invoice)	Debit Note/ Credit Note/ supplementary invoice	Date of document	Document Declared in GSTR-1 for the month	Tax liability paid/ ITC claimed in respect of document declared in GSTR-3B for the month	BRC/ foreign inward remittance certificate No.	Date of BRC/ foreign inward remittance certificate	Whether refund claimed for shipping bill under Rule 96 (Y/N)	Details of such shipping Bill No.	Date of such shipping bill	Port of export code
(1)		(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
											”

42. In the said rules, after FORM RFD-10, the following Form shall be inserted, namely: -

“FORM GST RFD-10A

(See Rule 95B)

Application for refund by Canteen Stores Department (CSD)

1. GSTIN :
2. Name :
3. Address :
4. Tax Period (Quarter) : From <DD/MM/YY>To <DD/MM/YY>
5. Amount of Refund Claim :<INR><In Words>
6. Details of inward supplies of goods received:

GSTIN of the Supplier	Type of the Document	Invoice details / Debit Notes / Credit Notes			Rate	Taxable Value	Amount of Tax		
	Invoices/Credit Notes/Debit notes	No.	Date	Value			Integrated Tax	Central Tax	State Tax
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

7. Total refund applied for:

Central Tax	State/UT Tax	Integrated Tax	Total
<Total>	<Total>	<Total>	<Total>

8. Details of Bank Account:

- a. Bank Account Number
- b. Bank Account Type
- c. Name of the Bank
- d. Name of the Account Holder
- e. Address of Bank Branch
- f. IFSC
- g. MICR

9. Attachment of the documents along with the refund application:

10. Verification

I _____ as an authorised representative of << Name of Canteen Stores Department>> hereby solemnly affirm and declare that the information given herein above is true and correct to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed therefrom. I further declare that all the goods, in respect of which the refund is being claimed, have been received by us for the purpose of subsequent supply of such goods to the Unit Run Canteens of the CSD or to the authorized customers of the CSD and that no refund has been claimed earlier against any of the invoices against which refund has been claimed in this application.

Date:

Signature of Authorised Signatory:

Place:

Name:

Designation / Status.”.

43. In the said rules, for the header of FORM GST APL-02, the following header shall be substituted, namely: -

“[See Rules 108(3), 109(2), 110(1) and 111(1)]”.

44. In the said rules, after FORM GST APL-05, the following Form shall be inserted, namely: -

“FORM GST APL-05/07 W

[See rule 113A]

Application for Withdrawal of Appeal /Application filed before the Appellate Tribunal

1. GSTIN:
2. Name of Business (Legal) (in case appeal is filed under sub-section (1) of section 112)
3. Name and designation of the appellant (in case appeal is filed under sub-section (3) of section 112):
4. Order No.& Date:
5. ARN of the Appeal & Date:
6. Reasons for Withdrawal:
 - i. Acceptance of order of the First Appellate Authority.
 - ii. Acceptance of order of an Appellate Tribunal/ Court on similar subject matter
 - iii. Need to file appeal/application again after rectification of mistakes/omission in the filed appeal/application

- iv. Amount involved in appeal is less than the monetary limit fixed for Appeal as per provisions of sub-section (2) of section 112
- v. Amount involved in the application is less than the monetary limit fixed for application as per the provisions of sub-section (1) of section 120
- vi. Any other reason

7. Declaration (applicable in case appeal is filed under sub-section (1) of section 112):

I/We <Taxpayer Name> hereby solemnly affirm and declare that the information given herein is true and correct to the best of my/ our knowledge and belief and nothing has been concealed therefrom.

Place:

Signature

Date:

Name of Applicant /Applicant Officer

Designation/ Status".

45. In the said rules, for the FORM GST DRC-01A, the following Form shall be substituted, namely:-

"FORM GST DRC-01A

Intimation of tax ascertained as being payable under section 73(5)/74(5)

[See Rule 142 (1A), (2A)]

Part A

No.:

Date:

Case ID No.

To

GSTIN.....

Name.....

Address.....

Case Proceeding Reference No.....- Intimation of liability under section 73(5)/section 74(5)

Please refer to the above proceedings. In this regard, the amount of tax/interest/penalty payable by you under section 73(5) / 74(5) with reference to the said case as ascertained by the undersigned in terms of the available information, as is given below:

Act	Period	Tax	Interest	Penalty	Total
CGST Act					
SGST/UTGST Act					
IGST Act					
Cess					
Total					

The grounds and quantification are attached / given below:

You are hereby advised to pay the amount of tax as ascertained above along with the amount of applicable interest in full by, failing which Show Cause Notice will be issued under section 73(1).

OR

You are hereby advised to pay the amount of tax as ascertained above along with the amount of applicable interest and penalty under section 74(5) by, failing which Show Cause Notice will be issued under section 74(1).

In case you wish to file any submissions against the above ascertainment, the same may be furnished by..... in Part B of this Form.

Signature.....
Name.....
Designation.....
Jurisdiction
Address

Upload Attachment

Part B

Reply to the communication for payment before issue of Show Cause Notice

[See Rule 142 (2A)]

Reference No. of Intimation:

Date:

Please refer to Intimation ID..... in respect of Case ID.....vide which the liability of tax payable as ascertained under section 73(5) / 74(5) was intimated.

In this regard,

A. this is to inform that the said liability is discharged partially/ fully to the extent of Rs. throughand the submissions regarding remaining liability are attached / given below:

OR

B. the said liability is not acceptable and the submissions in this regard are attached / given below:

Signature of Authorised Signatory

Name.....

Designation / Status

Upload Attachment

Part C

[See Rule 142(2A)]

Reference No. of Intimation:

Date:

To

GSTIN.....
 Name.....
 Address.....

Acceptance of submission and/or payment made in reply to intimation made in Part-A of FORM GST DRC-01A

This has reference to the communication issued in **Part-A** of **FORM GST DRC-01A** vide reference no. ----- dated -----, the payment made through **FORM GST DRC-03** vide reference no. ----- dated ----- .The said payment made by you has been found satisfactory and hence accepted.

OR

This has reference to the reply furnished vide reference no. ----- dated ----- in response to the communication issued in **Part-A** of **Form GST DRC-01A** vide reference no. ----- dated -----, along with the payment made through **FORM GST DRC-03** vide reference no. ----- dated ----- . The said submission and the payment made by you has been found satisfactory and hence accepted.

OR

This has reference to the reply furnished vide reference no. ----- dated ----- in response to the communication issued in **Part-A** of **Form GST DRC-01A** vide reference no. ----- dated ----- . The said reply has been found satisfactory and hence accepted.

Signature.....
 Name.....
 Designation.....
 Jurisdiction
 Address

Upload Attachment”;

46. In the said rules, in FORM GST DRC-01B,–

- (i) in Part A, in serial number 1, –
 - (a) after the words, letters and figures “furnished by you in FORM GSTR-1”, the words, letters and figures “as amended in FORM GSTR-1A, if any,” shall be inserted;
 - (b) in the table, for the figures, letters and words “FORM GSTR-1/IFF”, the figures, letters and words “FORM GSTR-1/GSTR-1A/IFF” shall be substituted;
- (ii) in Part B, in serial number B, in the table, for the figures, letters and words “FORM GSTR-1/IFF” wherever they occur, the figures, letters and words “FORM GSTR-1/GSTR-1A/IFF” shall be substituted.

47. In the said rules, in FORM GST DRC-03,–

- (i) in Table,
 - (a) for entry at serial number (3A), the following entry shall be substituted, namely;–

3A	Shipping bill details of erroneous IGST refund (to be enabled only if the specified categories chosen in drop down menu)	(i) Shipping Bill/ Bill of Export No. & Date: (ii) Amount of IGST paid on export of goods: (iii) Notification No. used for procuring inputs at concessional rate or exemption (in cases of contravention of sub-rule 10 of Rule 96): (iv) Date of notification: (v) Amount of refund received: (vi) Amount of erroneous refund to be
----	--	---

		deposited: (vii) Date of credit of refund in Bank Account: ”;
--	--	---

(b) for the entry at serial number (5), the following entry shall be substituted, namely,—

“	Details of	Reference No./ARN	Date of issue/filing
5.	i. Audit ii. Inspection or investigation iii. After issuance of SCN/ Statement but before issuance of the order iv. Scrutiny, v. Intimation of tax ascertained through FORM GST DRC-01A, vi. Payment made in response to FORM GST DRC -01 B, vii. Payment made in response to FORM GST DRC -01 C, viii. Deposit of Erroneous Refund of unutilized ITC, ix. Non-receipt of foreign remittance in respect of refund of unutilized ITC on export of goods under Rule 96B x. Others (specify)		”.

48. In the said rules, after FORM GST DRC-03, the following Form shall be inserted, namely:—

“FORM GST DRC- 03A

[See rules 142(2B)]

Application for adjustment of the amount paid through FORM GST DRC-03 against the order of demand

1.	GSTIN	
2.	Legal name	< Auto>
3.	Trade name, if any	< Auto>
4.	ARN of DRC-03A	< Auto>
5.	Date of filing DRC-03A	< Auto>
6.	ARN of the DRC-03 through which payment made	
7.	Date of filing of DRC-03	<Auto>
8.	Amount paid through DRC-03	< Auto>

(Amount in Rs.)

Sr. No.	Tax Period	Act	Place of Supply (POS)	Tax/ Cess	Interest	Penalty	Fee	Others	Total
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>
< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>
Total	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>

9.	Reference no. of the order of demand against which payment was intended to be made (including rectification / appeal order)	
10.	Date of issue of the order	<Auto>
11.	Amount of demand	<Auto>

(Amount in Rs.)

Sr. No.	Tax Period	Act	Place of Supply (POS)	Tax/ Cess	Interest	Penalty	Fee	Others	Total
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>
< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>
Total	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>	< Auto>

12.	<u>UNDERTAKING</u> I hereby undertake that the payment made vide the FORM GST DRC-03 with unique ARN number mentioned at S. No. 6 above, has actually been paid by me as 'payment towards demand' intended to be paid against the demand (with unique ARN number of FORM GST DRC -07, or GST DRC-08 or FORM GST APL-04, as the case may be, mentioned at S. No. 9 above) and has not been used towards any other demand/ payment to be made by me. I also undertake to pay back to the Government the amount so adjusted using this form along with applicable interest, if any of the details declared above are found to be false subsequently. I will also be liable to penal action under Section 122(1)(x) of CGST Act.
-----	--

13.	Verification- I hereby solemnly affirm and declare that the information given hereinabove is true and correct to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed therefrom.
-----	---

Date

Signature of Authorized Signatory
Name
Designation / Status ”.

49. In the said rules, for FORM GST DRC-04, the following Form shall be substituted, namely:-

“FORM GST DRC – 04

[See rule 142(2) & 142(3)]

Reference No:

Date:

To

_____ GSTIN/ID

----- Name

_____ Address

Tax Period -----

F.Y. -----

ARN -

Date –

Acknowledgement of payment made voluntarily.

The payment made by you vide application referred to above is hereby acknowledged to the extent of the amount paid.

This is a system generated acknowledgement and does not require signature.”.

By Order and in the Name of the Lt. Governor of
the National Capital Territory of Delhi,
MANGEJ SINGH, Dy. Secy. (Fin.)

Note: The principal rules were published in the Gazette of Delhi, Extraordinary, Part IV, Section 3, Sub- section (i), vide number F.3 (10)/Fin.(Rev-I)/2017-18/DS-I/342, dated 22nd June, 2017 and last amended vide notification No. 52/2023 – State Tax, published in the Gazette of Delhi, Extraordinary, Part IV, Section 3, Sub- section (i), vide number F.3 (07)/Fin.(Exp-I)/2025-26/DS-I/475, dated 2nd June, 2025.